मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.4	20.2
डालटनगंज	32.5	21.9
धनबाद	31.2	22.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, रविवार 12 अक्टूबर 2025 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 06, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 183 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

एसएएफसी की अनुशंसा का अनुपालनः बेदम स्थानीय स्वशासन को 4 का दम

सुधीर पाल

झारखंड सरकार ने हाल ही में एक ऐसा निर्णय लिया है जो स्थानीय स्व शा सन और लोकतंत्र की जड़ों को मज़बूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है.

राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के अनुरूप अब राज्य के कुल राजस्व का चार प्रतिशत हिस्सा सीधे स्थानीय निकायों यानि ग्राम पंचायतों और शहरी संस्थाओं को दिया जाएगा.

यह पहली बार है जब झारखंड ने अपने राजस्व का एक निश्चित अंश पंचायतों और नगर निकायों को सौंपने की ठोस व्यवस्था की है. यह केवल धनराशि का हस्तांतरण नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में सत्ता की हिस्सेदारी की भावना को मूर्त रूप देने का प्रयास है. भारतीय संविधान में निहित स्थानीय स्वशासन की भावना केवल चुनाव तक सीमित नहीं है. यह जनता के संसाधनों पर जनता के निर्णय का अधिकार है. राज्य वित्त आयोग की भूमिका निर्णय लेने के जनता के अधिकार को आर्थिक शक्ति में बदलने का उपकरण है.

झारखंड का यह निर्णय यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ता है, तो यह न केवल पंचायतों की वित्तीय स्थिति सुधारेगा बल्कि ग्रामीण लोकतंत्र में नई ऊर्जा भी भर देगा. चार प्रतिशत राजस्व का यह हिस्सा शायद राज्य के कुल बजट में छोटा लगे, पर यह ग्रामसभा के लिए आवाज़ और अधिकार दोनों का प्रतीक बन सकता है. वही आवाज़ जो संविधान की प्रस्तावना में "हम भारत के लोग" कहती है. झारखंड का यह निर्णय कि राज्य के कुल राजस्व का चार प्रतिशत हिस्सा स्थानीय निकायों को दिया जाएगा, एक लंबे समय से महसूस की जा रही कमी को पूरा करता है. झारखंड की लगभग 4,500 पंचायतें और दर्जनों नगर निकाय बुनियादी सेवाओं, पेयजल, सड़क और सामाजिक सुरक्षा जैसी जिम्मेदारियां निभा रहीं हैं, परंतु उनकी वित्तीय स्थिति अब तक राज्य की मर्ज़ी पर निर्भर रही है. नई पहल से न केवल ग्राम पंचायतों को योजनाएं बनाने का अवसर मिलेगा, बल्कि उन्हें अपने निर्णयों को अमल में लाने की क्षमता भी मिलेगी. अनुमान है कि राज्य की पंचायती राज संस्थाओं को हर साल लगभग 900 करोड़ रुपए मिलेंगे. इसका 70 फ़ीसदी हिस्सा ग्राम पंचायत को जाएगा जबकि पंचायत समिति और जिला परिषद की हिस्सेदारी क्रमशः 15-15 फ़ीसदी की होगी.

झारखंड राज्य वित्त आयोग की रिपोर्टों में बार-बार यह बात सामने आई कि यदि स्थानीय स्वशासन को वास्तविक शक्ति देनी है तो राजस्व का एक सुनिश्चित हिस्सा पंचायतों को सीधे हस्तांतरित किया जाना चाहिए. सरकार ने अब जाकर उस दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाया है.

'नीचे से ऊपर' शासन का आधारः राजनीतिक और प्रशासनिक विकेंद्रीकरण के बिना आर्थिक विकेंद्रीकरण अधूरा रहता है. यह बात बार-बार अनुभव की गई है कि अगर पंचायतों को पैसा नहीं मिलेगा, तो वे न तो योजना बना सकेंगी, न ही विकास की गति तय कर सकेंगी. राज्य के कुल राजस्व का 5% हिस्सा पंचायतों और नगर निकायों को देना, इस असंतुलन को ठीक करने की कोशिश है.

स्थानीय निकायों को नियमित और सुनिश्चित राजस्व का हिस्सा मिलने से वे अपनी योजनाओं को राज्य अनुदान या विभागीय अनुमति पर निर्भर हुए बिना लागू कर सकेंगी. इससे स्थानीय समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया तेज़ और लचीली होगी। यदि इस निधि के साथ स्पष्ट लेखांकन और जन-सुनवाई की व्यवस्था भी बने, तो ग्रामसभा की भूमिका मजबूत होगी. पंचायतें अपने खर्च का ब्यौरा जनता के सामने रखेंगी — यह पारदर्शिता लोकतंत्र की असली आत्मा है.

ग्राम स्तर पर होने वाले छोटे-छोटे सार्वजनिक कामों से स्थानीय श्रमिकों को रोजगार मिलेगा, सामग्री की खपत बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गतिशीलता आएगी. जब गांव का बजट गांव ही बनाएगा, तो योजनाएं "ऊपर से नीचे" नहीं बल्कि "नीचे से ऊपर" आएंगी. ग्रामसभा के निर्णय में महिलाएं, युवजन और कमजोर वर्ग भी बराबर की भूमिका निभा सकेंगे.

राजस्व के साथ-साथ अगर विभागीय जिम्मेदारियां भी पंचायतों को सौंपी जाएं जैसे जल-प्रबंधन, प्राथमिक शिक्षा, आंगनवाड़ी, सामाजिक सुरक्षा आदि तो प्रशासनिक केंद्रीकरण घटेगा और जवाबदेही निचले स्तर पर आएगी.

-शेष पेज 09 पर

राज्य वित्त आयोग की ऐतिहासिक भूमिका

भारत में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों (1992) के माध्यम से स्थानीय स्वशासन को संवैधानिक मान्यता दी गई. इन संशोधनों ने पंचायतों और नगर निकायों को तीसरे स्तर की सरकार के रूप में स्थापित किया. एक ऐसा स्तर जो न केवल लोगों के सबसे करीब है, बल्कि लोकतंत्र का असली चेहरा भी है.इन्हीं संशोधनों के तहत संविधान के अनुच्छेद 243-आई और 243-वाई में राज्य वित्त आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया. इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि राज्यों के राजस्व में स्थानीय निकायों का न्यायसंगत हिस्सा हो. राज्य वित्त आयोग को यह जिम्मेदारी दी गई कि वह पांच साल में एक बार यह समीक्षा करे कि राज्य और स्थानीय निकायों के बीच कर, शुल्क और अनुदान का बंटवारा किस आधार पर हो, ताकि स्थानीय संस्थाएं वित्तीय रूप से सक्षम बन सकें.

राज्य वित्त आयोग का उद्देश्य सिर्फ़ "पैसे बांटना" नहीं है — बल्कि यह स्थानीय सरकारों की आर्थिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने, उनकी अपनी आय बढ़ाने के रास्ते सुझाने और राज्य के बजटीय ढांचे में विकेंद्रीकरण की भावना स्थापित करने का संवैधानिक माध्यम है. भारत के कई राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय पहल की। केरल ने अपने "पीपुल्स प्लान" अभियान के तहत राज्य की योजना निधि का लगभग 35% हिस्सा स्थानीय निकायों को सौंप दिया. परिणामस्वरूप पंचायतें अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के मुताबिक़ योजनाएं बनाने लगीं. जल-संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला.

स्थानीय निकायों की आर्थिक निर्भरता का संकट

झारखंड में पंचायती राज संस्थाएं 2010 में पहली बार अस्तित्व में आईं. यानी यह राज्य उस श्रेणी में आता है जहाँ स्थानीय शासन की नींव अपेक्षाकृत नई है. पिछले डेढ़ दशक में पंचायतों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा, आंगनवाड़ी, जल और सड़क जैसी अनेक जिम्मेदारियां निभाई हैं.

परंतु सच्चाई यह भी है कि उनकी वित्तीय स्थिति अत्यंत कमजोर रही है. पंचायतों को अपने निर्णयों और प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाएं चलाने की आर्थिक क्षमता नहीं रही. वे राज्य सरकार या विभागीय अनुदानों या केन्द्रीय वित्त आयोग पर निर्भर रहीं, जिनमें विलंब, जटिल प्रक्रियाएं और राजनीतिक हस्तक्षेप आम थे.

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रपति ने किए भगवान द्वारकाधीश के दर्शन

गांधीनगर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार को गुजरात के द्वारका पहुंची. उन्होंने द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के चरणों में शीश झुकाकर दर्शन किए. राष्ट्रपति ने द्वारकाधीश से भारत के नागरिकों के सुख, शांति और समृद्धि के लिए हृदयपूर्वक प्रार्थना की. उन्होंने भक्तिभाव से शास्त्रोक्त विधि अनुसार पादुका पूजन कर धन्यता का अनुभव किया. मौके पर द्वारकाधीश मंदिर में राष्ट्रपति का ऊपरणा, द्वारका मंदिर की प्रतिकृति, फूल और तुलसी से निर्मित अनुग्रहम अगरबत्ती, गोल्ड प्लेटेड द्वारकाधीश का स्वरूप तथा प्रसाद भेंट कर स्वागत किया गया.

पूर्व सांसद अरुण कुमार की जदयू में हुई वापसी

पटना। जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण कुमार और उनके बेटे ऋतुराज ने शनिवार को जदयू जॉइन कर ली. दरअसल, अरुण कुमार की यह पार्टी में तीसरी बार घर वापसी हुई है. जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और ललन सिंह ने पिता-पुत्र को पार्टी की सदस्यता दिलाई. यह तेजस्वी यादव के भूमिहार नेताओं को आरजेडी में लुभाने के प्रयासों के जवाब में, जदयू की भूमिहार वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति मानी जा रही है. अरुण कुमार 1999 और 2014 में जहानाबाद से लोकसभा सदस्य रह चुके हैं.

गंगा में नहाने गई तीन बहनों की मौत

पटना। बिहार के सारण जिले के दिघवारा प्रखंड में शनिवार को गंगा नदी में नहाने गई चार बच्चियां डूब गईं. इस दर्दनाक हादसे में तीन सगी बहनों की मौत हो गई, जबकि चौथी बच्ची गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज जारी है. मृत बच्चियों में 11 वर्षीय गुंजन, 9 वर्षीय सपना और 7 वर्षीय तुरनी शामिल हैं. चौथी बच्ची, लखमुनि को स्थानीय लोगों की मदद से पतलापुर बाजार स्थित एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया है.

पीएम नरेंद्र मोदी ने दो बड़ी कृषि योजनाओं का शुभारंभ, कहा

अपना देश बनेगा आत्मनिर्भर किसानों का बदलेगा भाग्य

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को किसानों के लिए दो बड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं की शुरुआत की. प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भता मिशन को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये दो योजनाएं भारत के किसानों का भाग्य बदलने का काम करेंगी. उन्होंने बताया कि इन योजनाओं पर सरकार करीब 35 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करने वाली है. शनिवार को प्रधानमंत्री की इस घोषणा ने पीएम किसान योजना की 21वीं किस्त का इंतजार कर रहे किसानों समेत देश के लाखोंकिसानों को सुकून पहुंचाया. पीएम मोदी ने कहा कि बीते 11 वर्षों में भारत का कृषि निर्यात करीब-करीब दोगुना हो गया है. अनाज उत्पादन 900 लाख मीट्रिक टन और बढ़ गया. फल और सब्जियों का उत्पादन 640 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा बढ़ गया है. उन्होंने किसानों के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा रही है. यह बेहद जरूरी बदलते समय के साथ खेती और किसान को सरकार का सहयोग मिलता रहे.

किसानों के लिए हुए कई बड़े रिफॉर्म ; पीएम मोदी ने आगे कहा, बीज से लेकर बाजार तक अनगिनत सुधार किए गए. जिसके परिणामस्वरूप आज दूध उत्पादन में भारत नंबर एक पर है. भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक है. भारत में शहद उत्पादन 2014 की तुलना में दोगुना हो गया है. देश में 6 बड़ी फर्टिलाइजर फैक्ट्रियां बनाई गई हैं. 25 करोड़ से ज्यादा सॉइल हेल्थ कार्ड किसानों को दिए गए हैं. 100 लाख हेक्टेयर में सूक्ष्म सिंचाई की सुविधा पहुंची है. पीएम फसल बीमा योजना से करीब 2 लाख करोड़ रुपए क्लेम के रूप में किसानों को मिले हैं. बीते 11 वर्षों में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पाद संघ एफपीओ बने.

दलहन मिशन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम : मोदी ने कहा कि आज से दलहन आत्मनिर्भरता मिशन शुरू हो रहा है. यह केवल दाल उत्पादन बढ़ाने का मिशन नहीं, बल्कि हमारी भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने का अभियान है. उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश को अब गेहूं और चावल से आगे बढ़कर प्रोटीन आधारित फसलों की दिशा में सोचना होगा. उन्होंने बताया कि इस मिशन के तहत तूर, उड़द और मसूर दाल की पैदावार बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा और दाल की उचित खरीद की व्यवस्था की जाएगी, जिससे करीब दो करोड़ दाल किसानों को सीधा लाभ मिलेगा. दाल भारतीयों के लिए प्रोटीन का सबसे बड़ा स्रोत है और इसे आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह मिशन निर्णायक साबित होगा.

कांग्रेस पर साधा निशानाः मोदी ने विपक्षी कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस सरकार ने दस वर्षों में मात्र 5 करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी दी थी, जबकि हमारी सरकार ने पिछले दस वर्षों में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक की उर्वरक सब्सिडी प्रदान की है. भाजपा-नीत एनडीए सरकार एक बार में पीएम किसान सम्मान निधि के तहत जितनी राशि किसानों के खातों में भेजती है, उतना खर्च कांग्रेस सरकार पूरे वर्ष में खेती पर नहीं करती थी. अब तक 3.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक सीधे किसानों के खातों में जमा किए जा चुके हैं. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जब गांवों में खेती मजबूत होगी, तो गांवों की अर्थव्यवस्था, किसानों की आय और देश की आत्मनिर्भरता- तीनों में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिलेगा.

किसानों-मछुआरों से बातचीत का अनुभव साझा किया

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आने से पहले उनकी अनेक किसानों और मछुआरों से बात हुई. उन्हें कृषि क्षेत्र में काम कर रही महिलाओं के अनुभव सुनने का अवसर मिला. पीएम मोदी ने कहा कि ऐसी अनेक उपलब्धियां हैं जो देश के किसानों ने बीते 11 वर्षों में अनुभव की हैं. उन्होंने कहा, हमें विकसित बनने के लिए हर क्षेत्र में लगातार बेहतर करते ही रहना होगा. सुधार करना ही होगा. इसी सोच का प्रमाण पीएम धन-धान्य कृषि योजना है. इस योजना की प्रेरणा आकांक्षी जिला योजना का सफलता बनी है. आकांक्षी जिलों को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि जब वंचितों को वरीयता और पिछड़ों को प्राथमिकता मिलती है तो उसके नतीजे भी बहुत अच्छे मिलते हैं. आज आकांक्षी जिलों में माता मृत्यु दर घटी है. बच्चों का स्वास्थ्य और पढ़ाई का स्तर सुधरा है. ये जिले अब कई पैरामीटर्स को लेकर दूसरे जिलों से बेहतर कर रहे हैं.

देश की कृषि क्रांति का नया अध्याय

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह ऐतिहासिक दिन मां भारती के दो महान सपूतों भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और भारत रत्न नानाजी देशमुख की जयंती का भी प्रतीक है. उन्होंने कहा, ये दोनों ही ग्रामीण भारत की आवाज थे, किसानों और गरीबों के कल्याण के प्रति समर्पित थे. ऐसे ऐतिहासिक दिन पर किसानों की आत्मनिर्भरता के लिए दो नई योजनाओं का शुभारंभ देश की कृषि क्रांति का नया अध्याय है. मोदी ने कहा कि पिछली सरकारों ने खेती-किसानी को अपने हाल पर छोड़ दिया था, जिससे कृषि व्यवस्था कमजोर होती चली गई. वर्ष 2014 के बाद हमने खेती के प्रति सरकार की सोच को पूरी तरह बदला। किसान के हित में बीज से लेकर बाजार तक सुधार किए गए हैं. उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारत का कृषि निर्यात लगभग दोगुना, अनाज उत्पादन 900 लाख मीट्रिक टन बढ़ा, फल और सब्जियों का उत्पादन 640 लाख मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है.

रांची में बनेगी नई साइंस सिटी

सरकार ने दी 270 करोड़ की मंजूरी, धनबाद-जमशेदपुर को भी तोहफ़ा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड को विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में एक बड़ा बढ़ावा मिलने वाला है. राज्य सरकार ने झारखंड की पहली रांची में साइंस सिटी और जमशेदपुर और धनबाद में क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र की स्थापना को हरी झंडी दे दी है. यह राज्य में वैज्ञानिक शिक्षा, नवाचार और पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए एक बड़ी योजना की घोषणा है.

जेसीएसटीआई के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजशेखर प्रसाद के अनुसार, सरकार ने रांची साइंस सिटी परियोजना के लिए 26 अतिरिक्त एकड़ ज़मीन पहले ही मंजूर कर दी है. उन्होंने एक बातचीत में कहा, वर्तमान में, रांची में क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र 13 एकड़ का है, लेकिन साइंस सिटी एक बहुत बड़ी परियोजना है – प्रत्येक राज्य में केवल एक ही है. इस प्रकार, वर्तमान केंद्र के बगल में 26 एकड़ ज़मीन और आरक्षित कर दी गई है. साइंस सिटी परियोजना की अनुमानित लागत 270 करोड़ रुपए होगी, और केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) द्वारा विस्तृत डीपीआर पहले ही तैयार कर लिया गया है. झारखंड मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी के बाद, प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा. 2010 में स्थापित, रांची क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र में तीन गैलरी हैं. साइंस सिटी में रूपांतरण के साथ, गैलरी की संख्या बढ़ कर छह हो जाएगी. यह पहल न केवल आगंतुकों के बीच वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ाएगी, बल्कि राज्य की राजधानी में वैज्ञानिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगी.

धनबाद और जमशेदपुर में बनेंगे विज्ञान केंद्र

डॉ. प्रसाद ने स्पष्ट किया कि धनबाद और जमशेदपुर को जनसंख्या आकार और सुगम्यता के आधार पर क्षेत्रीय विज्ञान केंद्रों के लिए चुना गया था. इन शहरों की योजनाएं पहले से ही नियोजन और अनुमोदन के चरण में हैं. राज्य सरकार की झारखंड के सभी जिलों में जिला-स्तरीय विज्ञान केंद्र स्थापित करने की भी योजना है. कई जिलों में इन केंद्रों के निर्माण और आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. अन्य जिलों में चल रही परियोजनाएं देवघर में, नंदन कानन हिल्स में एक तारामंडल और विज्ञान केंद्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है. इस तारामंडल का अधिग्रहण इसी वर्ष जेसीएसटीआई द्वारा किया जाएगा. साहिबगंज में, इस बीच, राजमहल में पुराने आईटीआई भवन को एक जिला विज्ञान केंद्र आवंटित किया गया है. गिरिडीह, गुमला और लोहरदगा जिलों में भी ऐसी ही अन्य परियोजनाएं चल रही हैं.

नदियों में प्रदूषित पानी बहाने पर हाईकोर्ट सख्त

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य की नदियों में कोल वाशरी का प्रदूषित पानी

बहाए जाने को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है. कोर्ट ने इसे गंभीर मामला मानते हुए राज्य सरकार के मुख्य सचिव, जल संसाधन के सचिव और सीसीएल पिपरवार के जीएम को प्रतिवादी बनाया है. कोर्ट ने कहा कि कोल वाशरियों से निकले गंदे जल के कारण नदियों का पानी पीने योग्य नहीं है. यह न सिर्फ पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर डाल रहा है. इससे पहले भी कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया था कि नदियों से अतिक्रमण हटाया जाए. सॉलिड वेस्ट या औद्योगिक कचरा नदियों में न बहाया जाए. लेकिन कोर्ट ने पाया कि इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा. पूरे मामले में अब राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों को कोर्ट में जवाब देना होगा.

पावर स्टार पवन सिंह ने विस चुनाव नहीं लड़ने का किया ऐलान

शुभम संदेश। पटना

भोजपुरी के सुपरस्टार पवन सिंह ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में हिस्सा न लेने का ऐलान कर दिया है. पवन सिंह ने अपने भोजपुरी समाज को

स्पष्ट कर दिया है कि वे चुनाव नहीं लड़ेंगे और उन्होंने चुनाव लड़ने के लिए पार्टी नहीं जॉइन किया था. अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने खुद को भाजपा का सिपाही बताया.

पवन सिंह ने सोशल मीडिया पर गृह मंत्री अमित शाह के साथ फोटो पोस्ट कर लिखा कि मैं पवन सिंह अपने भोजपुरीया समाज से बताना चाहता हूं कि मैं बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी ज्वाइन नहीं किया था और ना ही मुझे विधानसभा चुनाव लड़ना है. मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं और रहूंगा.

बता दें कि पवन सिंह ने बीते दिनों बिहार बीजेपी प्रभारी विनोद तावड़े और ऋतुराज सिन्हा के साथ उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात की थी. उसके बाद उन्होंने दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात की. जिसके बाद राजनीति गलियारों में चर्चा तेज हो गई कि पवन सिंह आरा से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे. लेकिन अब उनके खुद के पोस्ट ने सभी अटकलों को खारिज कर दिया है.

इसी बीच, पवन सिंह का अपनी पत्नी ज्योति सिंह के साथ विवाद लगातार सुर्खियों में बना हुआ है. हालांकि पवन सिंह और ज्योति सिंह का यह निजी और कानूनी टकराव पिछले काफी समय से चर्चा में है. हाल ही में ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. हालांकि, चुनावी मोर्चे पर पवन सिंह ने खुद को पूरी तरह से निष्क्रिय रखते हुए अपने राजनीतिक इरादों को साफ कर दिया है.

विवाद : महिला पत्रकारों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'नो एंट्री' पर बोले अफगान मंत्री मुतक्की

हमने किसी को नहीं किया था मना, विपक्ष ने सरकार को घेरा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुतक्की की दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर भारत में सियासी हलचल तेज हो गई है. दरअसल, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को आमंत्रित नहीं किया गया, जिसके बाद विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए. मुतक्की ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमने महिलाओं को मना नहीं किया था और उम्मीद जताई कि भारत और अफगानिस्तान के बीच रिश्ते और बेहतर होंगे.

अफगान विदेश मंत्री ने कहा, हम कोशिश करेंगे कि रिश्ते और बेहतर हों. आना-जाना और बढ़े, हालात सुधरें. हम एक ही इलाके के

लोग हैं, एक-दूसरे की जबान बोल सकते हैं. हमने महिलाओं को मना नहीं किया था. मुतक्की ने कहा कि उनका भारत आने का मकसद दारुल उलूम देवबंद, भारतीय सरकार और सियासी लोगों से मिलना-जुलना है. उन्होंने कहा कि भविष्य में भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार और राजनीतिक रिश्ते मजबूत करने की कोशिश की जाएगी.

विपक्ष ने पीएम मोदी पर साधा निशाना : इस घटना को लेकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी, राहुल गांधी, पी चिदंबरम, और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने केंद्र सरकार को घेरा. प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, पीएम मोदी जी, बताइए कि भारत में तालिबान प्रतिनिधि की प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को क्यों हटाया गया? अगर महिलाओं के अधिकारों पर आपकी बातें सच्ची हैं, तो यह अपमान कैसे होने दिया गया? राहुल गांधी ने कहा- जब आप महिला पत्रकारों को मंच से बाहर रखने की इजाज़त देते हैं, तो आप भारत की हर महिला को यह दिखा रहे हैं कि आप उनके लिए खड़े नहीं हो सकते. पी चिदंबरम ने पत्रकारों से अपील की कि ऐसे मामलों में पुरुष पत्रकारों को भी बाहर निकल कर विरोध जताना चाहिए था. महुआ मोइत्रा ने भी कहा कि भारत में धार्मिक आजादी पर सख्ती है, लेकिन एक विदेशी कट्टरपंथी को महिलाओं के साथ भेदभाव की अनुमति दी जा रही है- यह विरोधाभास है.

महिला पत्रकारों को क्यों नहीं बुलाया गया

यह प्रेस कॉन्फ्रेंस विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुतक्की की बातचीत के कुछ घंटे बाद दिल्ली स्थित अफगानिस्तान दूतावास में हुई थी. भारतीय पक्ष ने महिला पत्रकारों को भी शामिल करने का सुझाव दिया था, लेकिन माना जा रहा है कि पत्रकारों की सूची तालिबान अधिकारियों ने बनाई थी. भारत सरकार ने कहा कि इस कार्यक्रम में विदेश मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं थी.

महिलाओं के अधिकारों पर सवाल टाला

महिला अधिकारों को लेकर पूछे गए एक सीधे सवाल पर मुतक्की ने जवाब देने से बचते हुए कहा कि हर देश की अपनी परंपराएं होती हैं. अफगानिस्तान में तालिबान शासन पर महिलाओं के अधिकारों को सीमित करने के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं.

ओडिशा की मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

बंगाल के दुर्गापुर में हुई हैवानियत का शिकार

एजेंसियां। दुर्गापुर

बंगाल के दुर्गापुर में निजी मेडिकल कॉलेज की दूसरी वर्ष की छात्रा के साथ कॉलेज अस्पताल परिसर के भीतर गैंगरेप का मामला सामने आया है. यह घटना हिला देने वाले 2024 के आरजी कर मेडिकल कॉलेज केस की याद दिलाती है, जिसमें जूनियर डॉक्टर से रेप और हत्या की गई थी.

कैंपस के पास से छात्रा को खींचकर ले गया आरोपीः छात्रा ओडिशा के जलेश्वर की है और दुर्गापुर के शौभापुर इलाके में स्थित मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की छात्रा है. पुलिस के अनुसार, छात्रा शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे अपने क्लासमेट के साथ कैंपस के बाहर खाने गई थी. वापसी के दौरान कथित रूप से 2-3 युवक उनके रास्ते में आए. इसमें से एक ने छात्रा का फोन छीन लिया, जबकि दूसरा सुनसान जगह पर घसीट कर ले गया और रेप किया. बाद में पीड़िता की साथी ने उसे उसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया. पुलिस ने बताया कि जांच जारी है. पीड़िता का बयान रिकॉर्ड किया जा चुका है और उसके साथी की भूमिका की भी जांच की जा रही है. पुलिस ने बताया कि पीड़िता की दोस्त से भी पूछताछ की गई है. सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। सबूत इकट्ठा करने के लिए फोरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी. अभी तक मामले में किसी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हुई है. मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों से भी पूछताछ हो रही है.

राष्ट्रीय महिला आयोग का दौराः राष्ट्रीय महिला आयोग ने शनिवार को दुर्गापुर मेडिकल कॉलेज के मौके पर जायजा लिया. आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा कि राज्य में ऐसे अपराध बढ़ रहे हैं क्योंकि अपराधियों को दंडित नहीं किया जाता है. यह जघन्य घटना है.

स्वास्थ्य निदेशक ने मांगी रिपोर्ट

स्वास्थ्य शिक्षा निदेशक इंद्रजीत साहा ने निजी मेडिकल कॉलेज से तत्काल रिपोर्ट जमा करने को कहा है. स्वास्थ्य भवन सूत्रों के अनुसार पुलिस की जांच पर भी नजर रखी जा रही है. इस बीच, पीड़िता के पिता ने कहा, अगर अस्पताल में सुरक्षा होती, तो मेरी बेटी इस हालात में नहीं होती. उधर, दुर्गापुर मेडिकल कॉलेज में दूसरे राज्य की छात्रा के कथित गैंगरेप के आरोपों के चलते हलचल में है. छात्रों ने घटना को लेकर मौन विरोध प्रदर्शन किया और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची में शनिवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार की अध्यक्षता में घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव को लेकर राज्य के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ निर्वाचन सदन में बैठक हुई. बैठक के दौरान राजनेताओं से मार्गदर्शिका एवं उपचुनाव संबंधित अन्य महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश साझा किए गए.

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 45–घाटशिला (अ.ज.जा) विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रवृत्त हो गई है. उप चुनाव के दौरान सभी राजनीतिक दलों से अपेक्षा है कि वे आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के लिए अपने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को भी जागरूक करें, ताकि स्थानीय स्तर के कार्यकर्ताओं की ओर से आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित हो सके.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे अपने बीएलए-1 एवं बीएलए-2 को नियुक्त करते हुए सक्षम पदाधिकारियों तक इनका विवरण ससमय साझा करें, जिससे कि उपचुनाव संबंधित विषयों पर समन्वय स्थापित किया जा सके. के. रवि कुमार ने बताया कि उपचुनाव के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर अंदर एवं बाहर की ओर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से वेबकास्टिंग की जाएगी. साथ ही विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत और सीमाओं पर चेकपोस्ट भी तैयार किए गए हैं, जिसपर सीसीटीवी द्वारा वेबकास्टिंग के माध्यम से भी निगरानी रखी जा रही है.

बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ आदर्श–आचार संहिता के दौरान क्या करें क्या न करें से संबंधित दिशा–निर्देश, भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी प्रेस नोट की कॉपी, मतदान केंद्र पर अन्य वैकल्पिक दस्तावेज के लिए मार्गदर्शिका एवं उपचुनाव संबंधित दिशा-निर्देश साझा किए गए. बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त सुझावों पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए कहा कि इसपर भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए अग्रेत्तर कार्रवाई की जाएगी.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बैठक के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि किसी आपराधिक पूर्ववृत्त वाले अभ्यर्थी के चयन की स्थिति में फॉर्म 1, 2 और 7 में जानकारी का प्रकाशन संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें. इस अवसर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सहित नोडल पदाधिकारी (रा.दल.) देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे.

रांची में 39वीं जोनल खान बचाव प्रतियोगिता संपन्न

एनके एरिया ओवरऑल चैंपियन घोषित

शुभम संदेश। रांची

खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के तत्वावधान में और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के आयोजन में 39वीं जोनल खान बचाव प्रतियोगिता–2025 का समापन समारोह रांची स्थित सीसीएल मुख्यालय में गुरुवार को धूमधाम से संपन्न हुआ. यह प्रतियोगिता 8 -9 अक्टूबर को रामगढ़ स्थित खान बचाव केंद्र और भुरकुंडा भूमिगत खदान में आयोजित की गई थी. समापन समारोह में सीसीएल के चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नीलेंदु कुमार सिंह और मुख्य अतिथि के रूप में डीजीएमएस के उपमहानिदेशक (दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र) डॉ. एस.एस. प्रसाद उपस्थित रहे. डॉ. प्रसाद ने खान सुरक्षा की आवश्यकता और रेस्क्यू टीमों की तत्परता की सराहना करते हुए सुरक्षा को कार्यसंस्कृति में शामिल करने की अपील की. वहीं, सीएमडी श्री सिंह ने सभी प्रतिभागी टीमों को बधाई देते हुए कहा कि सुरक्षा सीसीएल की सर्वोच्च प्राथमिकता है.

प्रतियोगिता में एनके एरिया की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल बेस्ट टीम का खिताब जीता, जबकि बरका सायल और मगध-संघमित्रा एरिया की टीमों ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया. समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन और कोल इंडिया के कॉर्पोरेट गीत से हुई. इसके बाद पंजाब रेजीमेंट के बैंड और डीएवी गांधीनगर की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत बना दिया.

जेपी आंदोलन से नई राजनीतिक चेतना का सूत्रपात हुआ: सरयू राय

रांची/जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय शनिवार को जेपी जयंती पर शहर में आयोजित कई कार्यक्रमों में शामिल हुए. वह संकोसाई, मानगो स्थित जेपी स्कूल में जय प्रकाश नारायण की जयंती में तो शामिल हुए ही, मानगो में ही अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए. वह जदयू की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए. जदयू की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सरयू राय ने कहा कि 1974 में जब देश में भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज़ उठाने वाला कोई नहीं था, तब जयप्रकाश नारायण ने युवाओं को संगठित कर सम्पूर्ण क्रांति का बिगुल फूंका. उनका नेतृत्व इतना प्रभावी था कि सरकारें झुकने को मजबूर हो गईं. जेपी आंदोलन से नई राजनीतिक चेतना का सूत्रपात हुआ. उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने स्वयं 1974 के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई और युवाओं के जोश को दिशा देने का काम किया. इस अवसर पर जदयू के अनेक वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे. कार्यक्रम का समापन 'सम्पूर्ण क्रांति' के उद्‌घोष के साथ हुआ. कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, महानगर अध्यक्ष अजय कुमार,महामंत्री कुलविंदर सिंह पन्नू, युवा मोर्चा अध्यक्ष नीरज सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष अमृता मिश्रा, प्रकाश सोय उपस्थित थे.

स्वदेशी अभियान के स्टीकर, पोस्टर, पम्पलेट, संकल्प पत्र हुआ लॉन्च

स्वदेशी अभियान को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बनेगा भारत : बाबूलाल

शुभम संदेश। रांची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, घर-घर स्वदेशी अभियान के प्रदेश संयोजक सह महामंत्री मनोज कुमार सिंह ने प्रदेश में शुरू किए जा रहे स्वदेशी अभियान का स्टीकर, पोस्टर, पम्पलेट, नोट पैड, संकल्प पत्र का लोकार्पण किया. मौके पर प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक,प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे. प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आत्म निर्भर भारत और स्वदेशी अभियान एक दूसरे के पूरक हैं. स्वदेशी अभियान को बढ़ावा देकर,स्वदेशी उत्पादों को अपने दैनिक जीवन में अपना कर भारत का प्रत्येक नागरिक भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर भारत बनाने में बड़ा योगदान कर सकता है.

उन्होंने अभियान के मंत्र हर घर स्वदेशी,घर घर स्वदेशी को अपनाकर इसे जनांदोलन बनाने का आह्वान किया.कहा कि भारत का प्राचीन इतिहास गौरवशाली, वैभवशाली रहा है. 125 ईपू मौर्यकाल में भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश था. विश्व की जीडीपी में भारत का योगदान 33% था. 16 वीं शताब्दी तक विश्व अर्थव्यवस्था में अपनी 24.4% जीडीपी की भागीदारी के साथ भारत विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र था. लेकिन गुलामी की लूट खसोट ने 1947 तक विश्व अर्थव्यवस्था में भारत के जीडीपी की भागीदारी 4% पहुंच गई. 1947 में विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला भारत सबसे गरीब देशों की श्रेणी में 136 वें स्थान पर पहुंच गया.

भारत में बिकने वाले 99.2% मोबाइल मेड इन इंडिया हैं: उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था वाला देश बना है, जिसे तीसरे में जल्द पहुंचने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं. आज भारत में मेक इन इंडिया के तहत 667 अरब डॉलर का निवेश आया है. भारत में बिकने वाले 99.2% मोबाइल मेड इन इंडिया हैं. 2025 में भारत का मोबाइल निर्यात 1500 करोड़ से बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया. खिलौने का निर्यात 239%, बढ़ गया. आज भारत 153 देशों को खिलौना निर्यात कर रहा है. ट्रैक्टर निर्माण में भारत पहले स्थान पर, बस निर्माण में दूसरे और हेवी ट्रक निर्माण में तीसरे स्थान पर है. टेक्सटाइल क्षेत्र में भारत विश्व का छठा बड़ा निर्यातक बन गया. रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ी है. आज भारत का रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़ा है. भारत 200 देशों को दवाई निर्यात कर रहा. आज भारत में 98 करोड़ लोग इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं, जो 2014 के केवल 25 करोड़ था. देश में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा की क्षमता लगातार बढ़ रही. सौर ऊर्जा में भारत विश्व के तीसरे और पवन ऊर्जा के चौथे स्थान पर है. भारत 100 से अधिक देशों को ऑप्टिकल फाइबर निर्यात करता है.अंतरिक्ष अभियानों में भारत आत्म निर्भर हो रहा.

भाजपा सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों मेंकरेगी स्वदेशी अभियान सम्मेलन

भारत की आजादी में स्वदेशी अभियान का बड़ा योगदान

मरांडी ने कहा कि आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी से लेकर बाल गंगाधर तिलक, सरदार पटेल जैसे नेताओं ने स्वदेशी अभियान को स्वतंत्रता की लड़ाई का हथियार बनाया. भारत की आजादी में स्वदेशी अभियान का बड़ा योगदान रहा. 60 वर्षों के शासन में कांग्रेस पार्टी ने स्वदेशी आंदोलन को बल नहीं दिया. आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया गया है, जिसे 140 करोड़ जनता के सहयोग से साकार करना है.

युवा पीढ़ी ही आत्मनिर्भर भारत की निर्माता बनेगी

मरांडी ने कहा कि ये सारी उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासोन्मुख और भारत केंद्रित चिंतन का परिणाम है. हमें भारत को विकसित बनाना है. आज युवा पीढ़ी में स्वदेशी भाव तेजी से जागृत हो रहा है. युवा पीढ़ी ही आत्मनिर्भर भारत की निर्माता बनेगी. उन्होंने दीपावली, छठ पूजा जैसे त्योहारों के साथ दैनिक घरेलू उपयोग की वस्तुओं को खरीदने में भारत निर्मित सामग्री ही खरीदने की अपील की.

भाजपा की स्वदेशी नीति छलावा है, 'मेक इन इंडिया' बोलते हैं, पर पहनते हैं 'मेड इन फॉरेन' : आलोक दुबे

शुभम संदेश। रांची

- बल्गारी का चश्मा, अरमानी का सूट, मेबैक की सवारी, मोदी–शाह का स्वदेशी प्रेम सिर्फ़ मंच पर, ज़मीनी हकीकत विदेशी नशा
- जनता अब भाजपा की ₹स्वदेशी नीति₹ को एक ढोंग मानने लगी है

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि "उम्र भर ग़ालिब यही भूल करता रहा, धूल चेहरे पर थी मगर आईना साफ़ करता रहा". यही स्थिति आज देश के प्रधानमंत्री की हो गई है. दुबे ने कहा कि अमेरिका ने भारत से निर्यात किए गए उत्पादों पर 50% तक टैक्स लगा दिया है, फिर भी केंद्र सरकार चुप्पी साधे बैठी है. उन्होंने मांग की कि मोदी सरकार अमेरिका के उत्पादों के पूर्ण बहिष्कार का आह्वान करे, ताकि भारत की ताक़त का वैश्विक स्तर पर प्रदर्शन हो.दुबे ने कहा कि 140 करोड़ की आबादी वाला देश भारत विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाज़ार है और यदि भारतीय उपभोक्ता अमेरिकी उत्पादों का बहिष्कार करें, तो अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा. उन्होंने भाजपा नेताओं से अपील की कि वे केवल भाषणों तक सीमित न रहें, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के नारे को व्यवहार में उतारें और स्वयं स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर उदाहरण पेश करें.

कांग्रेस नेता दुबे ने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि वे जिन विदेशी ब्रांडों के उत्पाद जैसे बल्गारी के चश्मे, मोवाडो की घड़ी, केनेथ कोल के जूते, अरमानी के सूट, मोंट ब्लैंक₹ के पेन, आईफोन, बोइंगके जहाज़ और मेबॉक कार का इस्तेमाल करते हैं, वह स्वदेशी की भावना का मज़ाक उड़ाते हैं. "जो स्वयं विदेशी उत्पादों में रमे हों, वे दूसरों को स्वदेशी अपनाने की सीख कैसे दे सकते हैं?" दुबे ने सवाल उठाया.

उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां देश को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की बजाय विदेशी निर्भरता बढ़ा रही हैं. प्रधानमंत्री की 2021 से 2025 के बीच की विदेश यात्राओं पर 362 करोड़ से अधिक खर्च हुए हैं, जिनमें से 104 करोड़ से अधिक केवल आवास और सुरक्षा पर खर्च हुए. मई 2022 से दिसंबर 2024 के बीच की 38 विदेश यात्राओं पर लगभग 258 करोड़ खर्च हुए, यह राशि गरीबों, किसानों, मज़दूरों और बेरोज़गार युवाओं के कल्याण में लगाई जा सकती थी.

दुबे ने यह भी कहा कि भारत हर वर्ष 6 लाख करोड़ रुपये विदेशी शिपिंग कंपनियों को देता है, जो रक्षा बजट के बराबर है. उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अगर सच में आत्मनिर्भर भारत बनाना है, तो इस विदेशी निर्भरता को खत्म करना होगा.

चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे और भारतीय बाज़ारों में चीनी उत्पादों की भरमार का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा नेता मंचों पर स्वदेशी की बातें करते हैं, लेकिन व्यवहार में विदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं.अंत में उन्होंने भाजपा नेताओं से दिखावे की राजनीति छोड़कर सच्चे अर्थों में स्वदेशी अपनाने की अपील की और कहा कि जनता अब भाजपा की ₹स्वदेशी नीति₹ को एक ढोंग मानने लगी है.

गुंजन सिंह के हाथों दोबारा सौंपी गयी झारखंड महिला कांग्रेस की कमान

- बॉबी भगत और सुंदरी देवी वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनायी गईं, 11 महासचिव, 7 सचिव और 10 जिलाध्यक्षों की भी घोषणा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड महिला कांग्रेस की कमान गुंजन सिंह को सौंपी गयी है. शनिवार को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की नई प्रदेश कार्यकारिणी और महिला कांग्रेस जिला अध्यक्षों की सूची जारी कर दी है. इस सूची में गुंजन सिंह को फिर से झारखंड महिला कांग्रेस की कमान सौंपी गई है. नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी में अध्यक्ष के अलावा दो वरिष्ठ उपाध्यक्ष, 11 महासचिव, सात सचिव एवं 10 जिलाध्यक्ष शामिल हैं. वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी बॉबी भगत और सुंदरी देवी को सौंपी गई है.

महासचिव: इंदुलेखा भगत, मीनू सिंह, नेहा कुमारी, सुषमा कुमारी, रजनी बंसल, अजंता समद, लैला परवीन, विनीता देवी, बिंदी देवी, इंदु सिंह और बेबी देवी.

प्रदेश सचिव: रिया तिर्की, हीरा हिलारिया एक्का, शहनाज खातून, दुर्गा शर्मा, संगीता बेक और अनिता देवी.

जिलाध्यक्ष: धनबाद: सीता राणा, सिमडेगा: जोसीमा झाकसा, खूंटी: सुनीता गोप, रांची ग्रामीण: मीरा तिर्की, रांची महानगर: नीतू देवी, लोहरदगा: सीमा परवीन, रामगढ़: मंजू जोशी, लातेहार: अनिता देवी, पलामू: रेखा सिंह और देवघर: प्रमिला देवी.

एसीबी जांच में बड़ा खुलासा

विनय चौबे ने डीसी रहते कारोबारी विनय सिंह और उनकी पत्नी को पहुंचाया लाभ

शुभम संदेश। रांची

हजारीबाग के पूर्व उपायुक्त और आईएएस अधिकारी विनय चौबे की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की जांच में यह सामने आया है कि उन्होंने डीसी रहते हुए दो अलग-अलग भूमि प्रकरणों में नियमों का उल्लंघन किया, जिससे ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचा. इन दोनों मामलों की जांच एसीबी कर रही है और प्रारंभिक रिपोर्ट में कई गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है.

जांच में यह तथ्य सामने आया कि खाता संख्या 73 की भूमि तो रैयती श्रेणी में थी, लेकिन खाता संख्या 95, प्लॉट 848 गैर-मजरूआ खास जंगल किस्म की भूमि थी. सुप्रीम कोर्ट के आदेश (डब्ल्यूपीसी 202/95, दिनांक 12 दिसंबर 1996) के अनुसार ऐसी जमीन "डीम्ड फॉरेस्ट लैंड" मानी जाती है, जिसे किसी भी व्यक्ति के नाम पर ट्रांसफर नहीं किया जा सकता. इसके बावजूद दाखिल-खारिज की प्रक्रिया पूरी की गई, जो पूर्णतः अवैध है.

सरकारी अधिकारियों और कर्मियों की मिलीभगत का प्रमाण: एसीबी की जांच में पाया गया कि इस लेन-देन में कई अधिकारी और कर्मचारी प्रत्यक्ष रूप से दोषी हैं. इनमें राजस्व कर्मचारी संतोष कुमार वर्मा, अंचल निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सिंह, अंचल अधिकारी अलका कुमारी, विक्रेता दानिंद्र कुमार, निरंजन कुमार और खरीदार विनय सिंह व स्निग्धा सिंह के नाम शामिल हैं जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि सरकारी पदों पर रहते हुए इन अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग किया और भूमि माफियाओं की मदद से गैर-मजरूआ खास जंगल भूमि को अवैध तरीके से ट्रांसफर कराया. यह कार्रवाई प्रत्यक्ष रूप से धोखाधड़ी, कदाचार और आपराधिक मिलीभगत की श्रेणी में आती है.

एसीबी की रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई: एसीबी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हजारीबाग में सरकारी तंत्र के भीतर मिलीभगत से सरकारी और वन भूमि को निजी स्वामित्व में लाने की साजिश रची गई. इस पूरे प्रकरण में तत्कालीन डीसी विनय चौबे की भूमिका संदिग्ध है, क्योंकि उनके अनुमोदन के बिना इस तरह की रजिस्ट्री और म्यूटेशन संभव नहीं था.

फिलहाल एसीबी दोनों मामलों में सबूतों के आधार पर विस्तृत चार्जशीट तैयार कर रही है. साथ ही यह संकेत भी हैं कि जांच के अगले चरण में विनय चौबे से औपचारिक पूछताछ की जा सकती है.

हजारीबाग में इन दो जमीन घोटालों ने यह साबित किया है कि सत्ता और पद का दुरुपयोग कर किस तरह नियमों को दरकिनार कर लाभ पहुंचाया गया. अब सवाल यह है कि क्या इन सबूतों के बाद भी दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी या यह मामला भी अन्य घोटालों की तरह समय के साथ फाइलों में दफन हो जाएगा.

पहला मामला: सेवायत भूमि की अवैध खरीद-बिक्री

यह मामला कांड संख्या 9/2025 के तहत दर्ज है. जुलाई 2025 में एसीबी ने इस केस में एफआईआर की थी. जांच में पता चला कि सेवायत भूमि, जो मूलत: ट्रांसफर योग्य नहीं थी, उसे 23 लोगों के नाम पर बेच दिया गया.इस बिक्री की स्वीकृति तत्कालीन डीसी विनय चौबे ने दी थी. एसीबी को यह भी जानकारी मिली है कि इस कार्य के लिए उन्होंने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पत्र संख्या 1346 दिनांक 15 मई 2010 को आधार बनाया. हालांकि, यह वही भूमि थी जिसे लेकर झारखंड हाईकोर्ट ने पहले ही साफ आदेश दिया था कि "खास महल" श्रेणी की ऐसी जमीन का ट्रांसफर किसी भी व्यक्ति के नाम पर नहीं किया जाएगा. इसके बावजूद रजिस्ट्री की अनुमति देकर उन्होंने न केवल न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना की बल्कि प्रशासनिक पद की मर्यादा का भी उल्लंघन किया.

दूसरा मामला: वन भूमि की अवैध खरीद और म्यूटेशन

दूसरा मामला कांड संख्या 11/2025 से जुड़ा है, जिसमें कारोबारी विनय सिंह को एसीबी ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है. इस केस में तत्कालीन अंचल अधिकारी अलका कुमारी ने अपने बयान में स्वीकार किया है कि पूरा कार्य "ऊपरी दबाव" में किया गया था. एसीबी की जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि मौजा बभनभे (थाना संख्या 252) के खाता संख्या 95, प्लॉट 848 (रकवा 28 डी) तथा खाता संख्या 73, प्लॉट 812 (रकवा 72 डी) की कुल एक एकड़ भूमि को विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह ने दस्तावेज संख्या 1710, दिनांक 10 फरवरी 2010 के तहत खरीदा था. इसके बाद इस भूमि का म्यूटेशन वाद संख्या 481/2010–11 के माध्यम से किया गया—जो उस समय विनय चौबे के उपायुक्त रहने के दौरान संपन्न हुआ.

मंत्री इरफान अंसारी के बेटे का सनरूफ स्टंट वायरल, रांची डीसी ने लिया संज्ञान

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के बेटे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें वह चलती गाड़ी की सनरूफ से बाहर निकलकर खड़ा नजर आ रहा है. यह हरकत मोटर वाहन अधिनियम के तहत स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है. इस वीडियो को सबसे पहले खूरपेंच नामक एक ट्विटर/एक्स अकाउंट से शेयर किया गया था, जिसमें मंत्री पुत्र के इस स्टंट को ट्रैफिक नियमों की अवहेलना बताते हुए कार्रवाई की मांग की गई थी. पोस्ट के साथ यह भी उल्लेख किया गया था कि आम नागरिक अगर ऐसा करे तो उस पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत 1,000 से 10,000 रुपए तक जुर्माना या छह महीने की जेल हो सकती है. मामले को गंभीरता से लेते हुए रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने ट्वीट के माध्यम से जानकारी दी कि उन्होंने इस घटना को संज्ञान में लिया है और जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) को मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. इससे पहले भी स्वास्थ्य मंत्री के बेटे कृष अंसारी का एक और वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक अस्पताल में निरीक्षण करते हुए और डॉक्टरों को निर्देश देते हुए नजर आ रहे थे.

मंत्री डॉ. इरफान के बेटे से 3650 रु जुर्माना वसूला गया

मामली तूल पकड़ने के बाद रांची उपायुक्त ने ट्वीट कर कहा कि उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और जिला परिवहन पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. रांची पुलिस को भी टैग करते हुए पूरे मामले पर रिपोर्ट मांगी गई. इस मामले में मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 177, 179(1), 192, 190 और 194B के तहत कार्रवाई की गई और युवक पर कुल 3,650 रुपये का जुर्माना वसूला गया.

पाकुड़ के दुर्गी तुरी ने 'खेलो झारखंड' में कांस्य पदक हासिल किया, डीसी ने दी बधाई

रांची। रांची में आयोजित "खेलो झारखंड" राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता में पाकुड़ जिले की बालिका वर्ग (अंडर-17) की खिलाड़ी दुर्गी तुरी, जो उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरिणडांगा की छात्रा हैं, ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया और कांस्य पदक हासिल किया. दुर्गी तुरी की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, जिला शिक्षा विभाग तथा पूरे पाकुड़ जिले में हर्ष की लहर है. उनकी सफलता जिले के ग्रामीण अंचल से उभरती प्रतिभा और समर्पण का उदाहरण है. उपायुक्त मनीष कुमार ने दुर्गी तुरी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी तथा उनके शिक्षकों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापित किया. उन्होंने कहा कि जिले के बच्चे खेलकूद के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं. प्रशासन का प्रयास रहेगा कि ऐसी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाए. साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक और जिला क्रीड़ा पदाधिकारी ने भी दुर्गी तुरी को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि जिले के लिए गर्व की बात है. उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिले के अन्य विद्यार्थी भी उनसे प्रेरणा लेकर खेलकूद के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे.

सीताराम मारू की जन्म शताब्दी पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया स्मारक डाक टिकट का लोकार्पण

शुभम संदेश। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में शनिवार को राज भवन में भारतीय डाक विभाग द्वारा स्वर्गीय सीताराम मारू की जीवन एवं योगदान पर आधारित स्मारक डाक टिकट जारी किया गया. राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय सीताराम मारू मां भारती के ऐसे तपस्वी और कर्मठ सपूत थे, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया. उनकी जन्म शताब्दी पर डाक विभाग द्वारा स्मारक डाक टिकट जारी करना उनके जीवन और कार्यों को सच्ची श्रद्धांजलि है.

राज्यपाल ने उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि सामाजिक व सांस्कृतिक चेतना जगाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनका जीवन निरंतर समाज और राष्ट्र की सेवा में व्यतीत हुआ. उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में 'मारवाड़ी सहायक समिति' और नागरमल मोदी सेवा सदन की स्थापना में अविस्मरणीय योगदान दिया. संस्कृति विहार के अध्यक्ष के रूप में संस्कृति संरक्षण और शिक्षा, चिकित्सा व ग्रामोन्नति की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए. पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा. पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रेरणा से उन्होंने 'रांची एक्सप्रेस' और 'जय मातृभूमि' जैसे समाचार पत्र प्रारंभ किए, जिन्होंने राष्ट्रवाद की भावना को जन-जन तक पहुँचाने और समाज को दिशा देने का कार्य किया.

धर्म और संस्कृति के प्रति उनकी गहरी आस्था का प्रमाण बुंडू (रांची) स्थित सूर्य उपासना भवन (सूर्य मंदिर) का निर्माण है, जो आज झारखंड का प्रमुख धार्मिक व सांस्कृतिक पर्यटन स्थल है. सीताराम मारू का जीवन इस बात का सजीव उदाहरण है कि निःस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्र की सेवा करने वाला व्यक्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शक बन जाता है. राज्यपाल ने भारतीय डाक विभाग को बधाई देते हुए कहा कि मारू जी पर आधारित यह स्मारक डाक टिकट नयी पीढ़ी को उनके जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेने हेतु सदैव प्रेरित करता रहेगा. समारोह में केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू समेत स्वर्गीय सीताराम मारू के परिजन, भारतीय डाक विभाग के अधिकारीगण एवं अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे.

https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

03

नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप: हिमांशु जाखड़ ने नीरज चोपड़ा का मीट रिकॉर्ड तोड़ा

रांची, रविवार 12 अक्टूबर 2025 I कार्तिक कृष्ण पक्ष षष्ठी, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 183 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

गुड न्यूज : स्काई बेस ओपन एयर रेस्तरां, प्राचीन विमान मॉडलों का प्रदर्शन, जॉय राइड और चार्टरिंग की मिलेंगी सेवाएं

धनबाद हवाईअड्डे पर जल्द शुरू होगा एयरोपार्क

एक्सक्लूसिव

अमित सिन्हा

चयनित एजेंसी के साथ इकरारनामा के बाद शुरू होगा कार्य

चयनित एजेंसी के दायित्व

- एयरोपार्क के विकास और संचालन के लिए पूर्ण निवेश.
- ब्लूप्रिंट, डिज़ाइन, निर्माण और परियोजना प्रबंधन.
- एयरो एडवेंचर गतिविधियों और बुनियादी ढांचे का प्रबंधन.
- लाइट स्पोर्ट्स एयरक्राफ्ट, मोटर ग्लाइडर और ड्रोन की खरीद/लीज.
- प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति और रखरखाव.
- दुर्घटना/हादसों की स्थिति में जिम्मेदारी.

झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के दायित्व

- 2000 वर्ग फीट जमीन रेस्तरां और म्यूजियम के लिए 5 वर्षों के लिए नि:शुल्क उपलब्ध कराना.
- हवाई अड्डे पर मुफ्त लैंडिंग और पार्किंग सुविधा.
- स्थानीय प्रशासन से आवश्यक सहयोग.

वित्तीय और संचालन शर्तें

एकरारनामा शुरूआत में 5 वर्षों के लिए प्रभावी होगा, जिसे संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाया जा सकता है. पहले 6 महीनों तक एजेंसी से कोई किराया नहीं लिया जाएगा. इसके बाद 8% लाभांश और 60,000 रुपये मासिक किराया झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट को देय होगा. लाभांश की गणना इंस्टीट्यूट के अधिकृत चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा की जाएगी.

धनबाद (शुभम संदेश)। धनबाद हवाई अड्डे पर पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के आधार पर एयरोपार्क जल्द शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है. कैबिनेट से मंजूरी के बाद एजेंसी के चयन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है. एयरोपार्क के बनने से धनबाद वासियों को कई तरह के सौगात मिलेंगे. इनमें एयरोपार्क में स्काई बेस रेस्तरां (ओपन एयर), प्राचीन विमान मॉडलों का प्रदर्शन, जॉय राइड और चार्टरिंग सेवाएं, एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहॉल) सेवाएं, लाइट एयरक्राफ्ट फ्लाइट ट्रेनिंग और ग्लाइडर संचालन, एयर एम्बुलेंस सेवाएं, ड्रोन प्रशिक्षण और उड़ान गतिविधियां, ओपन एयर एयरक्राफ्ट म्यूजियम आकर्षण का केंद्र होंगे. इन चीजों का धनबाद के लोग अपनी धरती पर पहली बार अनुभव करेंगे. इस कार्य के लिए चयनित एजेंसी के साथ इकरारनामा के लिए राज्य सरकार के प्रधान सचिव ने आवश्यक दिशानिर्देश दिए हैं. यह निर्णय झारखंड में विमानन क्षेत्र के विकास, पर्यटन को बढ़ावा देने और कौशल विकास को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से लिया गया है. एयरोपार्क की स्थापना से न केवल आम जनता में विमानन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट को आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद मिलेगी. धनबाद हवाई अड्डे के आसपास घनी आबादी के कारण इसका विस्तारीकरण संभव नहीं है, जिसके चलते बड़े विमानों का परिचालन यहां नहीं हो सकता. हवाई अड्डे की आधारभूत संरचना का समुचित उपयोग और जनता को इसका लाभ पहुंचाने के लिए एयरोपार्क की स्थापना का निर्णय लिया गया है. यह परियोजना झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के तहत संचालित होगी और एयरो एडवेंचर गतिविधियों के माध्यम से पर्यटन और कौशल विकास को बढ़ावा देगी.

26 जुलाई 2024 को झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में एयरोपार्क के लिए पीपीपी मॉडल पर आधारित ईओआई के माध्यम से एजेंसी चयन का निर्णय लिया गया. चयनित एजेंसी ने 8% लाभांश दर और 60,000 रुपये मासिक निश्चित किराया (लाभांश से अतिरिक्त) का प्रस्ताव दिया, जिसे 16 अक्टूबर 2024 को जनरल एग्जीक्यूटिव बॉडी और 24 जनवरी 2025 को गवर्निंग काउंसिल की बैठक में स्वीकृति दी गई. एकरारनामा प्रारूप को विधि विभाग, झारखंड सरकार से विधिक जांच के लिए भेजा गया है.

ब्रीफ खबरें

रांची के तीन बस स्टैंड का होगा कायाकल्प

रांची। राजधानी रांची के तीनों प्रमुख बस टर्मिनलों आइटीआई बस स्टैंड, सरकारी बस डिपो और बिरसा मुंडा बस टर्मिनल खादगढ़ा का कायाकल्प अब राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किया जाएगा. मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने शहरीकरण के कार्यों में तेजी लाने के क्रम में इन सभी टर्मिनलों के आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और जीर्णोद्धार का निर्देश दिया है.
मुख्यमंत्री के निर्देश पर नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार ने कुल 48.72 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है. इसमें आइटीआई बस स्टैंड के लिए 24.77 करोड़, सरकारी बस डिपो के लिए 20.19 करोड़ और बिरसा मुंडा बस स्टैंड के लिए 3.76 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है.

मुनिडीह प्रोजेक्ट में स्वास्थ्य जांच शिविर

पुटकी। वेस्टर्न झरिया एरिया के रीजनल अस्पताल द्वारा शनिवार को मुनिडीह प्रोजेक्ट में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया. इसमे मुनिडीह भूमिगत कोयला खदान में काम करने वाले 112 असंगठित ठेका मजदूरों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया.डॉ सुरजीत मण्डल व डॉ सौरव कुमार ने ठेका मजदूरों का ब्लड प्रेशर,ब्लड शुगर,वजन आदि की जांच की. बीसीसीएल द्वारा 5.0 विशेष अभियान के तहत पूरे क्षेत्रों में दो से 31 अक्टूबर तक विशेष समाजिक कार्यकर्मो का आयोजन किया जा रहा है.

पाथरडीह पुलिस ने एक युवक को भेजा जेल

चासनाला। सुदामडीह थाना के वर्ष 2020 के एक मामले में फरार चल रहे अभियुक्त 28 वर्षीय रंजन घोष को पाथरडीह पुलिस ने पाथरडीह कोल वाशरी से गिरफ्तार कर शनिवार को धनबाद जेल भेज दिया है. उक्त अभियुक्त वर्ष 2020 के आर्म्स एक्ट के मामले में 4 वर्ष से फरार चल रहा था.

प्रेम प्रसंग में हत्या के बाद गोमो थाना में उग्र प्रदर्शन

- पहले गिरफ्तार करो फिर उठेगी लाश, की मांग पर ग्रामीणों ने थाने में काटा बवाल

हरिहरपुर थाना गेट के समक्ष घंटों पड़ा रहा शव

सतीश गोस्वामी

गोमो। हरिहरपुर गांव में शुक्रवार को प्रेम प्रसंग में हुई कपिल राय की हत्या मामले पर दूसरे दिन भी माहौल गरम रहा. शनिवार को सभी अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन व ग्रामीणों ने हरिहरपुर थाने में घंटों बवाल काटा. पोस्ट मार्टम के उपरान्त लाए गए शव को थाना गेट के मुख्य द्वार पर रख कर जबरदस्त प्रदर्शन किया गया. जिसमें बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं पुरुष शामिल रही. घटवार महासभा संगठन लोग भी शामिल हुए और धरना प्रदर्शन को बल दिया. प्रदर्शन करने वाले सभी आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग पर अड़े थे. इस दौरान थाना प्रभारी राहुल कुमार झा द्वारा सभी अभियुक्त गिरफ्तारी करने का आश्वासन को भी ग्रामीण मानने को तैयार नहीं हुए. स्थिति को बिगड़ी देख हरिहरपुर थाने में बड़ी संख्या पुलिस जवानों की तैनाती की गई. इस दौरान तोपचांची पुलिस इंस्पेक्टर असीम कमल टपनो, सीओ नीलू टुडू, थाना प्रभारी राहुल कुमार झा की उपस्थिति में घरवार महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद सिंह, जिला अध्यक्ष गोपाल राय, पूर्व ज़िला परिषद सदस्य सुभास राय, गोमो के ज़िला परिषद सदस्य प्रतिनिधि हीरामन नायक, प्रखण्ड प्रमुख आनंद कुमार अगुवाई में पुलिस प्रशासन से वार्ता की गई. जिसमें पुलिस के पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया किसी भी अभियुक्तों को छोड़ा नहीं जाएगा. चौबीस घंटों के भीतर सभी सात नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी. धरना प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को पुलिस के आश्वासन की बातें बता कर शव उठाने और दाह संस्कार करने की परिजनों से गुजरिश की गई. इसके बावजूद भी ग्रामीण महिलाएं तरह तरह की मांगों की बात कर इंकार पर अड़ी रही. हालांकि देर शाम लगभग साढ़े छह बजे शव को उठाया और दाह संस्कार के लिए हरिहरपुर गांव लौटे और पुलिस प्रशासन राहत की सांस ली. मामले को लेकर दोपहर एक बजे से लेकर शाम छह बजे तक हरिहरपुर थाना में हजारों की भीड़ जमी रही.

बाइक से एक्सीडेंट करने पर चालक की पीटकर हत्या

पीटकर अधमरे हालत में छोड़ा, इलाज के दौरान अस्पताल में हुई मौत

शुभम संदेश। झरिया

- परिजनों ने थाने में लिखकर दी है आरोपियों के खिलाफ शिकायत
- अलकडीहा ओपी क्षेत्र के कुम्हार टोला की वारदात

अलकडीहा ओपी क्षेत्र के सुरुंगा कुम्हार टोला से एक दर्दनाक घटना सामने आई है. इलाके के रहने वाले 55 वर्षीय भुनेश्वर कुम्भकार की पिटाई के बाद मौत हो गई. परिजनों ने इस मामले में गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है. भुनेश्वर के पुत्र राजू कुम्भकार ने अलकडीहा ओपी में दिए गये आवेदन में बताया कि 10 अक्टूबर यानी शुक्रवार की शाम करीब सात बजे उसके पिता के साथ काम करने वाले फरकु महतो ने सूचना दी कि उसके पिता पहाड़ीगोड़ा स्थित राधु महतो के घर के पास घायल अवस्था में पड़े हैं. जब वह अपनी मां के साथ मौके पर पहुँचा, तो देखा कि राधु महतो, रतन महतो, राधु महतो का पुत्र और चार-पांच अन्य लोग उसके पिता की बेरहमी से पिटाई कर रहे हैं. राजू के अनुसार, जैसे ही वे दोनों माँ-बेटा वहां पहुंचे तो सभी आरोपी मौके से फरार हो गए. घायल पिता को आनन-फानन में एसएनएमएमसीएच धनबाद ले जाया गया. जहां इलाज के दौरान उनकी रात में ही मौत हो गई. उसने बताया कि उसके पिता की बाइक से एक्सीडेंट हुआ था, इसी कारण उनके पिता को बुरी तरह से पीटा गया. परिजनों का आरोप है कि राधु महतो और उसके साथियों की पिटाई से ही भुलेश्वर कुम्भकार की मौत हुई है. इस संबंध में अलकडीहा ओपी के एसआई अजय महतो ने बताया कि किसी व्यक्ति की हत्या की सूचना मिली थी. पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है. बाइक दुर्घटना में बसंती देवी का पैर टूट गया है. जिसे बलियापुर स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मामले को लेकर बसंती देवी की तरफ से भी ओपी में लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई है.

अवैध मुहानों में घुसा नदी का पानी, मचा हड़कंप

पंचेत। पंचेत ओपी क्षेत्र के लुचीबाद और कारगिल में कुँए नुमे अवैध उत्खनन स्थल पर खनन के दौरान अचानक नदी का पानी प्रवेश कर जाने से कई लोगों की फंसे होने का सूचना मिल रही है. घटना लुचीबाद और कारगिल दोनों ही पंचेत ओपी अंतर्गत बीसीसीएल एरिया 12 परियोजना में पड़ता है.इन दोनों ही जंगलों में दर्जन से भी अधिक अवैध मुहाने है. बीच-बीच में बीसीसीएल,पुलिस एवं सीआईएसएफ के संयुक्त टीम द्वारा डोजरिंग की जाती है. इस क्षेत्र में 12 महीने अवैध खनन जारी रहता है. सूचना के अनुसार शनिवार दोपहर 1:00 बजे की घटना है.

कुड़मी समाज ने पुटकी थाने में की शिकायत

शुभम संदेश। पुटकी

आदिवासी नेताओं द्वारा झारखंड के जननायक बिनोद बिहारी महतो, शहीद निर्मल महतो व डुमरी विधायक जयराम महतो के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी के खिलाफ कुड़मी समाज ने पुटकी थाना में लिखित शिकायत की है.पुलिस ने समाज के आवेदन को स्वीकार किया है.
कुड़मी समाज की खुशबू देवी, प्रिंस महतो, राज कुमार महतो, सुभद्रा देवी समेत कई प्रतिनिधियों ने रांची की आदिवासी नेत्री ज्योत्स्ना केरकेट्टा, तुपकाडीह के तीर्थनाथ आकाश, कृष्ना हांसदा व धनबाद के रतिलाल टुडू के खिलाफ कुड़मी समाज के जननायकों के खिलाफ अभद्र, अपमानजनक, अमर्यादित टिप्पणी कर दंगा भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया है. शिकायतकर्ताओं ने कुछ स्थानीय युट्यूबर, फेसबुक, वाट्सएप चैनलों को भी आरोपित किया है. अभद्र व अमर्यादित भाषा प्रयोग करने को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने पुटकी थाना में एकजुट होकर पहुंचे व शिकायत कर कार्रवाई की मांग की.

अदालत का फैसला: पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी की तो जेल तय!

झारखंड हाईकोर्ट के इस फैसले ने साफ कर दिया कानून

शुभम संदेश। रांची

उच्च न्यायालय ने फैसला बरकरार रखा

मुख्य बातें

झारखंड उच्च न्यायालय के फैसले में दोहराया गया है कि एक बार विशेष विवाह अधिनियम के तहत विवाह पंजीकृत हो जाने के बाद, उसके बाद होने वाले सभी विवाह इसके प्रावधानों का पालन करने के लिए बाध्य हैं – चाहे उनका धर्म या व्यक्तिगत मान्यताएं कुछ भी हों. अधिनियम के अनुसार, पहले पति या पत्नी के जीवनकाल में किया गया कोई भी दूसरा विवाह अमान्य होगा.

झारखंड उच्च न्यायालय ने धनबाद के पैथोलॉजिस्ट डॉ. मोहम्मद अकील आलम के खिलाफ एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है, जिसमें उनकी पहली पत्नी के जीवित रहते हुए उनकी दूसरी शादी को नाजायज करार दिया गया है. न्यायालय ने कहा कि विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत विवाह करने के बाद, कोई व्यक्ति केवल इसी कानून के अधीन होता है – न कि व्यक्तिगत और धार्मिक कानूनों के अधीन.

मामले की पृष्ठभूमि : धनबाद के पैथोलॉजिस्ट डॉ. अकील आलम ने 4 अगस्त, 2015 को विशेष विवाह अधिनियम के तहत एक महिला से विवाह किया. कुछ महीनों बाद, उनकी पत्नी 10 अक्टूबर, 2015 को ससुराल छोड़कर देवघर स्थित अपने मायके चली गईं. इसके बाद आलम ने वैवाहिक अधिकारों की बहाली के लिए देवघर पारिवारिक न्यायालय में एक याचिका दायर की. लेकिन सुनवाई के दौरान, उनकी पत्नी ने आलम पर पहले से शादीशुदा होने और पहली शादी से दो बेटियां होने का आरोप लगाया. (शेष पेज-11 पर)

आदेश को चुनौती देते हुए, आलम ने झारखंड उच्च न्यायालय का रुख किया और कहा कि इस्लामी कानून के अनुसार, एक पुरुष चार पत्नियों से शादी कर सकता है. लेकिन न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति राजेश कुमार की खंडपीठ ने पारिवारिक न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा. पीठ ने कहा कि विशेष विवाह अधिनियम की धारा 4(ए) स्पष्ट रूप से विवाह की मनाही करती है यदि विवाह के समय दोनों पक्षों में से किसी एक का जीवित जीवनसाथी हो. अदालत ने इस तथ्य पर भी ज़ोर दिया कि यह अधिनियम "गैर-बाधित खंड" से शुरू होता है, और इस प्रकार, अन्य सभी व्यक्तिगत या धार्मिक कानूनों को रद्द करता है.

मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ दुष्कर्म

दुर्गापुर आईक्यू सिटी मेडिकल कालेज की छात्रा है पीड़िता, छानबीन में जुटी पुलिस

शुभम संदेश। रानीगंज

- सहपाठी के साथ कैंपस से गई थी बाहर, सड़क से खींचकर जंगल ले जाकर दुष्कर्म करने का आरोप

दुर्गापुर में मेडिकल की छात्रा के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है. आइक्यू सिटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दूसरे वर्ष की एक दूसरे राज्य की मेडिकल छात्रा के साथ यह घटना घटी है. घटना से इस्पात नगरी दुर्गापुर में आक्रोश और तनाव फैल गया है. शिकायत दर्ज होने के बाद दुर्गापुर न्यू टाउनशिप थाना पुलिस ने मामले की गहन जाँच शुरू कर दी है.खबर मिलते ही ओडिशा के जलेसर से छात्रा के पिता और परिवार के सदस्य तुरंत दुर्गापुर पहुँचे. इस मामले को राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने कोलकाता के आरजी कर मामले से जोड़ते हुए बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का दावा किया है. जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज अस्पताल की दूसरे वर्ष की छात्रा अपने एक सहपाठी छात्र के साथ खाना खाने के लिए कैंपस से बाहर निकली थी. उसी समय पांच युवक वहां आए और दोनों को रोक लिया.उन्होंने मेडिकल छात्रा से पैसे की मांग की. पैसे न देने पर उसका मोबाइल फोन छीन लिया गया. इसी बीच, छात्रा के साथ मौजूद उसका सहपाठी छात्र वहाँ से चला गया. इसके बाद, युवकों ने छात्रा को जबरन सड़क से खींचकर पास के जंगल में ले गए, जहां कथित तौर पर एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया. कुछ देर बाद, उसका सहपाठी वहाँ आया और उसे बचाकर कॉलेज वापस ले आया. तुरंत छात्रा को उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया. अस्पताल प्रबंधन ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी न्यू टाउनशिप थाने को दी. पीड़िता के सहपाठी ने फोन करके उसके परिवार को सूचना दी, जिसके बाद परिवार के सदस्य दुर्गापुर पहुँच गए और अस्पताल में अपनी बेटी से मुलाकात की. पीड़िता के परिवार के सदस्यों ने उस सहपाठी छात्र की भूमिका पर गंभीर संदेह व्यक्त किया है, जिसके साथ उनकी बेटी कैंपस से बाहर गई थी. उनका दावा है कि घटना के समय छात्र ने अपनी सहपाठी को बचाने की कोशिश नहीं की और मौके से भाग गया था. इधर घटना की जानकारी मिलते ही न्यू टाउनशिप थाने की पुलिस अस्पताल पहुँची.

(शेष पेज-11 पर)

ब्रीफ खबरें

डीवीसी प्रशासनिक भवन का गेट जाम कर प्रदर्शन

मैथन । डीवीसी मैथन परियोजना में कार्यरत कैजुअल कर्मियों ने वेतन और बोनस की मांग को लेकर शनिवार को डीवीसी प्रशासनिक भवन के मुख्य गेट को जमकर जोरदार प्रदर्शन किया. कैजुअल कर्मियों के विरोध को देखते हुए सीआईएसएफ के उप कमांडेंट अनिल कु मार ने कर्मियों को समझाते हुए मुख्यगेट से हटने का अनुरोध किया और सुरक्षा के मद्देनजर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को वहां खड़ाकर दिया. हालांकि कुछ देर बाद कैजुअल कर्मियों का एक प्रतिनिधिमंडल डीवीसी मैथन के उप महाप्रबंधक पार्थ सारथी मुखर्जी से मुलाकात कर वार्ता की. जिस पर डीवीसी की ओर से कैजुअल कर्मियों को आश्वासन दिया गया कि आज देर शाम तक बाकी बचे कैजुअल कर्मियों का वेतन भुगतान हो जाएगा. आश्वासन मिलने के बाद आंदोलनकारी शांत हुए और आन्दोलन का समाप्त किया.

चंद्रवंशी केंद्रीय समिति की बैठक में सम्मेलन पर चर्चा

महुदा । बाघमारा प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत धर्माबांध के देवघरा बस्ती में एक बैठक हुई. जिसमें रविवार को महुदा में झारखंड प्रदेश चंद्रवंशी समाज केंद्रीय समिति की एक दिवसीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए महिला - पुरुष ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने का निर्णय लिया गया. बैठक में आयोजन समिति के संयोजक दिलीप कुमार रवानी ने बताया कि इस सम्मेलन मे धनबाद सहित झारखंड प्रदेश के अन्य जिला से सैंकड़ों गांव के हजारों लोग भाग लेंगे. उन्होंने आगे कहा कि चन्द्रवंशी समाज को सशक्त बनाने के लिए इस सम्मेलन मे केन्द्रीय कमिटी का गठन किया जाना है. बैठक में मुख्य रूप से दिलीप कुमार रवानी, डॉक्टर धनंजय रवानी, हुबलाल रवानी, धर्मेंद्र रवानी ,लखन रवानी, रामचंद्र रवानी, छोटू रवानी ,परशुराम रवानी, सुरेश रवानी ,शंकर रवानी, सुदाम रवानी, लाला प्रसाद रवानी सहित अन्य मौजूद थे.

नशे में धुत ऑटो चालक का सड़क पर उत्पात

चासनाला। झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग स्थित डीनोबली मोड़ के समीप शनिवार को एक शराबी ऑटो चालक ने सड़क पर उत्पात मचाया. भौंरा निवासी ऑटो संख्या जेएच10डीसी 3984 का चालक शराब के नशे में गाली-गलौज करने लगा और सड़क जाम कर दी, जिससे राहगीरों को परेशानी हुई. स्थानीय लोगों की सूचना पर सुदामडीह पुलिस मौके पर पहुँची और आरोपी चालक को चासनाला सीएचसी ले गई. पुलिस की तत्परता से स्थिति सामान्य हुई.

शिक्षक राज किशोर महतो का निधन

गोविंदपुर। पूर्वी गोविंदपुर के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बड़ा बाघमारा के सहायक अध्यापक राज किशोर महतो (59 वर्ष) का शनिवार तड़के हृदय गति रुकने से निधन हो गया. वे बीते कुछ दिनों से सर्दी-जुकाम से पीड़ित थे. उनके परिवार में पत्नी मोईनामति महतो (सहायक अध्यापिका), पुत्र सर्वेश महतो (इंजीनियर, बेंगलुरु) और पुत्री अनुश्री (स्नातक छात्रा) हैं. उनकी स्मृति में विद्यालय में प्रधानाध्यापिका विद्यावती रेड्डी की अध्यक्षता में शोक सभा हुई, जिसमें सभी शिक्षकों ने भाग लिया. वहीं, प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह, मुखिया मीनू महतो, माले नेता कृष्णा महतो, शिक्षक नेता नीलकंठ मंडल, आदित्य मिर्धा, नवल किशोर चौधरी, समरेश चौधरी, विश्वनाथ पाल आदि ने शोक संवेदना व्यक्त की. बीआरसी में आयोजित गुरु गोष्ठी में बीईईओ विनोद कुमार पांडेय, सहदेव महतो समेत सभी शिक्षकों ने मौन रखकर दिवंगत शिक्षक को श्रद्धांजलि अर्पित की. पुत्र के बेंगलुरु से आने के बाद शनिवार शाम बड़ा बाघमारा श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया.

रसना बार होटल के मालिक दान सिंह का निधन

कतरास । कतरास थाना चौक स्थित रसना बार एंड रेस्टोरेंट के मालिक एवं श्री श्री दुर्गा पूजा समिति रानी बाजार के पूर्व मेला सचिव दान सिंह का शनिवार की अहले सुबह कतरास के संजीवनी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया. वे पिछले कुछ माह से बीमार चल रहे थे. अस्वस्थता के कारण उन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया था. उनके निधन से पूरे कतरास क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है.खबर पाकर बाघमारा विधायक के पूर्व प्रत्याशी रोहित यादव सहित सैकड़ों लोग उनके आवास पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की.

जानवर को बचाने के चक्कर में बाइक सवार की मौत

झरिया से ड्यूटी खत्म कर भौंरा जाने के क्रम में हादसा

शुभम संदेश। झरिया

जोरापोखर थाना क्षेत्र के रॉयल स्कूल के पास शुक्रवार की रात करीब 10.30 बजे एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान भौंरा 7 नंबर का रहने वाला मोहम्मद सलामत अंसारी के रूप में हुई है जो झरिया मातृ सदन के पास स्थित श्रीराम मेडिकल में काम करता था. जानकारी के अनुसार, सलामत अंसारी शुक्रवार की रात ड्यूटी समाप्त कर ग्लेमर बाइक से घर लौट रहा था. इसी दौरान सड़क पर अचानक एक जानवर के आ जाने से उसने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई. हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे टाटा अस्पताल पहुँचाया, परंतु रास्ते में ही उसकी मौत हो गई. सलामत दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था. घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.घटना की सूचना मिलते ही जोरापोखर पुलिस मौके पर पहुँची और मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

सावित्री बाई फूले योजना का लाभ दिलाएं: बीईईओ

टुंडी (शुभम संदेश) ।टुंडी के सभी स्कूलों को रंग-रोगन कार्य सुसज्जित की जाय. जो नहीं करेंगे, उन्हें हरगिज बख्शा नहीं जायेगा. यह बातें टुंडी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सहदेव महतो ने टुंडी उच्च विद्यालय में आयोजित मासिक गुरु गोष्ठी में कही. इसके अलावे उन्होंने प्रधान शिक्षकों को कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सावित्री बाई फूले योजना का लाभ छात्राओं को दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं. उन्होंने शिशू पंजी मैपिंग,ओर तोला टैगिग रिपोर्ट, पोशाक डिमांड, टीचर बायोमेट्रिक, स्टूडेंट बायोमेट्रिक, एमडीएम एस एम एस, प्रयास रिपोर्ट, तथा प्रोजेक्ट रेल परीक्षा का रिजल्ट प्रकाशित करने का सख्त निर्देश दिया. इस मौके पर मनोज कुंभकार, संतोष राय, हरिमोहन मुखर्जी, सुमित दत्ता, एहतेशाम अहमद, खालिद अहमद आदि मौजूद थे.

मां मंगला चंडी मंदिर के स्टोर रूम में लगी आग, दो लाख की क्षति

श्रद्धालुओं ने की आपातकालीन बैठक, पुलिस से जांच की मांग

खास बातें

- प्रशासन की निगरानी में मंदिर की स्थायी समिति बनाने के लिए दिया आवेदन
- मंदिर के अन्य प्रवेश द्वार पर अवैध निर्माण से बढ़ी परेशानी

शुभम संदेश। झरिया

झरिया थाना क्षेत्र के 4 नंबर टैक्सी स्टैंड स्थित मां मंगला चंडी मंदिर परिसर में शनिवार की अहले सुबह स्टोर रूम में आग लग गयी. जिससे कमरे में रखे कपड़े और तिरपाल समेत अन्य सामान जलकर राख हो गए. अगलगी में मंदिर के वायरिंग के साथ हनुमान जी, शिवलिंग सहित अन्य प्रतिमाओं को भी क्षति पहुंची. आग लगने के घटना की जानकारी जैसे ही स्थानीय लोगों को मिली, वे काफी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए. घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी. फायर ब्रिगेड की टीम के पहुंचने से पहले स्थानीय युवकों की भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया.

घटना को लेकर मंदिर के पुजारी का कहना है कि मंदिर के बगल में पूजा समिति का एक कार्यालय है, जहां पूजा पंडाल के कपड़े, तिरपाल आदि रखे थे. जहां आग लगी फिर वेंटिलेटर के माध्यम से मंदिर तक पहुंच गई और आग ने भयावह रूप ले लिया. आग से देवी-देवताओं की प्रतिमा का नुकसान हुआ है. कई सामान जैसे टाइल्स, बिजली की वायरिंग, पंखे, बल्ब आग की चपेट मे जल गए. मंदिर के पुजारी का कहना है कि हादसे में लगभग दो लाख रुपये की संपत्ति जल गई है. खबर लिखे जाने तक आग कैसे लगी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है. वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

घटना के बाद मंदिर की श्री श्री मां मंगला चंडी सेवा समिति के सदस्यों ने आपाताकलीन बैठक बुलायी. आगलगी की घटना को आसामाजिक तत्वों का काम बताया. मंदिर में भय फैलाने और कब्जा के उद्देश्य से घटना को अंजाम दिया गया है. झरिया थाना प्रभारी, अंचलअधिकारी और झरिया विधायक को पत्र देकर कार्यवाई की मांग की है. मंदिर को कब्जाधारियों और असामाजिक तत्वों से मुक्त कराने का आग्रह किया है. बैठक में गणेश गुप्ता, गोलू मालाकार, सोनू सिंह, शैलेश कुमार, वीरेंद्र बहादुर सिंह, राजेश सिंह, सर्जुन विश्वकर्मा, दिलीप सिंह, लोकेश गुप्ता सहित भारी संख्या में सदस्य उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

25 किलो तांबा बरामद, महिला गई जेल

धनसार (शुभम संदेश)। धनसार पुलिस ने शुक्रवार की देर रात हल्दी पट्टी चांदमारी में छापेमारी कर बिनोद सोनी के घर से पच्चीस किलो तांबा पकड़ा है. इस दौरान बिनोद की पत्नी वीणा देवी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.धनसार पुलिस ने अवैध तांबा पकड़े जाने के बाद हल्दी पट्टी के बिनोद सोनी, पत्नी वीणा देवी व दीपक सोनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है.पकड़ी गई महिला वीणा को धनसार पुलिस ने शनिवार को जेल भेज दिया जबकि अन्य की तलाश मे छापेमारी कर रही है. बताया जा रहा है कि इन दिनों बस्ताकोला सीआईएसएफ के एंटी क्राइम की मिलीभगत से विक्ट्री, चांदमारी, राजापुर व बेरा कोलियरी से केबल चोरी हो रही है. एक माह पूर्व ही रात में लूटरों ने बस्ताकोला क्षेत्र बेरा व कुइयां कोलियरी मे कर्मियों को बंधक बनाकर केबल लूट की घटना को अंजाम दिया था.जबकि कोलियरी से सीआईएसएफ कैंप महज दो सौ मीटर की दूरी पर ही स्थित है.इस घटना के बाद सीआईएसएफ के एंटी क्राइम के कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

धनसार के हल्दीपट्टी में पुलिस की कार्रवाई

आदिवासी समाज ने टुंडी में चलाया जनसंपर्क

टुंडी (शुभम संदेश) । कुड़मी समाज द्वारा एसटी की मांग के विरोध में आगामी 13अक्टूबर को धनबाद में आहुत आदिवासियों की जनाक्रोश रैली, प्रदर्शन की सफलता को लेकर सोनेत संथाल समाज ने टुंडी के तीस गांवों का दौरा, जनसंपर्क व नुक्कड़ सभा का आयोजन कर लोगों को रैली में शामिल होने की अपील की. सोनेत संथाल समाज के केन्द्रीय कोषाध्यक्ष रतिलाल टुडू की अगुवाई में मंझलीटांड,खरमो, मिर्जापुर, पर्वतपुर, सालपहाड़, गुवाकोला, चुनुकडीहा, बेगनोरिया,नयाडीह, हांसागोड़ा गांव जनसंपर्क के साथ नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया. सभा को संबोधित करते हुए टुडू ने कहा कि कुड़मी समाज द्वारा एसटी बनने की मंशा को कभी सफल होने नहीं दिया जायेगा. उन्होंने कहा कि कुड़मी,कुरमी,और महतो एक ही समाज है, जो केवल लाभ पाने के लिए बार-बार आदिवासी बनने का प्रयास कर रहे हैं. आदिवासी देश के प्रथम नागरिक हैं, जिन्होंने आजादी के लिए असंख्य बलिदान दिए. आज उसके अस्तित्व पर संकट खड़ा किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि यह संघर्ष केवल झारखंड तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे देश में आदिवासी एकजुट होकर विरोध करेंगे. उन्होंने कहा कि जब-जब कुड़मी समाज आदिवासी दर्जे की मांग करेगा, आदिवासी समुदाय इसका पुरजोर विरोध करेगा. उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आदिवासियों की हक और अस्तित्व की रक्षा के लिए रक्षा के लिए यह विरोध ऐतिहासिक एकजूटता का प्रतीक होगी. उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जनाक्रोश रैली में सभी पारंपरिक वेशभूषा और पारंपरिक हथियार के साथ धनबाद पहुंचे. टुडू के अलावे सनातन सोरेन, संजय सोरेन, बिरजू सोरेन, राकेश मुर्मू, सोहेल हेम्ब्रम, आदि ने भी अपने-अपने विचार रखे.

मोहनबाजार दुर्गा पूजा समिति ने पुलिस प्रशासन को किया सम्मानित

चासनाला (शुभम संदेश)। श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति, मोहनबाजार द्वारा शनिवार को पुलिस प्रशासन को सम्मानित किया गया. समिति के अध्यक्ष प्रभाष अग्रवाल, सचिव राजेश साव, कोषाध्यक्ष कैलाश विश्वकर्मा, सीडी मिश्रा, विनोद पाठक, मो. मुख्तार, कमलेश कुमार ने जोड़ापोखर सीआई कार्यालय पहुँचकर सीआई आशुतोष कुमार को चुनरी भेंटकर सम्मानित किया. इस अवसर पर समिति के कई सदस्य मौजूद थे. सीआई आशुतोष कुमार ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान हजारों श्रद्धालु मोहनबाजार दुर्गा मंदिर में दर्शन व रावण दहन देखने आते हैं, ऐसे में विधि-व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है. लेकिन धनबाद उपायुक्त व एसएसपी के निर्देश पर स्थानीय पुलिस ने बेहतर समन्वय से शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित किया, जिसमें थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह की विशेष भूमिका रही. इसके अतिरिक्त, समिति ने सुदामडीह थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह को भी चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया. थाना प्रभारी ने कहा कि पूजा समिति, जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों के सहयोग से दुर्गा पूजा का आयोजन शांतिपूर्ण और सफल रहा.

डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा की संगीता को पुरस्कार

महुदा (शुभम संदेश)। डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा के प्रांगण में शनिवार को बैगलेस कक्षाओं के रूप में रेड डे मनाया गया. जिसमें कक्षा नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के बच्चों ने विविध क्रियाकलापों में भाग लिए. जिसमें पाम पेंटिंग, थंब पेंटिंग, मैजिक पिटारा, एक्शन सॉन्ग, पहेली, बैलून बैलेंसिंग और सेल्फी प्वाइंटर जैसी गतिविधियों में शामिल हुए. इस मौके पर कक्षा नौवीं की छात्रा संगीता कुमारी जिन्होंने नेशनल स्पोर्ट्स, 2025 के राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था और राष्ट्रीय स्तर के इस खेल में झारखंड का प्रतिनिधित्व किया था.कॉलेज मैनेजमेंट की ओर से उन्हें 5100 का चेक प्रदान किया गया. विद्यालय के प्राचार्य शुभाशीष चट्टोराज ने छात्रा को उसकी मां की उपस्थिति में चेक और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया. प्राचार्य शुभाशीष चट्टोराज ने बधाई देते हुए कहा कि प्रतिभाओं को निखार कर उच्च लक्ष्य प्राप्त करने में मेहनत, लगन और इच्छा शक्ति की बड़ी भूमिका होती है.

दीक्षा महिला मंडल ने बांटी मिठाइयां, राशन और पटाखे

झरिया (शुभम संदेश)। दीक्षा महिला मंडल, संस्कृत महिला समिति कुसुंडा क्षेत्र की ओर से शनिवार को ऐना कोलियरी कार्यालय में दीपावली के अवसर पर जनकल्याणकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर लगभग 50 महिलाओं के बीच मिठाई, राशन तथा बच्चों के लिए साउंडलेस पटाखे वितरित किए गए. इस मौके पर कुसुंडा क्षेत्रीय अध्यक्ष अजंता दास ने कहा कि समिति हमेशा से सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्ध रही है. दीपावली जैसे पर्व के मौके पर जरूरतमंदों को सहायता पहुँचाना समिति का उद्देश्य है. उन्होंने कहा कि समिति की सदस्याएं हमेशा सेवा कार्यों में तत्पर रहती हैं और सामाजिक उत्थान हेतु हर संभव प्रयास करती हैं. कार्यक्रम में समिति की अन्य सदस्याएँ व स्थानीय लोग उपस्थित रहे, जिनमें संटू झा, सुनीता राम, मनीषा प्रकाश, किरण सिंह, मीनू मिश्रा, विनीता ठक्कर, नीता बाग, पूजा अग्रवाल, देवाशीष बाग सहित दर्जनों लोग शामिल थे. कार्यक्रम के सफल आयोजन की सभी ने सराहना की.

बाल विवाह के खिलाफ यूएचएस कुंजी के छात्राओं ने ली शपथ

शुभम संदेश। महुदा

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं जस्ट राईट फॉर चिल्ड्रेन द्वारा बाल विवाह रोकथाम को लेकर धनबाद जिले के यूएचएस कुंजी, बांधडीह, सिंगड़ा, कंचनपुर, मधुडीह, कदमटांड़, आदि गांव के स्कूल,आंगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत सचिवालय में बालिकाओं के साथ एक जागरुकता कार्यक्रम किया गया. जिसमें बताया गया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के लगभग एक साल पूरे होने जा रहे हैं और जिला प्रशासन के नेतृत्व में धनबाद जिले में मिली सफलताओं को और गति देने एवं इस सामाजिक कुप्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए इस विशेष अभियान की आवश्यकता महसूस की जा रही है. झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए प्रतिबद्ध है.इस संदर्भ में ट्रस्ट ने जिला प्रशासन और जनमानस से सहयोग की अपील की है. उक्त अवसर पर सैकड़ों बालिकाओं ने बाल विवाह रोकने के लिए आगे आईं और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ग्रहण किया. झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के निदेशक शंकर रवानी ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बेटियों को बधाई एवं शुभकामना देते हुए कहा है कि बालिकाओं के सहयोग से ही आज बाल विवाह मुक्त भारत अभियान सफलता की ओर अग्रसर है. उन्होंने इसके लिए सभी का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम में झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष बिनोद महतो, मुमताज अंसारी, नईमुद्दीन अंसारी, गुलनाज बानो, पुजा कुमारी, माला देवी, सीता कुमारी, दीपा कुमारी आदि ने संबोधित किया.

लोकतंत्र सेनानी संघ ने मनायी लोकनायक की 123वीं जयंती

शुभम संदेश। झरिया

लोकतंत्र सेनानी संघ के तत्वावधान में आज झरिया के कतरास मोड़ स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा स्थल पर उनकी 123वीं जयंती श्रद्धा व उत्साह से मनाई गई. कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई. लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश कुमार जोशी, अधिवक्ता सुखलाल पंसारी, गंगाशरण शर्मा एवं श्यामसुंदर स्वर्णकार ने माल्यार्पण कर लोकनायक को श्रद्धांजलि अर्पित की. ये सभी आपातकाल के दौरान डीआईआर और मीसा में जेल भेजे गए थे.

मुख्य अतिथि हरीश कुमार जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि आज नानाजी देशमुख की भी 109वीं जयंती है. उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि पटना के डीएम विजय शंकर दुबे ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि कांग्रेस सरकार के दबाव में जयप्रकाश नारायण पर लाठीचार्ज का आदेश था, लेकिन नानाजी देशमुख ने लाठी का वार अपने हाथ पर झेल लिया, जिससे उनका हाथ टूट गया.

जोशी ने कहा कि जिस कांग्रेस ने लोकतंत्र के सेनानियों को जेल में यातनाएं दीं, आज उसी कांग्रेस की गोद में संपूर्ण क्रांति से निकले कुछ नेता बैठे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद वही नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हो गए और सजायाफ्ता तक हो चुके हैं.

कार्यक्रम में भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यासमिती राजकुमार अग्रवाल, महाबीर पासवान, श्रीराम यादव, विरेन्द्र शर्मा, बलदेव पाण्डेय, विष्णु त्रिपाठी, अवधेश साव, भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष अशोक प्रसाद बर्णवाल, बनर्जी, राजेन्द्र साव, मुन्ना पाण्डेय, दिलीप रवानी, अजय वर्मा, लक्ष्मी नारायण जयसवाल, प्रीतम शर्मा, लल्लू झा, मृत्युंजय कुमार, धारण बाहरी, दिलीप भारती, सुरज कुमार बर्णवाल, अशोक प्रसाद, कार्यक्रम का सफल आयोजन सुदर्शन कुमार बर्णवाल (भाजपा ओबीसी मोर्चा महामंत्री) ने किया.

सिनीडीह में कायस्थों ने किया लोकनायक जेपी नारायण को याद

मुंशी प्रेमचंद और लाल बहादुर शास्त्री को भी अर्पित किया श्रद्धा सुमन

शुभम संदेश। मधुबन

श्री श्री चित्रगुप्त महापरिवार बाघमारा अंचल सिनिडीह के कायस्थों ने महेशपुर पेट्रोल पंप के समीप स्थित पंचायत सचिवालय में शनिवार को संपूर्ण क्रांति आंदोलन के प्रणेता व भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती काफी हर्षोल्लास के साथ मनायी. साथ ही देश के द्वितीय प्रधानमंत्री गुदड़ी के लाल लालबहादुर शास्त्री एवं उपन्यास सम्राट कलम के जादूगर मुंशी प्रेमचंद को भी याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया.कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे धनबाद न्यायालय के वरीय अधिवक्ता प्रशांत दयाल ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कि चाहे 1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन हो या फिर सन 1975 का जेल भरो आंदोलन हो. जयप्रकाश बाबू की भूमिका अग्रणी रही है. 1942 में जब पंडित जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी जेल चले गए. उस समय अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व करने वाले जयप्रकाश नारायण ही थे. जिन्होंने इस आंदोलन को जीवित रखा फिर चाहे सन 1975 में जब देश में अराजकता फैली उस समय तत्कालीन सरकार के विरोध में आवाज बुलंद करने वाले जयप्रकाश नारायण ही थे. जिन्होंने संपूर्ण देश में क्रांति की एक अलख जगा दी. देश के द्वितीय प्रधानमंत्री रहे लाल बहादुर शास्त्री का जीवन भी आईने की तरह साफ है प्रधानमंत्री के पद पर आसीन होने के बाद भी सादा जीवन जीते रहे.कलम के जादूगर कहे जाने वाले मुंशी प्रेमचंद की हिंदी साहित्य में उनकी उत्कृष्ट कार्य को भला कौन नहीं जानता. इस अवसर पर चित्रगुप्त पूजा से संबंधित प्रगति रिपोर्ट पर भी चर्चा की गयी.बैठक की अध्यक्षता संरक्षक वरीय अधिवक्ता प्रशांत दयाल ने की. इस अवसर पर संरक्षक - उमेश श्रीवास्तव, अध्यक्ष-दिलीप कुमार वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष-समीर कुमार लाला, महासचिव- संजू लाला, सह सचिव नीरज लाला उपाध्यक्ष-गौरव सिन्हा, सह सचिव नीरज कुमार सिन्हा, पंकज लाला (प्रीतम), कोषाध्यक्ष-अजय कुमार लाला, उप कोषाध्यक्ष-वरुण चन्द्र के अलावा, विनय लाला राजीव रंजन घोष, अजय लाला, सुजीत कुमार सिन्हा, निशांत लाला, अनंत किशोर लाला, यश श्रीवास्तव एवं अनमोल लाला आदि शामिल थे.

साहिबगंज में जाली दस्तावेज के सहारे अवैध आधार निर्माण का खुलासा

सीएसपी संचालक समेत दो गिरफ्तार

शुभम संदेश। साहिबगंज

जाली दस्तावेज के सहारे अवैध रूप से आधार कार्ड बनाने के मामले में साहिबगंज के जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने शुक्रवार की देर शाम मदनसाही से दो युवकों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक मोनू चौधरी (सोती चौकी, पगरो) और राजदेव उरांव (हाथीगढ़, सकरीगली) के निवासी बताए गए हैं. मोनू चौधरी मदनसाही में ही बैंक ऑफ इंडिया के सीएसपी संचालक हैं. डीएसपी मुख्यालय विजय कुमार कुशवाहा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मिली सूचना के आधार पर जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोनू चौधरी और राजदेव उरांव को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने सीएसपी से आधार कार्ड बनाने वाला स्कैनर मशीन, थंब स्कैनर और आई स्कैनर सहित कई आधार कार्ड जब्त किए हैं. इनमें से कई आधार कार्ड संदेहास्पद पाए गए हैं, जिसकी जांच की जा रही है. उन्होंने बताया कि यूआईडीआई पदाधिकारी संदीप कुमार के बयान पर जिरवाबाड़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है और पुलिस मामले की गंभीरता से छानबीन कर रही है. गिरफ्तार मोनू चौधरी की मां का कहना है कि उनका बेटा निर्दोष है और केवल बैंक सीएसपी का कार्यकर्ता था. उसके पास केवल एक प्रिंटर मशीन और एक लैपटॉप था, जबकि आधार कार्ड बनाने का स्कैनर मशीन राजदेव उरांव का था. उन्होंने आरोप लगाया कि राजदेव ने अपने बेटे को झांसा देकर गलत तरीके से आधार कार्ड बनाने का काम कराया. बताया जा रहा है कि असम के आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके साहिबगंज के मदनसाही में संचालित एक सीएसपी में जाली दस्तावेज के सहारे बांग्लादेशियों के लिए आधार कार्ड बनाए जा रहे थे. इसकी सूचना जिले के यूआईडीआई पदाधिकारी संदीप कुमार को मिली थी, जिसके बाद उन्होंने जिरवाबाड़ी थाना को जानकारी दी और पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को गिरफ्तार किया. जानकारी के अनुसार, भाजपा लंबे समय से बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे को लेकर सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठाती रही है.

ज्योत्सना केरकेट्टा के खिलाफ शिकायत दर्ज

कसमार (शुभम संदेश)। कसमार प्रखंड के मंजूरा निवासी रुपेश कुमार महतो सहित अन्य युवाओं ने शनिवार की शाम कसमार थाना में संयुक्त आवेदन देकर रांची निवासी ज्योत्सना केरकेट्टा पर कुड़मी समाज के खिलाफ उत्तेजक भाषण देने, गाली-गलौज करने और दो समुदायों के बीच दंगा भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया. आवेदन में कहा गया है कि आठ अक्टूबर को बोकारो में आयोजित एक भरी सभा में ज्योत्सना केरकेट्टा ने सार्वजनिक रूप से गैर सरकारी आदिवासी कुड़मी समाज को निशाना बनाकर उत्तेजक भाषण और गाली-गलौज की. इसके कारण दो समुदायों के बीच तनाव उत्पन्न हुआ. आवेदन में आरोप लगाया गया कि उनके भड़काऊ भाषण से कभी भी दोनों समुदायों के बीच दंगा फैल सकता है और इसके लिए जिम्मेदार ज्योत्सना केरकेट्टा होगी.

उपायुक्त ने की आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक

सभी लाभुकों को समय पर राशन सुनिश्चित करने का निर्देश

शुभम संदेश। दुमका

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में उपायुक्त ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि सभी प्रखंडों में पीडीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाए, जिसमें उन्हें स्मार्ट पीडीएस प्रणाली की जानकारी दी जाए. धोती-साड़ी वितरण योजना की समीक्षा के क्रम में उन्होंने निर्देश दिया कि शत-प्रतिशत लाभुकों के बीच वितरण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसे लाभुकों की पहचान की जाए जो लंबे समय से राशन का उठाव नहीं कर रहे हैं और नियमानुसार उनके नाम राशन कार्ड सूची से हटाए जाएं. साथ ही उन्होंने कहा कि सभी वरीय पदाधिकारी नियमित रूप से अपने-अपने प्रखंडों में पीडीएस दुकानों का निरीक्षण करें तथा उनकी रिपोर्ट के आधार पर संबंधित डीलरों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए. उपायुक्त ने यह भी कहा कि जिले के सभी पात्र लाभुकों को प्रत्येक माह निर्धारित मात्रा में राशन वितरण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी परिवार वंचित न रहे. बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी सहित सभी प्रखंड के एमओ उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

नहाने के दौरान गंगा नदी में डूबी बच्ची

साहिबगंज। रिवर थाना क्षेत्र अंतर्गत करीगली, गोपालपुर और पिलर टोला में शनिवार को सुबह लगभग 11 बजे मिथुन चौधरी की 7 वर्षीय पुत्री रानी कुमारी गंगा नदी में डूब गई, जिससे इलाके में कोहराम मच गया. मिली जानकारी के अनुसार, रानी कुमारी स्नान करने गई थी और इसी दौरान गहरे पानी में जाने के कारण डूब गई. स्थानीय लोग उसकी तलाश में जुटे हुए थे. खबर लिखे जाने तक बच्ची का कुछ पता नहीं चल सका था. बच्ची की मां संगीता देवी सहित परिजन रोते-बिलखते हुए दुख व्यक्त कर रहे थे.

सेक्टर छह थाना के मालखाना में लगी आग

बोकारो। सेक्टर 6 थाना के मालखाना में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई. मौके पर थाना में मौजूद अधिकारी, कर्मचारी और आसपास के लोग तत्परता से आग पर काबू पाने में जुट गए. दमकल भी मौके पर पहुंची और आग को बुझाने का कार्य किया. पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया. हादसे में किसी के हताहत होने या माल की क्षति होने की सूचना नहीं है.

आरा मशीन और लकड़ी का बोटा जब्त

गावां। गावां वन प्रक्षेत्र अंतर्गत तिसरी प्रखंड के ग्राम गुमगी में वन क्षेत्र पदाधिकारी अनिल कुमार और पुलिस बल के नेतृत्व में छापेमारी की गई. इस दौरान आरा मशीन और लकड़ी का बोटा जब्त किया गया. विभाग ने बताया कि अपराधियों की पहचान की जा रही है और उसके बाद वन मामला दर्ज किया जाएगा. कार्रवाई के उपरांत वन क्षेत्र पदाधिकारी ने कहा कि इस तरह के वन अपराध बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे. इस छापेमारी में प्रभारी वनपाल अभीमीत राज, राजेंद्र प्रसाद, वन उप-परिसर पदाधिकारी रणजीत प्रभाकर, रविश कुमार, शशि कुमार, गौतम दास, सुरेश कुमार महतो, सुधीर बेसरा, आलोक मोहन पांडे, हीरालाल पंडित एवं अन्य वनकर्मी उपस्थित थे.

अनियंत्रित स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकराई

बोकारो। सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत राम मंदिर से सेक्टर-4 जाने वाले मार्ग पर शनिवार को एक स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन डिवाइडर को तोड़ते हुए उस पर चढ़ गई. हालांकि, इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. घटना की जानकारी मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया. आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में थी, जिसके कारण चालक उसका नियंत्रण खो बैठा. पुलिस ने वाहन को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य किया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी.

पल्स पोलियो जागरुकता रथ रवाना

गावां। 12 अक्टूबर से शुरू होने वाले विशेष पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सभी तैयारियाँ पूरी कर ली है. अभियान की सफलता को लेकर शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर से जागरुकता रथ रवाना किया गया. मौके पर प्रभारी डॉ. महेश्वरम ने कहा कि भारत पोलियो के खिलाफ जंग लड़ रहा है और हम पोलियो उन्मूलन के काफी करीब हैं. ऐसे में यह हम सभी का दायित्व है कि जब तक देश पोलियो से पूरी तरह मुक्त न हो जाए, तब तक मिलकर पोलियो के खिलाफ जंग जारी रखें. यह जागरुकता रथ गांव-गांव जाकर लोगों को पोलियो के प्रति जागरूक करेगा.

इनोवा कार की टक्कर से ऑटो सवार की मौत, छह लोग घायल

घटना के विरोध में आधा घंटा तक सड़क जाम, चालक गिरफ्तार, वाहन जब्त

शुभम संदेश। बोकारो

नावाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरी-बेरमो रोड में बगजोबरा पुल के पास शनिवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए. घायलों को तत्काल इलाज के लिए सीएचसी नावाडीह में भर्ती कराया गया. यहाँ डॉ. विजेता कुमारी ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया. घायलों में डोली देवी (उम्र 45 वर्ष) की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया. जानकारी के अनुसार ऑटो संख्या जेएच10पीपी-5427 नावाडीह से फुसरो की ओर जा रही थी. उसी दिशा से आ रही इनोवा कार संख्या जेएच15भी-5199 ने ऑटो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर खेत में जा गिरी. इस दुर्घटना में असलम अंसारी (उम्र लगभग 26 वर्ष) पुत्र लतीफ अंसारी, निवासी कुरमीडीह, थाना बालीडीह, जिला बोकारो, की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. वहीं छह लोग घायल हो गए, जिनमें जरंगडीह की सुशीला देवी (60 वर्ष), जरीडीह की रीता देवी (29 वर्ष), शीतल कुमारी (17 वर्ष), हथियापत्थर की रजनी देवी, बरही की डोली देवी (45 वर्ष) सहित दो अन्य लोग शामिल हैं. स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना नावाडीह पुलिस को दी. इसके बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायलों को सीएचसी नावाडीह पहुँचाया. वहीं आक्रोशित लोगों ने फुसरो-डुमरी रोड को आधे घंटे तक जाम कर दिया. मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी, सीओ अभिषेक कुमार और बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने लोगों को समझा-बुझा कर शांत कराया और शव को अपने कब्जे में लिया. बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम और सीओ अभिषेक कुमार अस्पताल पहुंच कर घायलों का हालचाल लिया. जानकारी के अनुसार उक्त इनोवा कार इससे पहले सुरही में एक बाइक को टक्कर मार कर भाग रही थी. इसी क्रम में बगजोबरा में यह दुर्घटना हुई. इसके बाद चालक ने कार घुमाकर सह यात्रियों सहित मौके से फरार हो गया और बचने के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, नावाडीह के परिसर में पहुँचकर गेट बंद करवा दिया. इस जानकारी के बाद पुलिस ने चालक सहित कार और स्कूल के वॉचमैन को थाना ले जाकर पूछताछ की. मामले की छानबीन जारी है.

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक चालक की मौत

उधवा। प्रखंड उधवा-राधानगर मुख्य मार्ग स्थित फुदकीपुर नया टोला के निकट शनिवार सुबह करीब 5 बजे ईंट लदा ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक मोटरसाइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत अंतर्गत बालुगांव निवासी अब्दुल मुतालिफ (40 वर्ष) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, अब्दुल मुतालिफ आसपास के इलाकों में मछली बेचने का काम करते थे. शनिवार की सुबह वह अपने घर से बाइक पर सवार होकर मछली खरीदने के लिए फरक्का जा रहे थे. इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ईंट लदा ट्रैक्टर ने बाइक चालक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. मौत की खबर सुनते ही परिजनों के घर में मातम छा गया. मृतक अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों को छोड़ गए हैं. घटना की सूचना मिलते ही राधानगर थाना के एएसआई सुबोध कुमार सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया. पुलिस ने ईंट लदा ट्रैक्टर को जब्त कर थाना में लाया है और फिलहाल मामले की छानबीन कर रही है.

न्यूज अपडेट

अवैध बालू उठाते ट्रैक्टर जब्त, मालिक - चालक गिरफ्तार

बोकारो (शुभम संदेश)। जिले में अवैध बालू और कोयला कारोबार पर लगाम कसने की आवश्यकता के बीच गोमिया प्रखंड में प्रशासन ने सख्ती दिखाई. गोमिया के अंचल अधिकारी (सीओ) आफताब आलम के नेतृत्व में गठित टीम ने बोकारो नदी पर छापेमारी अभियान चलाया. इस दौरान अवैध रूप से बालू उठाते हुए एक ट्रैक्टर पकड़ा गया. कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर का मालिक और चालक मौके से गिरफ्तार कर लिए गए, जबकि कई अन्य ट्रैक्टर मौके से भागने में सफल रहे. पकड़े गए ट्रैक्टर, मालिक और चालक को सीओ ने गोमिया थाना पुलिस के हवाले कर दिया और इस मामले में लिखित आवेदन देकर सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया. गोमिया पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर मालिक और चालक को न्यायिक प्रक्रिया के लिए तेनुघाट कोर्ट भेज दिया. इस कार्रवाई के बाद सीओ आफताब आलम ने क्षेत्र में अवैध बालू खनन और कारोबार में लिप्त लोगों को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि कानून उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे.

डीएवी में युगल भक्ति नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

बोकारो (शुभम संदेश)। डीएवी सेक्टर-IV विद्यालय के प्रांगण में पाठ्य-सहगामी गतिविधियों के तहत माध्यमिक पाली के विद्यार्थियों के लिए इंटर स्कूल युगल भक्ति नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. रंग-बिरंगे परिधानों और आकर्षक साज-सज्जा में सुसज्जित प्रतिभागियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया. कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के प्राचार्य एस. के. मिश्रा ने कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, कलात्मकता, रचनात्मकता तथा अनुशासन का विकास होता है. साथ ही, यह उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और नई पहचान बनाने का अवसर प्रदान करता है. प्रतियोगिता में दयानंद, विरजानंद, विवेकानंद और श्रद्धानंद इन चारों सदनों के आठवीं एवं नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया. जिसमें प्रथम स्थान श्रद्धानंद सदन की कक्षा 9 की शगुन और कक्षा 8 की आसमी, द्वितीय स्थान विरजानंद सदन की कक्षा 9 की आराध्या कुमारी और कक्षा 8 की इशिका, तृतीय स्थान विवेकानंद सदन की कक्षा 9 की पीहू और कक्षा 8 की संजना रही. प्राचार्य ने सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं.

सिविल सर्जन ने स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

बोकारो (शुभम संदेश)। सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सेक्टर-6 का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. किरण, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स सहित अन्य सभी कर्मी उपस्थित पाए गए. निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन ने दवाओं की उपलब्धता एवं उनके रख रखाव की जानकारी ली. निरीक्षण के समय तक कुल 17 मरीजों की जांच की जा चुकी थी. उन्होंने ओपीडी में रखी दवाओं को व्यवस्थित रूप से रखने का निर्देश दिया तथा एक्सपायरी दवाओं की जांच भी की. डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए शहरी कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देश दिया कि शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेक्टर-6 में प्रसव केंद्र शुरू करने के लिए आवश्यक उपकरणों की सूची तैयार की जाए और यथाशीघ्र प्रसव केंद्र की शुरुआत सुनिश्चित की जाए. उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि स्थान की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्र के स्टाफ की बैठक, मीटिंग एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम भी इसी केंद्र में आयोजित किए जाएं. औचक निरीक्षण के दौरान प्रधान लिपिक दिलीप कुमार सिंह, जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक (प्लानिंग) विश्वरंजन, सैफुल्लाह अंसारी एवं मो. शब्बीर अनवर उपस्थित थे.

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम

दुमका (शुभम संदेश)। प्रवाह संस्था, शाखा-शिकारीपाड़ा द्वारा बांसपहाड़ी पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय बांसपहाड़ी में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों को बढ़ावा देना और उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों के प्रति जागरूक करना था. कार्यक्रम के दौरान प्रवाह टीम ने बाल अधिकारों जीवन का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, विकास का अधिकार और भागीदारी के अधिकार के बारे में विस्तार से जानकारी दी. सभी उपस्थित बालक-बालिकाओं को बाल विवाह के दुष्परिणाम, बाल यौन शोषण, मानव तस्करी और बाल मजदूरी की कानूनी परिभाषा तथा बचाव के उपायों के बारे में बताया गया. साथ ही बच्चों को नियमित रूप से स्कूल आने और शिक्षा के महत्व को समझाने के लिए समाज की सफल महिलाओं और पुरुषों के उदाहरण देकर प्रेरित किया गया. आवागमन के दौरान समूह में यात्रा करने की सलाह दी गई ताकि अकेले में किसी तरह की छेड़खानी की संभावना न रहे. सरकार द्वारा बाल दुर्व्यवहार के पीड़ितों एवं संभावित पीड़ितों के लिए उपलब्ध सहायता सेवाओं जैसे चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और बाल मित्र पुलिस पदाधिकारी की भूमिका और कर्तव्यों के बारे में भी जानकारी दी गई. साथ ही, सभी प्रतिभागी बच्चों को बाल दुर्व्यवहार की शिकायत हेतु टोल-फ्री नंबर 1098, 112 और 100 के उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई. मौके पर शिक्षक गोविंद बेसरा, प्रमोद हांसदा, प्रवाह संस्था के कार्यकर्ता सुमित प्रेम मुर्मू, बिमोली हेम्ब्रम सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

विद्यालयों में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' प्रतियोगिता

बोकारो (शुभम संदेश)। समाज कल्याण विभाग, झारखंड सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम के तहत उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ थीम पर रंगोली, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. यह प्रतियोगिता जिले के सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई. उक्त प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को लंचबॉक्स, वॉटर बोतल और छाता देकर पुरस्कृत किया गया. विद्यालय संचालक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य बालिकाओं को सशक्त बनाना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है. ज्ञातव्य हो कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस वर्ष 2012 से मनाया जा रहा है. इसका उद्देश्य लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर ध्यान देना, उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और उनके मानवाधिकारों की पूर्ति सुनिश्चित करना है. वर्तमान समय में समाज में लड़कियों को पूर्ण सम्मान नहीं मिल पाया है, जबकि वे इसके हकदार हैं. इस दिन के माध्यम से बालिकाओं के जीवन में आने वाली चुनौतियों और परेशानियों के बारे में जागरुकता फैलाई जाती है. हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है. 2025 का थीम है 'मैं जो लड़की हूं, मैं जो बदलाव लाती हूं संकट के अग्रिम मोर्चे पर लड़कियां' जिसे बालिकाओं और संबंधित संगठनों के परामर्श से तैयार किया गया है.

बिहार विस चुनाव को लेकर बॉर्डर सील

साहिबगंज (शुभम संदेश)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड-बिहार सीमावर्ती साहिबगंज जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. इसके तहत भागैया, मिर्जाचौकी और अन्य चेकपोस्ट को सुरक्षा कारणों से सील कर दिया गया है. हालांकि, बिहार से लगने वाले कारगिल दियारा और गदई दियारा के समीप कुछ क्षेत्र अभी बाढ़ के कारण सील नहीं किए जा सके हैं. जैसे ही इन इलाकों में बाढ़ का पानी कम होगा, वहां भी सीमाओं को सील करने की कार्रवाई की जाएगी.

छठ घाटों की साफ-सफाई शुरू करायें बीडीओ-सीओ : उपायुक्त

शुभम संदेश। बोकारो

आगामी लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं. शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने गोपनीय कार्यालय कक्ष में बैठक कर संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं अंचल अधिकारी (सीओ) अपने-अपने प्रखंडों में स्थित छठ घाटों की साफ-सफाई एवं मरम्मती कार्य तुरंत प्रारंभ करें. उपायुक्त ने कहा कि सभी छठ घाटों पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, समतलीकरण, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए. उन्होंने यह भी कहा कि घाटों के आस-पास स्वच्छता और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखी जाए. उपायुक्त ने नगर निगम चास और नगर परिषद फुसरो के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के छठ घाटों की सफाई योजनाबद्ध तरीके से करें और इस कार्य में किसी भी प्रकार की चूक न हो. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अपर समाहर्ता दीपावली से पूर्व जिले की सभी छठ पूजा समितियों की बैठक आहूत करें, ताकि समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर घाटों की तैयारी, सुरक्षा, विद्युत, जलापूर्ति, यातायात नियंत्रण और जनसहभागिता से संबंधित सभी पहलुओं की पूर्व समीक्षा की जा सके. कहा कि स्वास्थ्य विभाग, विद्युत आपूर्ति विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और पुलिस प्रशासन के बीच समन्वय बनाए रखें, ताकि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो.

जमुआ पुलिस के खिलाफ भाकपा माले ने निकाला प्रतिवाद मार्च

लापता बच्चे की एक सप्ताह में बरामदगी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

शुभम संदेश। जमुआ

लापता लवकुश यादव की शीघ्र और सकुशल बरामदगी की मांग को लेकर शनिवार को भाकपा माले जमुआ प्रखंड कमिटी के बैनर तले प्रतिवाद मार्च निकाला गया. यह मार्च पार्टी कार्यालय से शुरू होकर जमुआ थाना गेट तक पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए पुलिस प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग की. मार्च के दौरान पार्टी नेताओं ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए एसआईटी गठन कर शीघ्र बच्चे की बरामदगी की गारंटी देने की मांग की. भाकपा माले ने प्रशासन को एक सप्ताह का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि इस अवधि में लवकुश यादव की सकुशल वापसी नहीं होती है, तो हजारों लोगों को गोलबंद कर जमुआ थाना के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा. थाना गेट पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले जिला सचिव अशोक पासवान ने कहा कि जमुआ थाना क्षेत्र में हत्या, लूट और अपहरण की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं. अपराधियों का हौसला इस कदर बुलंद है कि थाना से चंद दूरी पर भी लूट की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है. पुलिस अपराधियों पर नकेल कसने के बजाय उन्हें संरक्षण दे रही है. प्रशासन की लापरवाही से जनता का भरोसा कमजोर हो रहा है. अशोक पासवान ने कहा कि जमुआ के विधायक और सांसद इस गंभीर मुद्दे पर मौन हैं. न तो वे पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और न ही कोई बयान दिया. यह जनता के प्रति उनकी असंवेदनशीलता को दर्शाता है. इस मौके पर राज्य कमिटी सदस्य मिना दास, संगठन प्रभारी रामकिसुन यादव, विजय पांडेय, रीतलाल वर्मा, मनोवर हसन बंटी, असगर अली, रंजीत यादव, अरुण वर्मा, रीझो महतो, ऐनुल अंसारी, भागीरथ पंडित, क्लावती देवी, बाबूलाल महतो, तेजो दास, शंकर मोदी, सुदामा यादव, बसदेव ठाकुर, भोला पासवान, नकुल दास, टहल दास, नेजाम अंसारी, कारू यादव, मिथलेश यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित थे.

बिना लाइसेंसधारी पटाखा दुकानों पर होगी कार्रवाई

शुभम संदेश। बोकारो

दीपावली पर्व के मद्देनजर उपायुक्त अजय नाथ झा ने अनुमंडल पदाधिकारी चास एवं बेरमो (तेनुघाट) को निर्देश दिया है कि जिले में संचालित सभी पटाखा दुकानों की सघन जांच की जाए. विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दुकान सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) के बिना संचालित न हो. जांच के दौरान जिन दुकानों के पास वैध अनुज्ञप्ति नहीं पाई जाएगी या जो रिहायशी अथवा आबादी वाले क्षेत्रों में पटाखों की बिक्री कर रही होंगी, उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी. उपायुक्त ने कहा कि वर्ष 2024 में दीपावली के अवसर पर बी.एस. सिटी क्षेत्रान्तर्गत गरगा पुल के पास पटाखा दुकानों में भीषण आग लगी थी, जिससे भारी नुकसान हुआ था. इसी तरह, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड सरकार के पत्रानुसार 10 मार्च 2025 को गढ़वा जिले के रंका प्रखंड के गोदरमाना में एक पटाखा दुकान में आग लगने से तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मृत्यु हो गई थी. जांच में पाया गया था कि वह दुकान बिना अनुज्ञप्ति के अवैध रूप से संचालित की जा रही थी. इन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिले में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है. दीपावली 2025 के अवसर पर अस्थायी रूप से पटाखा दुकान लगाने के इच्छुक आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं. विस्फोटक नियमावली, 2008 के नियम 84 के तहत अस्थायी पटाखा दुकान हेतु अनुज्ञप्ति निर्गत की जाएगी. इच्छुक आवेदक निर्धारित प्रपत्र एई-5 में आवेदन भरें तथा निर्धारित शुल्क, स्वहस्ताक्षरित दो पासपोर्ट आकार के फोटो, आधार कार्ड की प्रति एवं स्वप्रमाणित शपथ पत्र संलग्न करें. उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदनों की स्थलीय जांच कर तीन दिनों के भीतर प्रतिवेदन एवं अनुशंसा सहित स्थल चिन्हित करते हुए जिला कार्यालय को भेजें. साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी अस्थायी पटाखा दुकानें सुरक्षित, खुली एवं गैर-आवासीय क्षेत्रों में ही स्थापित हों. उपायुक्त ने दोहराया कि जन सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा और विधि-व्यवस्था के प्रति कोई समझौता नहीं किया जाएगा. प्रशासन द्वारा पटाखा बाजारों में दमकल एवं सुरक्षा दलों की तैनाती के साथ-साथ फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच भी कराई जाएगी.

लोक सुनवाई स्थल परिवर्तन पर विरोध

दुमका (शुभम संदेश)। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत चित्रा गड़िया पंचायत के बेना गढ़िया मौजा में पत्थर खदान के लिए झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा पर्यावरण स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई शनिवार को निर्धारित थी, लेकिन निर्धारित स्थल बेना गढ़िया के बजाय चिरा पत्थर मौजा में सुनवाई शुरू किए जाने पर ग्रामीणों ने विरोध जताया. विरोध और हंगामे के बीच अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर ने लोक सुनवाई की कार्यवाही स्थगित करने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि इसके लिए नई तिथि निर्धारित कर दोबारा लोक सुनवाई आयोजित की जाएगी. इस दौरान ग्रामीणों ने पदाधिकारियों से स्थल निरीक्षण करने की मांग की. कार्यक्रम में अपर समाहर्ता राजीव कुमार, अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर, प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद एजाज आलम, प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारी, पत्थर खदान लीज धारक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद। धनबाद मंडल में रेलवे प्रशासन द्वारा बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में 11 अक्टूबर 2025 को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान आयोजित किया गया. यह जांच अभियान एक सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया. अभियान के दौरान कुल 1160 यात्रियों को पकड़ा गया, जिनमें बिना टिकट यात्रा, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा, तथा बिना बुक किए गए सामान के साथ यात्रा करने वाले यात्री शामिल थे. इस कार्रवाई से रेलवे को कुल 6,45,600 बतौर जुर्माना प्राप्त हुआ. पकड़े गए यात्रियों को भविष्य में उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की सख्त हिदायत दी गई. चेकिंग टीमों ने स्टेशनों पर और विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी विशेष जांच की. टिकट चेकिंग के दौरान स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई. रेल प्रशासन ने उचित टिकट लेकर ही प्लेटफॉर्म पर प्रवेश करने की सलाह दी जा रही है. साथ ही यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे जिस श्रेणी का टिकट खरीदें, उसी श्रेणी में यात्रा करें.

चापानल मजदूरों को नहीं मिली मजदूरी

टुंडी। टुंडी प्रखंड के सैंकड़ों चापानल मरम्मत करने वाले दैनिक मजदूरी करने वालों का भुगतान नहीं होने से वे परेशान हैं. टुंडी के चापानल मिस्त्री प्रमोद तिवारी, लक्ष्मण किस्कू,सुबोध तिवारी, शिशूलाल मुर्मू ने बताया कि वे पीएचईडी विभाग के अधिकारियों के कहने पर वर्ष 2025के मार्च, अप्रैल,मई, जून माह चार माह तक प्रचंड गर्मी में चापानल मरम्मत कार्य किया लेकिन आठ महीने बीतने चले लेकिन मजदूरों को फूटी-कौड़ी भी नहीं मिली. मजदूरों का कहना है कि विभागीय अधिकारियों के पास जब भी जाते हैं, तो वे हमेशा टाल मटोल कर लौटा देते हैं. हमेशा केवल अश्वासन देकर लौटा देते हैं, ऐसे में हम जाएं तो जाएं कहां? मजदूरों का आरोप है कि हम पूरे गर्मी लोगों को प्यास बुझाते हैं लेकिन हमारी आवाज सुननेवाला कोई नहीं है. इस संबंध में विभागीय अधिकारियों से संपर्क करने पर बताया कि यह कार्य संवेदक सुबोध कुमार द्वारा कराया गया है.

पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 पर जिला स्तरीय प्रसार कार्यशाला

शुभम संदेश। धनबाद

पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 पर शनिवार को न्यू टाउन हॉल में जिला स्तरीय प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि पंचायत स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी केंद्र, पेयजल, जल संचयन सहित विभिन्न पैरामीटर पर काम करना है. उन्होंने केरल एवं गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां ग्राम पंचायत व्यवस्था बहुत सुदृढ़ है. पंचायत के अस्पताल एवं विद्यालय निजी अस्पताल एवं विद्यालय जैसे हैं. पंचायत अपने ही राजस्व से अपनी पंचायत का विकास करते हैं. अध्यक्ष ने कहा कि पंचायत राज व्यवस्था सशक्त होगी तो ग्राम स्तर पर विकास होगा. सभी 9 पैरामीटर पर बेहतरीन कार्य करें. कार्य की डाटा एंट्री समय पर करें. प्रखंड प्रमुख, मुखिया एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें. उन्होंने आशा व्यक्त की कि पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 में धनबाद प्रथम स्थान हासिल करेगा. इस मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने कहा कि पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 की भांति इसमें भी सभी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करें. ग्रामीण विकास के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण पहल है. इससे पंचायत स्तर पर क्या-क्या सुधार करने हैं, इसकी विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी. उन्होंने कहा कि सूचकांक का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को श्रेष्ठ तरीके से धरातल पर उतरना है. योजना की रीढ़ पंचायत राज व्यवस्था है. कार्यशाला में रांची से आए राज्य प्रशिक्षक सुजीत नायक ने गरीबी मुक्त और बेहतर आजीविका वाली पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त, स्वच्छ और हरित, आत्मनिर्भर आधारभूत संरचना, सामाजिक रुप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रुप से सुरक्षित, सुशासन तथा महिला हितैषी पंचायत पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया. वही पंचायती राज के राज्य समन्वयक अरशद अंसारी ने कहा कि वैश्विक विकास में पंचायत का विकास अति महत्वपूर्ण है. उन्होंने ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने का अनुरोध किया. कार्यक्रम में जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार, डीपीएम तौहिद आलम, राज्य प्रशिक्षक सुजीत नायक, राज्य समन्वयक अरशद अंसारी, सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, विभिन्न अंचल के अंचल अधिकारी, मुखिया, प्रखंड प्रमुख, जिला परिषद सदस्य व अन्य लोग मौजूद थे.

आत्मनिर्भर भारत संकल्प 2025 की तैयारियों के लिए भाजपा की बैठक

शुभम संदेश। धनबाद

भारतीय जनता पार्टी के धनबाद जिला कार्यालय में जिला महानगर अध्यक्ष सरवन राय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई. इसका मुख्य उद्देश्य 13 अक्टूबर 2025 को होने वाले आत्मनिर्भर भारत संकल्प 2025 धनबाद विधानसभा स्तरीय सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा और अंतिम रूप देना था.बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियाँ, अतिथियों के स्वागत, प्रचार-प्रसार और जनसंपर्क अभियान पर विस्तृत चर्चा हुई. धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा, आत्मनिर्भर भारत संकल्प 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न को साकार करने का संकल्प है. इसके माध्यम से स्वावलंबन, स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, रोजगार सृजन और राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने कार्यकर्ताओं से इस सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण समर्पण से जुटने का आह्वान किया. सिन्हा ने बताया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा, कृषि और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल रहा है. सरकार ने आत्मनिर्भर भारत 3.0 के तहत 2.65 लाख करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पैकेज भी घोषित किया है, जिसमें रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी गई है. उन्होंने कार्यकर्ताओं और जिला पदाधिकारियों को स्वदेशी अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के लिए सामूहिक शपथ दिलाई. प्रदेश कार्य समिति सदस्य रमेश राही ने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को आत्मनिर्भरता के संकल्प से जोड़ना और "हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी" की भावना को जन-जन तक पहुँचाना है. बैठक का संचालन जिला महामंत्री मानस प्रसून ने किया और धन्यवाद ज्ञापन जिला मंत्री नरेंद्र त्रिवेदी ने किया. बैठक में रमेश राही, रमा सिन्हा, फुल जोशी, नरेंद्र त्रिवेदी, अभिमन्यु कुमार, पंकज सिन्हा, अरुण राय, नित्यानंद मंडल, विभा रानी सिंह, रामजित भुइयाँ, पुरुषोत्तम रंजन, रणजीत सिंह बिल्लू, अनिल सिन्हा, रमेश सिंह, मनोज सिंह, संजय कुशवाहा, किशोर मंडल, कृष्णा रावत, सूरज पासवान, राजाराम दत्त, गीता सिंह, निर्मल प्रधान, रवि सिन्हा, सत्येंद्र मिश्रा, मनोज रिंकू, शुभम बनर्जी, सुप्रभात कुमार, रंजय सिंह, तमाल राय, राजकुमार मंडल, सुमन सिंह, मौसम सिंह, मुकेश सोनी, गुड्डू वर्मा, अशोक गुप्ता, धर्मेंद्र, सदानंद प्रसाद बरनवाल, राजेश रजक, विकास मिश्रा, इंद्रजीत दे, मेघनाथ वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

18 लीटर शराब के साथ चार महिला गिरफ्तार

शुभम संदेश। धनबाद

रेसुब पोस्ट धनबाद की गठित टास्क टीम के सीआईबी द्वारा स्टेशन साउथ साइड जनता ब्रिज के पास रेलवे परिक्षेत्र में चार महिलाओं को 02-02 बोतल देशी शराब (महुआ) अर्थात कुल 08 बोतल के साथ रंगेहाथ पकड़ी गयी. चारों का विधिवत करवाई करते हुए जब्ती सूची बनाते हुए गिरफ्तार किया गया तथा अग्रिम करवाई वास्ते उत्पाद विभाग धनबाद को सुपुर्द किया गया. पकड़ी गई महिलाओं में बड़की (काल्पनिक नाम), उम्र 25 वर्ष, गांधी रोड, 2) छोटकी (काल्पनिक नाम), मसौढ़ी, थाना- मसौढ़ी, जिला-पटना, रानी (काल्पनिक नाम) पता-कचहरी के पास बाढ़, थाना- बाढ़, जिला-पटना, और नेहा (काल्पनिक नाम) पता-छाईगद्दा, पुराना बाजार कुली कॉर्टर शामिल है. इससे पूर्व भी बड़की और नेहा कुमारी के खिलाफ विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए उत्पाद विभाग को सुपुर्द किया गया था.

जीएन कॉलेज भूदा में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

शुभम संदेश। धनबाद

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के पूर्ववर्ती छात्र संगठन द्वारा शनिवार को एक सराहनीय पहल करते हुए, एसजेएएस हॉस्पिटल धनबाद के साथ मिलकर कॉलेज के भूदा कैंपस में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मियों और स्थानीय निवासियों सहित कुल 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया. कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों की स्वास्थ्य जांच की और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिया. शिविर में ब्लड प्रेशर जांच, ब्लड शुगर टेस्ट, पल्स ऑक्सीमीटर, तथा आवश्यकतानुसार आई टेस्ट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई. एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से विनेश, अनु, सुशीला, और स्वीटी ने सेवा प्रदान की. इस कार्यक्रम का समन्वय सत्यम और राममूर्ति पाठक ने किया. कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रंजना दास ने जीएनसी एलुमिनियम संगठन के इस प्रयास की सराहना की और ऐसे सामाजिक सेवा कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रोफेसर इनचार्ज प्रो. दीपक कुमार, प्रो. अमरजीत सिंह, पूर्ववर्ती छात्र संगठन के सचिव प्रो. दलजीत सिंह, संयुक्त सचिव प्रो. पियूष अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रो. अमरेश चौधरी, सीए शशि भूषण दुबे, प्रो. संजय सिन्हा, डॉ. नीता ओझा, डॉ. साधना सिंह, डॉ. अरनव सरखिल, प्रो. प्रतिमा, प्रो. मनीषा, प्रो. विश्वनाथ किसकु, कैप्टन संजय सिंह, नुसरत परवीन, सहित बड़ी संख्या में शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं कॉलेज के छात्र उपस्थित थे.

धनबाद रेलवे ग्राउंड में क्रिकेट कैंप का शुभारंभ

डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने किया उद्घाटन

शुभम संदेश। धनबाद

डिविजनल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में शनिवार को धनबाद रेलवे ग्राउंड में क्रिकेट कैंप की शुरुआत की गई. इस अवसर पर पूर्व मध्य रेलवे के डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने कैंप का उद्घाटन किया. कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा जर्सी और आधिकारिक वेबसाइट का भी अनावरण किया गया. डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने कहा कि क्रिकेट कैंप का उद्देश्य जिले के उभरते खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और अवसर प्रदान करना है, ताकि वे खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें. उन्होंने बताया कि धनबाद रेलवे ग्राउंड को क्रिकेट के लिए और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में यह पहल की गई है. उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कैंप से निकलने वाले युवा खिलाड़ी भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर धनबाद का नाम रोशन करेंगे. डीआरएम ने कहा, हमारे बीच कई ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने रणजी और राज्य स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, यह कैंप उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नए खिलाड़ियों को लाभान्वित करेगा.

आसनसोल

बंगाल सरकार ने ई-रिक्शा पंजीकरण किया अनिवार्य

- मालिकों के लिए 30 नवंबर तक की समयसीमा तय

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में ई-रिक्शा, जिन्हें आमतौर पर 'टोटो' कहा जाता है, के संचालन को नियमित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है. परिवहन विभाग ने सभी ई-रिक्शाओं का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है. इसके लिए वाहन मालिकों को 30 नवंबर तक अनिवार्य रूप से प्रक्रिया पूरी करनी होगी. परिवहन विभाग की ओर से शनिवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि सभी ई-रिक्शाओं को 'डिजिटल अस्थायी टोटो एनरोलमेंट नंबर' (टीटीईएन) लेना होगा. यह प्रक्रिया 13 अक्टूबर से शुरू होगी. विभाग के अनुसार, एक नया ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से सभी पंजीकृत ई-रिक्शाओं को क्यूआर कोड से ट्रैक किया जाएगा. इससे अवैध टोटो संचालन पर रोक लगेगी और वाहनों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सकेगी. परिवहन सचिव सौमित्र मोहन ने कहा कि राज्य सरकार बिना पंजीकरण वाले और असुरक्षित ई-रिक्शाओं पर सख्त कार्रवाई कर रही है. उन्होंने बताया कि सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि स्थानीय गैराजों में तैयार किए गए गैर-पंजीकृत बैटरी चालित रिक्शाओं की पहचान कर उन्हें जब्त किया जाए. उन्होंने कहा कि कई ई-रिक्शा केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम 1989 के मानकों का पालन नहीं करते. ऐसे वाहनों को बनाने या जोड़ने वाले यूनिटों को नोटिस जारी कर सील किया जाएगा. केवल वही यूनिट संचालन कर सकेंगे जिनके पास निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप लाइसेंस होगा. परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि जो ई-रिक्शा निर्धारित प्रोटोटाइप के अनुरूप नहीं बनाए गए हैं, उन्हें राज्य या राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी. स्थानीय प्रशासन को अपने क्षेत्र में चलने वाले सभी ई-रिक्शाओं की सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें मालिकों के नाम और निर्धारित रूट का विवरण शामिल होगा. वहीं, जिन ई-रिक्शाओं को मान्यता नहीं मिली है, उनके मालिकों को दो वर्ष का समय दिया जाएगा ताकि वे अपने वाहन बदल सकें. विभाग ने यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर निर्मित या डीलर्स एसोसिएशन अथवा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की मंजूरी प्राप्त ई-रिक्शा भी तब तक नहीं चल सकेंगे, जब तक उन्हें मोटर वाहन प्राधिकरण की स्वीकृति और एचएसआरपी फिटमेंट नहीं मिल जाता. बिना पंजीकरण वाले ई-रिक्शा मालिकों को छह महीने के अस्थायी प्राधिकरण नंबर के लिए हजार रुपये का शुल्क देना होगा, जबकि आगे के नवीनीकरण के लिए 100 का शुल्क तय किया गया है. परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में राज्य में 10 लाख से अधिक ई-रिक्शा चल रहे हैं. उन्होंने कहा कि टोटो स्थानीय परिवहन का अहम हिस्सा हैं और लाखों लोगों की आजीविका का माध्यम भी हैं, लेकिन इनके कारण कई बार सड़कों पर जाम और सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं. इसी वजह से इनके संचालन को व्यवस्थित ढांचे में लाने की आवश्यकता महसूस हुई.

बिना टिकट यात्रा करते हुए 31 धराए

खड़गपुर (शुभम संदेश)। दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल के रूपसा–बारिपदा–बांगिरिपोसी रेलखंड में शनिवार को एक विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया. यह अभियान सहायक वाणिज्य प्रबंधक (एसीएम), खड़गपुर के निरीक्षण में संचालित हुआ. अभियान के दौरान टिकट जांच कर्मियों ने कुल 31 यात्रियों को बिना वैध टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा. इन यात्रियों से मौके पर ही लगभग 10 हजार 500 रुपए का जुर्माना वसूला गया. खड़गपुर मंडल प्रशासन ने बताया कि यात्रियों द्वारा बिना टिकट यात्रा को रोकने और राजस्व की हानि से बचाव के लिए ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जा रहे हैं. रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान मान्य टिकट लेकर ही यात्रा करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा या दंड से बचा जा सके.

सेल ग्रोथ वर्क्स कुल्टी में वेंडर्स मीट जीईएम पोर्टल की दी गई जानकारी

शुभम संदेश। कुल्टी

सेल ग्रोथ वर्क्स कुल्टी की ओर से एक विशेष वेंडर्स मीट का आयोजन किया गया, जिसमें 30 से अधिक वेंडरों ने भाग लिया. इस बैठक में सेल ग्रोथ वर्क्स कुल्टी प्रबंधन के कार्यकारी निदेशक (ईडी) अनिल कुमार ने वेंडरों को केंद्र सरकार के जीईएम पोर्टल के माध्यम से व्यापार करने का सुझाव दिया और इस पोर्टल की विस्तृत जानकारी दी. ईडी अनिल कुमार ने बताया कि जीईएम एक सरकारी ई-मार्केटप्लेस है, जिसका उद्देश्य सरकारी खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, कुशल और समावेशी बनाना है. उन्होंने कहा कि यह एक ऑनलाइन प्लेटफार्म है जहाँ केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभाग आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं. उन्होंने यह भी बताया कि जीईएम पोर्टल पर न केवल सरकारी विभाग पंजीकरण करा सकते हैं, बल्कि विक्रेता भी इसमें पंजीकृत होकर अपनी वस्तुएं ऑनलाइन बेच सकते हैं. वेंडर्स मीट में मौजूद कई विक्रेताओं ने जीईएम पोर्टल से संबंधित सवाल पूछे, जिनका उत्तर ईडी अनिल कुमार ने विस्तार से दिया. उन्होंने बताया कि आने वाले समय में ऑनलाइन खरीद व बिक्री की प्रक्रिया को और अधिक बढ़ावा दिया जाएगा. इसके लिए वेंडरों और सरकारी अधिकारियों को जागरूक करना आवश्यक है. इस कार्यक्रम में सेल ग्रोथ वर्क्स के ईडी अनिल कुमार, सीजीएम शांतनु घोष, एजीएम जिशान आदिल, तथा आईएसपी बर्नपुर के विजिलेंस सीजीएम जितेंद्र सपकाले सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे.

बंगाल सरकार ने जनिक बाउरी को कृषक रत्न से नवाजा

बीस बीघा जमीन पर सजाया 15 किस्मों के फल के पेड़ों का बगीचा

शुभम संदेश। पुरुलिया

पुरुलिया जिले के काशीपुर प्रखंड के अमसोला गांव के निवासी जनिक बाउरी ने 20 बीघा जमीन पर विशाल फल उद्यान विकसित कर एक मिसाल कायम की है. उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उन्हें राज्य सरकार की ओर से कृषक रत्न पुरस्कार से नवाजा गया है, जो उन्हें स्वयं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हाथों प्राप्त हुआ. जनिक बाउरी का यह सफर लगभग 15 साल पहले शुरू हुआ था. उन्होंने धीरे-धीरे अपने खेत को विकसित करते हुए उसे एक पूर्ण फल उद्यान में बदल दिया. आज उनके बगीचे में अनानास, मुसम्बी, नारियल, बेदाना, आम, अमरूद और नींबू सहित कुल 15 प्रकार के फल उगाए जा रहे हैं. वर्तमान में जनिक बाउरी को फलों की खेती से हर महीने लगभग एक लाख रुपये की आय होती है. वे राज्य सरकार के बागवानी विभाग की मदद से फलों का विपणन करते हैं. उनके बगीचे से फल कोलकाता, बीरभूम, बर्दवान जैसे जिलों में भेजे जाते हैं. उन्होंने बताया कि कोरोना लॉकडाउन के बाद विपणन में कुछ दिक्कतें आई हैं, जिससे आमदनी प्रभावित हुई है, लेकिन फिर भी वे निरंतर मेहनत कर रहे हैं. खुदरा बाजार पर निर्भरता बढ़ गई है, पर उनका उत्साह कम नहीं हुआ. जनिक बाउरी आज पुरुलिया ही नहीं, पूरे राज्य में एक प्रेरणास्रोत बन चुके हैं. उनका मानना है कि समर्पण, कड़ी मेहनत और योजना के साथ अगर कृषि की जाए तो यह भी एक सम्मानजनक और लाभकारी व्यवसाय बन सकता है.

जंगल में झूलता मिला दो दिनों से लापता युवती का शव

सालानपुर (शुभम संदेश)। सलानपुर थाना क्षेत्र के काकुरकुंडा गांव के पास जंगल से एक युवती का झूलता हुआ शव बरामद किया गया. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने बताया कि मृत युवती की पहचान उत्तोरामपुर जितपुर इलाके की निवासी अलका किस्कू के रूप में हुई है, वह दो दिन पहले घर से निकली थी और तभी से लापता थी. बाद में उसका झूलता शव बरामद किया गया. युवती के रिश्तेदार मनोज किस्कू ने शव की पहचान की और बताया कि मृतका उसकी बड़ी बहन थी, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

आपराधिक गतिविधियों पर रोक के लिए पुलिस ने बिछा रखा था जाल, मिली सफलता

हथियार सहित 4 डकैत गिरफ्तार

शुभम संदेश। कुल्टी

सलानपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रूपनारायणपुर फाड़ी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार डकैतों को हथियार समेत गिरफ्तार किया है. पिछले कुछ दिनों से रूपनारायणपुर और आसपास के क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं से लोग परेशान थे. इस पर रूपनारायणपुर फाड़ी के इंचार्ज अरुणाभ मुखर्जी ने जांच शुरू की और इलाके में निगरानी कड़ी कर दी. पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों में अतिरिक्त कॉन्स्टेबल, सिविक वॉलंटियर और नाइट गार्ड तैनात किए तथा जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए. इसी बीच, गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार रात करीब बारह बजे पुलिस ने मालबहाल मैदान में डकैतों के सदस्य दल ने चोरी की घटना को लेकर योजना बना रहे थे, जहां पुलिस ने कार्यवाही करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार किये गए नजीब खान (21), विशाल हाड़ी (22), राहुल हाड़ी (21) और राजू ठाकुर (40). ये सभी रूपनारायणपुर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं. अपराधियों के पास से एक देसी पिस्तौल, लोहे की रॉड और रस्सी बरामद की गई. पुलिस सूत्रों के अनुसार, इन सभी को पहले भी घर में चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है. शनिवार सुबह चारों को आसनसोल कोर्ट में पेश किया गया. पुलिस को शक है कि इनके साथ और लोग भी इस गिरोह में शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है.

रानीगंज गर्ल्स कॉलेज में शिक्षा के विकास पर बैठक

शुभम संदेश। रानीगंज

रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित सुप्रसिद्ध रानीगंज गर्ल्स कॉलेज में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक तापस बनर्जी ने की. कॉलेज की प्राचार्या छवि डे तथा सभी विभागों के प्रोफेसरों ने बैठक में भाग लिया. बैठक के दौरान यह चर्चा हुई कि कोयलांचल सहित आसपास के कई क्षेत्रों से छात्राएँ इस कॉलेज में शिक्षा ग्रहण करने आती हैं. ऐसे में शिक्षा की गुणवत्ता और संरचना को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है. विधायक तापस बनर्जी ने कहा कि शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता को ध्यान में रखते हुए कॉलेज प्रबंधन को विद्यार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान देना चाहिए. इस बैठक में मौलिक शिक्षा, मानवीय मूल्यों और उच्च शिक्षा को एक साथ जोड़ते हुए विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष जोर देने की बात कही गई. कॉलेज परिसर में आयोजित इस बैठक ने क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को और अधिक सुधारने की दिशा में एक सकारात्मक पहल का संकेत दिया.

ब्रीफ खबरें

महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों पर जागरूकता संदेश

झरिया। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के आह्वान पर मारवाड़ी युवा मंच - झरिया शाखा ने आ वुमेन सेफ्टी लॉ इन इंडिया विषय पर एक शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन मनीष कोचिंग सेंटर, झरिया में हुआ. कार्यक्रम की वक्ता एडवोकेट सह शिक्षिका राशी बहल रहीं, जिन्होंने अपने सारगर्भित वक्तव्य में महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनों, अधिकारों तथा सरकारी प्रावधानों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की. उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी होना आत्मरक्षा की दिशा में पहला कदम है। ज्ञान ही महिला सुरक्षा का सबसे प्रभावी हथियार है.कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा, कोषाध्यक्ष किरण शर्मा, संयुक्त सचिव सन्नी अग्रवाल, दिनेश शर्मा, हितेन शर्मा, विकाष खेमका, अमर अत्रि, विवेक पाल, गौतम ओझा एंव बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ व अन्य सदस्य उपस्थित रहे.

कोलियरी क्षेत्र के पानी का उपयोग फसल बचाने में किया जाए

ललमटिया। ललमटिया कोलियरी क्षेत्र से बहने वाले जल को नदी में गिराने की मांग को लेकर बोआरीजोर प्रखंड की प्रमुख जसिंता हेंब्रम ने अधिकारियों से मिलकर समाधान की मांग की. किसानों की समस्याओं को लेकर उन्होंने राजमहल कोल माइंस लिमिटेड (बिरला) के अधिकारियों से मिलकर यह आग्रह किया कि कोयला खदान क्षेत्र से निकलने वाला पानी भेरेंडा–हरखा नदी में गिराया जाए. हेंब्रम ने आरसीएमएल (बिरला) के क्षेत्रीय कार्यालय में पत्र देकर कहा कि इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई की जाए ताकि किसानों की फसल को पानी की कमी से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके. वर्तमान में पानी की कमी के कारण धान की फसल नष्ट हो रही है और मवेशियों के लिए भी पीने का पानी उपलब्ध नहीं है. कंपनी के अधिकारियों ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए प्रखंड प्रमुख को बताया कि दो दिनों के भीतर किसान हित को ध्यान में रखते हुए हर्रखा–भेरेंडा नदी में पानी की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी.

उपायुक्त गोड्डा के नाम पर फर्जी आईडी बनाकर ठगी

गोड्डा। उपायुक्त के नाम और प्रोफाइल फोटो का इस्तेमाल कर साइबर ठगी की घटनाओं के मद्देनजर जिला प्रशासन ने आमलोगों को सतर्क किया है. जिला जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अंजली यादव, उपायुक्त गोड्डा के नाम से फर्जी व्हाट्सएप आईडी (मोबाइल नंबर +84-386486929) बनाकर विभिन्न प्रकार के पोस्ट किए जा रहे हैं. इस संबंध में उपायुक्त गोड्डा ने सभी को सतर्क करते हुए सूचित किया कि यह मामला साइबर फ्रॉड से संबंधित है. ऐसे फेक व्हाट्सएप आईडी या फेक प्रोफाइल फोटो वाले अकाउंट से किसी भी प्रकार के पैसे मांगने या अन्य प्रलोभन देने वाले कॉल या मैसेज आने पर उन्हें रिसीव न करें. ऐसे फर्जी अकाउंट को तुरंत ब्लॉक करें और संदिग्ध मैसेज या लिंक को न खोलें. उपायुक्त ने यह भी बताया कि यदि आपकी निजी जानकारी का दुरुपयोग हुआ हो या कोई आर्थिक नुकसान हुआ हो, तो आप राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल या स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवा सकते हैं.

एलसी रोड को बदनाम करने की साजिश नाकाम

- पुलिस की तत्परता से टला विवाद

शुभम संदेश। साहिबगंज

दुर्गा पूजा के दौरान सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले हबीबपुर निवासी कासिफ उमर ने शुक्रवार को साहिबगंज सीजेएम कोर्ट में आत्मसमर्पण किया. अदालत ने आत्मसमर्पण के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया. मामला दुर्गा पूजा के दिन का है, जब इंस्टाग्राम पर "खान बहादुर रोड 108" नामक फेक आईडी बनाकर मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी और भड़काऊ पोस्ट की गई थी. इस पोस्ट के जरिए एलसी रोड क्षेत्र को टारगेट कर सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की साजिश की आशंका जताई गई थी. घटना के बाद नगर थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर थाना के पुअनि आफताब आलम के बयान पर आईटी एक्ट और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की सुसंगत धाराओं में कांड संख्या 158/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की. तकनीकी जांच में आरोपी की मोबाइल लोकेशन महाराष्ट्र के कोल्हापुर में पाई गई. इसके बाद पुलिस ने हबीबपुर स्थित आरोपी के घर पर लगातार दबिश दी. दबाव बढ़ने पर आरोपी ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया. पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी ताकि इस साजिश में शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके. स्थानीय लोगों के अनुसार, यह साजिश एलसी रोड क्षेत्र को बदनाम करने और धार्मिक तनाव फैलाने की थी. "खान बहादुर रोड" दरअसल एलसी रोड का पुराना नाम है, जिसका इस्तेमाल शातिराना तरीके से भ्रम फैलाने के लिए किया गया. एसपी अमित कुमार सिंह और नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और माहौल बिगड़ने से रोका. पुलिस की सतर्कता से मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. पुलिस ने कई स्थानीय युवकों से पूछताछ की, लेकिन जांच में मुख्य आरोपी के रूप में हबीबपुर निवासी कासिफ उमर का नाम सामने आया. पुलिस अब यह भी पता लगाने में लगी है कि आरोपी ने भड़काऊ पोस्ट क्यों किया और क्या इसके पीछे किसी अन्य समूह या व्यक्ति की साजिश थी. स्थानीय लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और एसपी अमित कुमार सिंह, नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता एवं पूरी पुलिस टीम की तत्परता और समझदारी की सराहना की.

सांप्रदायिक और फासीवादी ताकतों के खिलाफ संघर्ष का आह्वान

भाकपा माले का जिला सम्मेलन शुरू

शुभम संदेश। धनबाद

भाकपा (माले) का दो दिवसीय धनबाद जिला सम्मेलन आज एल.सी. रोड स्थित विवाह भवन में शुरू हुआ. सम्मेलन की शुरुआत शहीद वेदी पर माल्यार्पण और पूर्व विधायक एवं पोलित ब्यूरो सदस्य कॉमरेड आनंद महतो द्वारा झंडोत्तोलन के साथ हुई. इसके बाद विवाह भवन से रणधीर वर्मा चौक तक एक जुलूस निकाला गया और फिर सभी लोग सम्मेलन में शामिल हुए.

ओपन सत्र की अध्यक्षता कॉमरेड अगम राम ने की. उद्घाटन भाषण में कॉमरेड आनंद महतो ने झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेताओं जैसे एके राय, बिनोद बिहारी महतो और शिबू सोरेन का उल्लेख करते हुए कहा कि सांप्रदायिक और फासीवादी ताकतों के खिलाफ मजदूरों और किसानों को संगठित कर एक व्यापक संघर्ष की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकारें झारखंड के मूलवासियों और आदिवासियों के हितों के लिए कोई ठोस योजना या कार्यक्रम नहीं बना रही हैं, जिससे स्थानीय लोग उपेक्षित और वंचित महसूस कर रहे हैं. भाकपा (माले) के राज्य सचिव कॉमरेड मनोज भक्त ने कहा कि मोदी सरकार लोकतंत्र और संविधान पर लगातार हमले कर रही है. डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को बदलकर आरएसएस के दिशानिर्देशों पर नया संविधान बनाने की कोशिश हो रही है, जो लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है. इसके खिलाफ लाल झंडे के नेतृत्व में संघर्ष को तेज करने की जरूरत है.

निरसा विधायक कॉमरेड अरूप चटर्जी, सिंदरी विधायक कॉमरेड चंद्रदेव महतो और बगोदर के पूर्व विधायक कॉमरेड बिनोद सिंह ने कहा कि धनबाद संघर्षों की धरती है. यहां एके राय, बिनोद बिहारी महतो और शिबू सोरेन जैसे आंदोलनकारियों ने सरकार की गलत नीतियों और माफिया वर्चस्व के खिलाफ जीवन समर्पित किया. आज माफिया, सरकार के सहयोग से, स्थानीय लोगों और उनकी जमीन को डराकर-धमकाकर कॉरपोरेट घरानों के हवाले कर रहे हैं. इसके खिलाफ लाल झंडे को संघर्ष की पृष्ठभूमि तैयार करने की जरूरत है. सम्मेलन में पोलित ब्यूरो सदस्य कॉमरेड हलधर महतो, उपेंद्र सिंह, जिला सचिव कॉमरेड बिंदा पासवान, कार्तिक प्रसाद, निताई महतो, हरि प्रसाद पप्पू, सुभाष प्रसाद सिंह, गणेश चौरसिया, हिमांशु मंडल, सम्राट चौधरी, सुभाष चटर्जी, आनंद मायीपाल, टुटुन मुखर्जी, बादल बाउरी, विजय कुमार पासवान, राणा चटर्जी, संतु चटर्जी, शेख रहीम, नागेंद्र कुमार, कृष्णा सिंह, हरेंद्र सिंह, सबुर गोराई, गणेश महतो, बिजली देवी, पिंकी देवी, सुहानी देवी, सुरेश प्रसाद, राजीव मुखर्जी, सपन गोराई, गोपाल महतो, नकुल देव सिंह, विश्वजीत राय, बुटन सिंह आदि ने भी संबोधित किया.

बच्चों ने लिया बाल विवाह मुक्त गांव बनाने का संकल्प

कसमार (शुभम संदेश)। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर कसमार प्रखंड के मध्य विद्यालय, चौड़ा में शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग और सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज (सी3) के संयुक्त तत्वावधान में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम मैं जैसी हूं, वैसी ही बदलाव की वाहक हूं पर आधारित थी. कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति समाज में जागरुकता बढ़ाना था. कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर में रैली, स्लोगन लेखन, पोस्टर पेंटिंग, भाषण प्रतियोगिता और समूह चर्चा आयोजित की गई. छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज में बालिका सशक्तिकरण का संदेश दिया. आरोग्यदूत शिक्षकों ने विद्यालय स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम के तहत बालिकाओं के अधिकार, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा पर विशेष सत्र लिया. इस अवसर पर छात्राओं को जागरूक और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी गई. विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनीष कुमार ने कहा कि बालिकाओं के सशक्तिकरण में समाज के सभी वर्गों की समान भागीदारी आवश्यक है. उन्होंने विद्यालय को बाल विवाह मुक्त, छेड़खानी मुक्त और शून्य बालिका ड्रॉपआउट विद्यालय बनाने का संकल्प भी लिया.

न्यूज अपडेट

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती मनी

धनबाद (शुभम संदेश)। भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर शनिवार को धनबाद के बैंक मोड़ स्थित स्मृति स्थल पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस अवसर पर उदय प्रताप सिंह ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश का जीवन सत्य, संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन के प्रति समर्पित रहा. उनकी विचारधारा आज भी हमें राष्ट्रसेवा और जनहित के मार्ग पर प्रेरित करती है. यूथ फोर्स धनबाद के संस्थापक एवं सह-अध्यक्ष अभिषेक विश्वकर्मा ने सभी युवाओं से आग्रह किया कि वे जयप्रकाश नारायण के सिद्धांतों और आदर्शों को आत्मसात करें, जिससे भारत विश्व गुरु की ओर तीव्र गति से बढ़ेगा. श्रद्धांजलि समारोह में यूथ फोर्स धनबाद के अध्यक्ष अभिषेक विश्वकर्मा, अंकित श्रीवास्तव, रौनक विश्वकर्मा, अजय पांडे, अनीश विश्वकर्मा और मुकेश महतो भी उपस्थित थे.

चन्द्रवंशी क्षत्रिय महासभा की बाघमारा प्रखंड समिति का गठन

बाघमारा (शुभम संदेश)। अखिल भारतीय चन्द्रवंशी क्षत्रिय महासभा की धनबाद जिला समिति के तत्वावधान में डूमरा सामुदायिक भवन में बिनोद रवानी के नेतृत्व में बाघमारा प्रखंड समिति के गठन हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में सर्वसम्मति से नन्दलाल रवानी को अध्यक्ष, संजय रवानी को महामंत्री, रमेश रवानी को उपाध्यक्ष और मटुकधारी रवानी को संयुक्त महामंत्री चुना गया. महिला समिति के लिए रंजनी रवानी को संयोजक और पूजा रवानी को सह-संयोजक नियुक्त किया गया. युवा अध्यक्ष पद के लिए गोपाल रवानी के नाम पर मुहर लगी. बैठक की अध्यक्षता बिनोद रवानी ने की तथा संचालन पूर्व जिला महामंत्री गुड्डू रवानी ने किया. उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट कर सामाजिक उत्थान के कार्यों में भागीदारी आवश्यक है. इस मौके पर संतोष रवानी, धीरेंद्र कुमार रवानी, आजम रवानी, सुभाष रवानी, दीपक रवानी, अजय रवानी, प्रमेश्वर रवानी, कैलाश रवानी, शिल्पी देवी, हुबलाल रवानी, गणेश रवानी सहित सैकड़ों सदस्य उपस्थित थे.

क्रिसेंट इंटरनेशनल स्कूल में खेल गौरव सम्मान समारोह

गोविंदपुर (शुभम संदेश)। क्रिसेंट इंटरनेशनल स्कूल, बरियो में शनिवार को क्रीड़ा भारती के बैनर तले खेल गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुरेश महतो ने की, जबकि स्वागत भाषण विद्यालय के निदेशक ईसा शमीम और प्रधानाचार्या विजेता दास ने दिया. संचालन जिला मंत्री मुकुल पांडेय ने किया. समारोह को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय मंत्री संजय तिवारी, प्रांत अध्यक्ष फूल सिंह, संरक्षक नंदलाल अग्रवाल, मातृशक्ति की क्षेत्रीय प्रमुख शकुंतला मिश्रा और सीएमआरआई के सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रणविजय कुमार सिंह ने खेल संस्कृति और राष्ट्रप्रेम के संवर्धन पर बल दिया. कार्यक्रम में 14 खिलाड़ियों, 14 प्रशिक्षकों, 7 विद्यार्थियों और 6 खिलाड़ियों की माताओं को गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर प्रांत संपर्क प्रमुख कौशल कुमार, सह मंत्री अरुण पाठक, पूर्व जिला मंत्री श्यामल तिवारी, उपाध्यक्ष हेमंत कुमार, प्रेम गोस्वामी, अजीत उपाध्याय, सोनाराम महतो, मनभूल सहित शिक्षक, छात्र एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे.

कसमार में बालिकाओं को सम्मान

कसमार (शुभम संदेश)। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर सहयोगिनी संस्था ने कसमार प्रखंड सभागार में बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, सुरक्षा और समानता पर केंद्रित एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम में बालिकाओं को सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया गया. मुख्य अतिथि प्रमुख नियोती दे और विशिष्ट अतिथि अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह, मुखिया हारू रजवार, पंसस वर्षा देवी, महिला सुपरवाइजर सुषमा गुप्ता एवं नूतन कुमारी उपस्थित थे. इसके अलावा, पंचायत प्रतिनिधि, किशोरी समूह की दीदियाँ और बड़ी संख्या में बालिकाएँ भी शामिल हुईं. अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस दौरान प्रमुख नियोती दे ने कहा कि आज की बालिका कल की नींव है. हमें उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार देना होगा. हर बेटी में अनंत संभावनाएँ हैं, बस आवश्यकता है कि उन्हें अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए. सहयोगिनी संस्था इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है. अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बालिकाओं को सशक्त बनाने को समाज की सबसे बड़ी पूँजी बताया और कहा कि हर माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी बेटियाँ आत्मनिर्भर बनें और अपने सपनों को साकार करें. मौके पर महिला सुपरवाइजर सुषमा गुप्ता, नूतन कुमारी और सहयोगिनी संस्था के कोऑर्डिनेटर प्रकाश कुमार महतो ने भी कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं. कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ विषय पर नाट्य प्रस्तुति, गीत और पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से जागरुकता फैलाने का प्रयास किया. अंत में, बालिकाओं को सम्मानित किया गया और उन्हें शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई. कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन संस्था की कोषाध्यक्ष सूर्यमणि देवी ने किया. इस अवसर पर सहयोगिनी संस्था की कोऑर्डिनेटर कुमारी किरण, प्रकाश कुमार महतो, अनिल हेंब्रम, सूर्यमणि देवी, मंजू कुमारी, बिनीता देवी, संगीता देवी, रेखा देवी, पुष्पा देवी, सोनी कुमारी सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे.

सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह के छात्र-छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

शुभम संदेश। मधुबन

सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह में 36 वां क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सफल खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया. ज्ञात हो कि यह प्रतियोगिता सरस्वती बालिका विद्या मंदिर पूर्णिया में आयोजित की गई थी.इस प्रतियोगिता में विद्यालय को 3 स्वर्ण,4 रजत एवं 2 कांस्य पदक प्राप्त किया.आशीष कुमार ने 2 स्वर्ण एवं 1 रजत पदक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया. कार्तिक ने 1 स्वर्ण पदक प्राप्त किया.सिमरन, पीहू ने 1-1 रजत एवं अंशिका ने 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक प्राप्त किया. छात्रा आशा ने भी कांस्य पदक प्राप्त किया. इन सभी छात्र-छात्राओं को मंच से सम्मानित किया गया. स्वर्ण पदक प्राप्त छात्र अखिल भारतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने बेंगलुरु जाएंगे.शारीरिक आचार्य प्रवीण कुमार दास एवं संरक्षक शिक्षिका विनिता ने सभी छात्र छात्राओं को शुभकामना दी.ए। प्रधानाचार्य राकेश सिन्हा ने संबोधन के क्रम में कहा कि क्रीड़ा जगत में भी काफी संभावनाएं हैं. परिश्रम और लगन से उपलब्धि अवश्य मिलेगी.

थानेदारों को कांड निष्पादन का कड़ा निर्देश : एसपी

शुभम संदेश। गोड्डा

आगामी दीपावली एवं छठ महापर्व को लेकर पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थानेदारों को सख्त हिदायत दी है. यह हिदायत अपराध नियंत्रण और विभिन्न कांडों के निष्पादन को लेकर थी. शनिवार को पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने अधीनस्थ सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी त्योहारों को देखते हुए विधि-व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर सर्वाधिक शिकायतें मोटरसाइकिल चोरी और पॉकेटमारी की होती हैं. इसके लिए प्रत्येक थानेदार को अपने-अपने थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी गिरोह पर विशेष निगरानी रखते हुए उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. वाहन दुर्घटना, वाहन चोरी और अन्य अपराधों को रोकने के लिए सभी थाना प्रभारी को समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर वाहन चेकिंग करने का भी निर्देश दिया गया. लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन हेतु एसपी ने कहा कि सभी थानों को अधिकतम कांड निष्पादन का लक्ष्य प्राप्त करना होगा और उसी अनुरूप कार्य करना होगा. साथ ही लंबित वारंट एवं कुर्की का निष्पादन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया. एसपी ने अवैध रूप से शराब, कोरेक्स, गांजा जैसे मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी करने वाले ठिकानों पर छापेमारी करने, संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया. इसके अलावा फरार अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने का निर्देश सभी एसडीपीओ, पुलिस निरीक्षक एवं थाना प्रभारी को दिया गया. इस अवसर पर जिले के सभी थानेदार, पुलिस निरीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे.

उपायुक्त ने किया कृषि महाविद्यालय का निरीक्षण

- कृषि क्षेत्र में नवाचार से ही किसानों की आय दोगुनी की जा सकती है : डीसी

शुभम संदेश। गोड्डा

जिला मुख्यालय स्थित तिलकामांझी कृषि महाविद्यालय का शनिवार को उपायुक्त अंजली यादव द्वारा निरीक्षण किया गया. उन्होंने महाविद्यालय में चल रहे विभिन्न शैक्षणिक एवं अनुसंधान कार्यों की जानकारी प्राप्त की और शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित किया. कॉलेज पहुंचने पर डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने उपायुक्त को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया. उपायुक्त ने पूरे परिसर का भ्रमण करते हुए विभिन्न प्रायोगिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, स्मार्ट क्लासरूम, ऑडिटोरियम और वर्कशॉप का अवलोकन किया. उन्होंने कृषि अभियंत्रण प्रयोगशाला में उपलब्ध कृषि यंत्रों के उपयोग और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली. कॉलेज फार्म का निरीक्षण करते हुए उन्होंने विभिन्न फसलों के अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया. फार्म पर धान की 24 प्रजातियों का ट्रायल, मूंगफली की विभिन्न समयावधियों में बुआई तथा औषधीय महत्व के पौधों से युक्त मेडिसिनल गार्डन का अवलोकन किया गया. डॉ. जेनी प्रिया एक्का ने सभी ट्रायल्स और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी. उद्यान विज्ञान विभाग द्वारा उगाई जा रही सब्जियों लौकी, फूलगोभी, मिर्च, धनिया और आम की दस प्रजातियों जैसे आम्रपाली, दशहरी, चौसा, लंगड़ा, मियाजाकी का भी निरीक्षण किया गया. इस दौरान डॉ. करुणा शंकर ने उद्यान विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी. मौके पर उपायुक्त ने अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर उन्हें नए स्टार्टअप और अनुसंधान कार्यों के लिए प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार से ही किसानों की आय दोगुनी की जा सकती है. इसके लिए कृषि महाविद्यालय, एफपीओ और जिला प्रशासन को समन्वित रूप से कार्य करना होगा. उपायुक्त ने जीआई टैग के लिए सुंदरपहाड़ी प्रखंड क्षेत्र में उगाई जाने वाली बरबट्टी, भगैया सिल्क उद्योग, मशरूम की खेती और अन्य फसलों की पारंपरिक किस्मों की पहचान कर उन्हें जीआई टैग दिलवाने के लिए मिलकर काम करने पर जोर दिया, ताकि झारखंड के संसाधनों का रजिस्ट्रेशन अन्य प्रदेशों द्वारा न कराया जा सके. कार्यक्रम के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी अभिजीत शर्मा, इंजीनियर कुणाल प्रसाद, डॉ. एम. रंजना देवी, डॉ. शेखर खड़े, डॉ. अजीता सोरेन, डॉ. निर्मला कुमारी, डॉ. अभिजीत सतपथी, डॉ. करुणा शंकर, डॉ. जेनी प्रिया एक्का, डॉ. अंकित तिवारी, डॉ. सतीश पांडे, डॉ. नीरजा उषा कुजूर, उपाली किस्कू सहित अन्य शिक्षक एवं कॉलेज के कर्मी उपस्थित थे.

बोकारो में युवा कल्याण और पर्यटन विकास समिति की बैठक संपन्न

जिले में प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों की भरपूर संभावनाएं : सबिता महतो

- जिले में कुल 20 पर्यटन स्थल चिन्हित

शुभम संदेश। बोकारो

परिषदन सभागार में शनिवार को युवा कल्याण, संस्कृति एवं पर्यटन विकास समिति की बैठक संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता समिति की सभापति सबिता महतो ने की. समिति की सदस्य रागिनी सिंह सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित थे. बैठक में युवा कल्याण, संस्कृति एवं पर्यटन विकास से संबंधित योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई. समिति ने सभी विभागों को अपनी योजनाओं का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और विभागवार प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की. बैठक में आरईओ, भवन प्रमंडल, राजस्व, उद्योग, कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, वन प्रमंडल, पेयजल एवं स्वच्छता, विद्युत प्रमंडल, कृषि सहकारिता एवं पशुपालन, खनन, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन, शिक्षा आदि विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई. समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्यटन स्थलों पर बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था, राजस्व वसूली में सुधार और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ठोस कदम उठाए जाएं. इस अवसर पर जिला पर्यटन पदाधिकारी हेमलता बून ने बताया कि जिले में कुल 20 पर्यटन स्थल चिन्हित हैं. इनमें लुगुबुरू ए श्रेणी का पर्यटक स्थल, तेनुघाट डैम बी श्रेणी का पर्यटक स्थल, दलाही कुंड, भैरवस्थान, कोनार डैम, चेचका धाम एवं गवई बेराज सी श्रेणी के पर्यटन स्थल हैं. वहीं, मृग खोह, शेवाती घाटी, सतनपुर पहाड़ी, सीता फॉल, बनासो मंदिर, बुढ़ा बाबा धाम मेला फुलबहड़ा, सिकन्दा पहाड़, भवनी के समीप प्राकृतिक गुफा, गरगा डैम, दुर्गा पहाड़ एवं राम लखन टुंगरी डी श्रेणी के पर्यटन स्थल हैं. वर्तमान में चेचका धाम पर्यटन स्थल का जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर है.

मंथन

आउटसोर्स कर्मियों से किया गया वादा अधूरा क्यों रहा?

झारखंड सरकार ने मई 2025 में आउटसोर्स कर्मियों के मानदेय में वृद्धि और सेवा शर्तों के सुधार का जो आश्वासन दिया था, वह अब तक कागजों में ही सिमटा हुआ है. कैबिनेट से स्वीकृति मिलने और कमेटी गठन के बावजूद पांच माह गुजर जाने के बाद भी एक भी बैठक न होना सरकार की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न लगाता है. ये वही कर्मी हैं जो राज्य के विभिन्न कार्यालयों में तकनीकी और गैर-तकनीकी सेवाएं देकर सरकारी तंत्र को गतिशील बनाए रखते हैं, लेकिन उनके श्रम का उचित मूल्य आज भी नहीं मिल रहा. वित्त विभाग के विशेष सचिव अमित कुमार की अध्यक्षता वाली कमेटी का काम आउटसोर्स कर्मियों के मानदेय में बढ़ोतरी और नई सेवा शर्तों का निर्धारण करना था. परंतु जैप-आईटी के सीईओ पद के रिक्त होने का हवाला देकर बैठक टाल दी गई. यह तर्क जिम्मेदारी से बचने जैसा प्रतीत होता है, क्योंकि हजारों कर्मियों का भविष्य इस निर्णय पर निर्भर है. सरकार को यह समझना चाहिए कि इन कर्मियों के वेतन वर्षों से स्थिर हैं, जबकि महंगाई और जीवनयापन की लागत लगातार बढ़ रही है. राज्य में करीब 20 हजार आउटसोर्स कर्मी कार्यरत हैं-कंप्यूटर ऑपरेटर, प्रोग्रामर, ड्राइवर, सफाई कर्मी जैसे कर्मचारी-जो सरकारी कामकाज का अभिन्न हिस्सा हैं. ऐसे में उनके साथ भेदभावपूर्ण स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि शासन की विश्वसनीयता पर भी असर डालती है. सरकार को अब विलंब नहीं करना चाहिए. कमेटी की बैठक तत्काल बुलाई जाए और मानदेय वृद्धि को लागू किया जाए. जो कर्मी सिस्टम को चलाते हैं, उन्हें सम्मानजनक पारिश्रमिक मिलना ही चाहिए-यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है.

नजरिया

मुख्यमंत्री की तत्परता से बचा कर लाई गईं झारखंड की बेटियां

पूर्वी सिंहभूम की दो बेटियों की सुरक्षित वापसी यह साबित करती है कि यदि प्रशासनिक तंत्र संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करे, तो किसी भी संकट का समाधान संभव है. तमिलनाडु की एक कंपनी द्वारा बंधक बनाए जाने की घटना ने जहां श्रमिक पलायन की भयावह हकीकत को उजागर किया, वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के तत्पर हस्तक्षेप और पुलिस की सक्रियता ने उम्मीद की किरण जगाई है. पोटका के झामुमो विधायक संजीव सरदार द्वारा इस मुद्दे को उठाने और मुख्यमंत्री को ट्वीट से अवगत कराने के बाद शासन-प्रशासन का तंत्र तेजी से हरकत में आया. मुख्यमंत्री ने पुलिस और प्रवासी प्रकोष्ठ को निर्देश देते हुए न केवल बच्चियों की वापसी सुनिश्चित की, बल्कि उनके पुनर्वास की व्यवस्था का भी आदेश दिया. यह उदाहरण है कि राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मिलकर कैसे किसी असहाय परिवार के जीवन में राहत ला सकती है. यह घटना यह भी याद दिलाती है कि राज्य से बाहर काम के लिए जाने वाले श्रमिकों, विशेषकर महिलाओं और किशोरियों, की सुरक्षा के लिए एक सुदृढ़ निगरानी तंत्र की आवश्यकता है. यदि जिला स्तर पर ऐसे मामलों की नियमित निगरानी हो और माइग्रेशन के पहले पंजीकरण की व्यवस्था प्रभावी बने, तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है. इस घटना में सरकार और पुलिस की तत्परता सराहनीय है, लेकिन यह भी जरूरी है कि इसे स्थायी व्यवस्था में बदला जाए, ताकि कोई भी बेटी या श्रमिक भविष्य में बंधन या शोषण का शिकार न बने. यही सच्ची संवेदनशील शासन व्यवस्था की पहचान है.

पाकिस्तान से दोस्ती की अपेक्षा रखने का मतलब नहीं

निशिकांत ठाकुर

हमेशा मुंह की खाने के बाद भी पाकिस्तान हरकतों से बाज नहीं आ रहा है.

अहम सवाल यह है कि पाकिस्तान आखिर चाहता क्या है? बंटवारे के बाद के इतिहास को अगर देखा जाए तो भारत ने कभी भी उस पर आक्रमण नहीं किया और न ही उसे युद्ध के लिए ललकारा, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज न आते हुए हम पर हमला करता रहा और हारता भी रहा. साथ ही भारत उसे बार-बार माफ़ी भी देता रहा. हजारों सबूतों के बाद भी वह अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को नीचा दिखाने का काम करता रहा है. उदाहरण के पहलगाम घूमने आए 26 पर्यटकों को नाम पता पूछकर मार दिया, फिर अपनी गतिविधियों के लिए माफी मांगने के बजाय भारत को ही युद्ध के लिए ललकारता रहा. अति हो जाने के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर किया, तो वह माफी मांगने लगा, गिड़गिड़ाने लगा. जिसे सबूतों सहित हमने विश्व के समक्ष रखा तो फिर वह पाला बदल गया. चूंकि भारत ने गांधी की नीति, यानी सदैव शांति के रास्ते पर चलने का प्रयास किया है, लेकिन लोगों की मनोवृत्ति हमेशा यही रही है कि सीधे पेड़ों को काटने का प्रयास होता रहता है.

अपने कार्यकाल के दौरान कई बार कश्मीर से राजस्थान तक की सीमा को पास से देखने का मौका मिला, फिर अपनी भारतीय सीमा सुरक्षा व्यवस्था पर गर्व महसूस हुआ. इतनी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद घुसपैठिए कैसे घुस आते हैं? इस पर सीमा के अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी घुसपैठिए एक ही रंग रूप, भाषा, लंबाई चौड़ाई में होने के कारण वह किसी न किसी बहाने से घुस आते हैं. यहां तक कि वह लंबी दूरी से सुरंग खोदकर सीमा में घुस आते हैं और यहां के स्लीपर सेल की कारगुज़ारी से अपने उद्देश्य पूरा करने में सफल हो जाते है. यही प्रश्न जब पाक सीमा सुरक्षा बल से पूछा गया कि इतनी अच्छी सुरक्षा व्यवस्था और कटीले तारों की फैंसिंग के बावजूद कैसे कोई किसी दूसरे देश में जा सकता है? उसन उत्तर सुनकर आश्चर्यचकित आज भी महसूस कर रहा हूं. उनका कहना था कि यह फैंसिंग भारत ने अपनी सुरक्षा के लिए लगाया है, तो इसकी रक्षा का दायित्व तो आपका ही बनता है. आप अपने देश की सुरक्षा करें, हम आपकी फैंसिंग या सुरक्षा का जिम्मा क्यों लें. कोई भी भारतीय यह उत्तर सुनकर उत्तेजित ही हो सकता है और उस देश में विचारों को भारत के प्रति किस प्रकार गंदगी से भर दिया है, इसका अनुमान ही लगाया जा सकता है. अभी पिछले सप्ताह की बात है जब चार ग्रेनेड के साथ पकड़े गए सेना के बर्खास्त कमांडो धर्मेंद्र सिंह और उसके साथी रविंदर सिंह से पूछताछ के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि धर्मेंद्र सिंह सेना में पांच वर्ष कमांडो रहा है. वह आतंकियों से संपर्क में आकर देशविरोधी गतिविधियों को अंजाम देने लगा था.

वर्ष 2018 में पंजाब के बटाला पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. उसके बाद उसे सेना से बर्खास्त कर दिया गया. हाईकोर्ट ने उसे 2022 में जमानत पर छोड़ा, लेकिन उसके बाद फिर वह भूमिगत हो गया. आरोपित धर्मेंद्र सिंह से पुलिस पूछताछ में जो जानकारी हासिल हुई है, उसके अनुसार इन तीन वर्षों में आईएसआई के संपर्क में रह कर नशे और हथियारों की कई खेप को ठिकाने लगा चुका है. साथ ही कमांडो ट्रेनिंग लेने के कारण वेश बदलने में माहिर है. धर्मेंद्र सिंह व उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया गया है. आरोपित मेहर सिंह, रविंदर सिंह और महकीत सिंह के रूप में पहचान की गई है. इन तथाकथित आतंकियों की गिरफ्तारी तो एक बानगी है, लेकिन इसके पीछे की सोच को देखें तो साफ नजर आता है कि पाक इस तरह हमारे नौजवानों को किस तरह बहला फुसलाकर अपने स्लीपर सेल में भारत को आघात पहुंचाता है.

ऐसा नहीं है कि धर्मेंद्र सिंह की गिरफ्तारी के बाद इस तरह के आतंकी चुप और शांत होकर बैठ जाएंगे अथवा उनका आखिरी लक्ष्य धर्मेंद्र सिंह और उनके साथी ही रहे हैं. यदि पंजाब, जम्मू कश्मीर पुलिस गहन छानबीन करे और अपनी खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रखे, तो यह हो ही नहीं सकता कि पंजाब और कश्मीर में आतंकी उदाहरण पंजाब के धर्मेंद्र सिंह के रूप में दिया जा सकता है, जिसने देशसेवा का संकल्प लिया, पर बहकावे में आकर खुद को आतंकी बना लिया. वैसे आतंकियों और नक्सलवाद में लिप्त किसी को छोड़ा नहीं जाएगा. देखिए, गृह मंत्री का संकल्प कब तक पूरा होता है.

अपनी नापाक गतिविधियों को अंजाम दे सकें. दुर्भाग्य यह है कि अपने देश के कुछ चिढ़े हुए लोग उनके बहकावे में आ जाते हैं.कश्मीर के पर्यटन स्थल पर वहां के लोगों से इस बारे में जब पूछा, तो उनका उत्तर सुनकर सोचने पर मजबूर हो गया कि क्या उनका कहना सही है? उनका कहना था कि पाक जैसे कंगला देश की ऐसी आर्थिक स्थिति नहीं कि वह पैसा खर्च करके आतंकियों को हिंदुस्तान भेजे.

उनका कहना था कि सच तो यह है कि भारतीय राजनीतिज्ञ ही राजनीति की चमक बनाए रखने के लिए खुद ही आतंकी गतिविधियों को अंजाम दिलाते हैं, ताकि उनकी राजनीति चलती रहे. इन आरोपों का सच जानने के लिए हमें अपने राजनीतिज्ञों पर भरोसा तो करना ही होगा, क्योंकि उनपर जो आरोप लगाया जा रहा उसका निराकरण उन्हीं के द्वारा नियुक्त एजेंसियों द्वारा कराया जाएगा. वैसे हिन्दुस्तान जैसे देश में कुछ भी असंभव नहीं, क्योंकि हमारे देश का नियम यही रहा है कि सदैव एक के पीछे एक लगाया जाता है जिससे दूसरों की विश्वसनीयता कायम रहे. कुछ देशभक्त ऐसे भी होते हैं जो किसी भी प्रलोभन में नहीं फंसते और देशहित में अपने आपको शहीद कर देते हैं. कुछ तो ऐसे भी देशभक्त हैं जिनके समक्ष यदि कोई किसी तरह के प्रलोभन की चर्चा करे, तो वह सटीक जवाब देकर प्रलोभन देने वालों को उसकी औकात बता देते हैं, लेकिन अपने ही देश के रोजगार के लिए भ्रमित युवा खुद को प्रलोभन से रोक नहीं पाते और उनके साथ जुड़कर देश का नुकसान करने का बीड़ा उठा लेते हैं.

अभी उदाहरण आतंकी गतिविधियों में लिप्त पंजाब के धर्मेंद्र सिंह के रूप में दिया जा सकता है, जिसने हिंदुस्तान की सेवा का संकल्प लिया, लेकिन फिर बहकावे में आकर अपने को आतंकी बना लिया और हिंदुस्तान का अहित करने लगा. वैसे आतंकियों और नक्सलवाद में संलिप्त किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा. अब देखना यह है कि गृहमंत्री का यह संकल्प कब पूरा होता है और देश आतंकवाद और नक्सलवादियों से कब मुक्त होता है. **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं)**

आज का इतिहास

1492 : इटली के खोजकर्ता कोलंबस की यात्रा पर निकले.बहामा में वाटलिंग द्वीप देखा.

1967 : राजनीतिज्ञ और सामाजिक सरोकारों से जुड़े नेता राम मनोहर लोहिया का निधन.

1999: परवेज मुशर्रफ ने रक्तविहीन क्रांति कर नवाज शरीफ की सरकार का तख्ता पलटा.

2000 : यमन के बंदरगाह अदन में ईंधन भरने की तैयारी कर रहे अमेरिकी पोत पर अलकायदा आतंकियों ने हमला किया.

2001 : संयुक्त राष्ट्र और इसके महासचिव कोफी अन्नान को सदी का पहला नोबेल शांति सम्मान प्रदान किया गया.

2011 : भारत ने मानसून के मिजाज के अध्ययन के लिए एक उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया.

2018 : ओडिशा में 'तितली' चक्रवात के कारण भारी बारिश और बाढ़ से 60 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित.

भ्रांति हो तो पहले सच्चाई जान लेना जरूरी होता है

चिंतन

एक व्यापारी व्यापार करने विदेश गया.वहां उसका कारोबार अच्छा चलने लगा.वह धन कमाने में इतना व्यस्त हो गया कि उसे समय का भान ही न रहा. आखिर एक दिन घर लौटने का फैसला किया और धन लेकर घर के लिए चल पड़ा. जब घर पहुंचा तो रात हो चुकी थी.

घर का मुख्य द्वार बंद था लेकिन एक शयनकक्ष की खिड़की से रोशनी बाहर आ रही थी. उसने खिड़की से झांककर देखा. उसने जो देखा सहसा उसे विश्वास ही नहीं हुआ. उसने देखा कि शयनकक्ष में उसकी पत्नी के पास एक युवक भी लेटा हुआ है. ऐसी स्थिति में पत्नी के चरित्र पर संदेह होना अस्वाभाविक नहीं था. व्यापारी ने विचार किया कि ऐसे घर में रहने का क्या औचित्य,जहां ऐसी स्त्री हो. उसने निर्णय लिया कि पत्नी और युवक को मारकर वापस निकल जाऊंगा. तभी उसकी नज़र शयनकक्ष की दीवार पड़ी जहां एक श्लोक लिखा था। उसने पढ़ा-

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।
वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्ध स्वयमेव सम्पदः।।

अर्थात् किसी कार्य को बिना विचारे नहीं करना चाहिए क्योंकि सोच-विचार न करना विपत्तियों का कारण है. जितनी भी प्रकार की संपत्तियां हैं सोच-समझकर कार्य करने वाले लोगों के गुणों से आकर्षित होकर स्वयं ही उसके पास आ जाती हैं, उसे समृद्ध कर देती हैं. यह पढ़ने के बाद व्यापारी ने निर्णय बदल दिया और घर का दरवाज़ा खटखटाया. पत्नी ने दरवाज़ा खोलने से पहले पूछताछ की और जब आश्वस्त हो गई कि वह उसका पति ही है, तो उसने शीघ्रता से दरवाज़ा खोल दिया. पति को देख कर पत्नी की प्रसन्नता की सीमा न रही. उसने फौरन युवक को भी जगाया और पति से कहा कि ये आपका पुत्र है जो अब पूरे बीस वर्ष का हो गया है.18 वर्ष पहले जब आप विदेश गए थे तो ये दो साल का था. भावातिरेक में पिता की आंखों से आंसू बहने लगे. अब व्यापारी का संदेह ख़त्म हो चुका था. एक श्लोक के संदेश ने न केवल उसे पुत्रहंता होने के पाप से बचा लिया अपितु गृहस्थी भी उजड़ने से बच गई.

दोस्तों, जीवन में भ्रांतियां होना स्वाभाविक है,जब कोई भ्रांति हो जाती है, तो हम घबरा जाते हैं. हमें कभी भी बिना पर्याप्त विमर्श किए कोई कार्य नहीं करना चाहिए. जल्दी का काम शैतान का होता है. जैसे रोग के निदान के लिए सही इलाज जरूरी है, वैसे ही कोई भ्रांति उसे दूर करने के लिए भी पर्याप्त विचार-विमर्श करना अत्यंत आवश्यक है.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #PMDhanDhaanya
2. #Aspire2025
3. जयप्रकाश नारायण
4. #BuzzalertsRishikaKhanna
5. नानाजी देशमुख
6. #நம்மஊர்_நம்மஅரசு
7. #InternationalDayOfGirlChild
8. धान्य कृषि योजना
9. Taliban
10. Dhyan Ki Mahima

बहुरंग

'स्टॉर्म' का ऐलान, ऋतिक रोशन की एचआरएक्स फिल्म्स और प्राइम वीडियो ने मिलाया हाथ

प्राइम वीडियो की बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल ड्रामा सीरीज़ 'स्टॉर्म' की घोषणा कर दी गई है. इस प्रोजेक्ट के साथ सुपरस्टार ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी एचआरएक्स फिल्म्स का एक रोमांचक नया सहयोग शुरू हुआ है. सीरीज़ का निर्देशन अजीतपाल सिंह कर रहे हैं, जबकि इसकी कहानी अजीतपाल सिंह, फ्रांस्वा लुनेल और स्वाति दास ने मिलकर लिखी है. 'स्टॉर्म' को ऋतिक रोशन और ईशान रोशन प्रोड्यूस कर रहे हैं, और खास बात यह है कि यह ऋतिक के करियर की पहली ओटीटी सीरीज़ होगी. इस थ्रिलर ड्रामा में शानदार कलाकारों की टोली नजर आएगी, जिसमें पार्वती थिरुवोथु, आलया एफ, सृष्टि श्रीवास्तव, रमा शर्मा और सबा आज़ाद मुख्य भूमिकाओं में हैं. मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीरीज़ का प्रोडक्शन जल्द ही शुरू होने वाला है, जो रहस्य और भावनाओं से भरी एक गहन कहानी पेश करेगी.

प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट गौरव गांधी ने कहा, प्राइम वीडियो का उद्देश्य हमेशा ऐसे कलाकारों और क्रिएटिव लोगों को मंच देना है जो कुछ नया और असरदार करना चाहते हैं. हम ऐसी कहानियां लाना चाहते हैं जो न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के दर्शकों को जोड़ें. ऋतिक रोशन भारतीय सिनेमा के सबसे टैलेंटेड और दूरदर्शी सितारों में से एक हैं. उनके और एचआरएक्स फिल्म्स के साथ काम करना हमारे लिए सम्मान की बात है. 'स्टॉर्म' सिर्फ एक सीरीज़ नहीं, बल्कि एक रोमांचक नए सफर की शुरुआत है, जिससे आगे और भी शानदार प्रोजेक्ट्स सामने आएंगे. इस सीरीज़ को बनाते समय ऋतिक की विज़न और ईशान रोशन की ऊर्जा ने इसे एक नया आयाम दिया है. 'स्टॉर्म' में दमदार महिला किरदार और बेहद आकर्षक कहानी है, जो हमें यकीन है कि वैश्विक स्तर पर दर्शकों को पसंद आएगी. वहीं ऋतिक रोशन ने कहा, 'स्टॉर्म' ने मुझे बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी की दुनिया में कदम रखने का एक शानदार मौका दिया.

भारत एनिमेशन कहानी स्वीकार करने को तैयार

अभिनेता, निर्माता और बावेजा स्टूडियोज के प्रमुख हरमन बावेजा का कहना है कि उनकी हालिया एनिमेटेड फिल्म 'महाअवतार नरसिंह' की ऐतिहासिक सफलता ने यह साबित कर दिया है कि भारत अब एनिमेशन आधारित कहानियों को पूरी तरह स्वीकार करने के लिए तैयार है. हरमन, जो हमेशा तकनीक और कहानी कहने के मेल के समर्थक रहे हैं, भारतीय सिनेमा में ऐनिमेशन को आगे बढ़ाने वाले शुरुआती फिल्ममेकर्स में गिने जाते हैं. उनकी फिल्म 'चार साहिबज़ादे' भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और देश की सबसे सफल ऐनिमेटेड फिल्मों में शुमार हुई थी.

'महाअवतार नरसिंह' ने रचा इतिहास: हरमन बावेजा के प्रोडक्शन में बनी 'महाअवतार नरसिंह' इस वक्त दुनिया की सबसे बड़ी एनिमेटेड पौराणिक फिल्म बन चुकी है. यह फिल्म न सिर्फ अपने शानदार विजुअल्स बल्कि भावनात्मक कहानी के लिए भी खूब

सराही जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म ने दुनियाभर में 450 करोड़ से अधिक की कमाई कर नया रिकॉर्ड बनाया है. हरमन ने फिल्म की सफलता पर कहा, रमैं बेहद खुश हूं कि महाअवतार नरसिंह को इतना प्यार मिला. हमने 'चार साहिबज़ादे' तब बनाई थी जब ऐनिमेशन को मेनस्ट्रीम नहीं माना जाता था. आज दर्शकों का रिस्पॉन्स बताता है कि अब भारत इनोवेशन को गले लगाने के लिए तैयार है. ये भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक मोमेंट है."

एनिमेशन अब भविष्य नहीं, वर्तमान है: हरमन बावेजा पहले भी विराट कोहली के साथ 'सुपर वी' जैसी लोकप्रिय ऐनिमेटेड सीरीज़ बना चुके हैं. उनका मानना है कि एनिमेशन केवल तकनीकी चमत्कार नहीं बल्कि कहानी कहने का नया अध्याय है. 'एनिमेशन अब भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान है' हरमन मुस्कुराते हुए कहते हैं. ये हमें अपनी कहानियों, अपने देवताओं और अपने हीरोज़ को नए दृष्टिकोण से देखने की आज़ादी देता है.

नए प्रोजेक्ट्स पर फोकस: बावेजा स्टूडियोज वर्तमान में कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है, जिनमें 'हक़' (यामी गौतम, इमरान हाशमी), 'भागवत चैप्टर 1' (जीतेन्द्र कुमार, अरशद वारसी) और 'दिल का दरवाजा खोल न डालिंग' (सिद्धांत चतुर्वेदी, वामीका गब्बी) शामिल हैं.

दुनिया भर में छाई कांतारा चैप्टर 1, रच दिया इतिहास

ऋषभ शेट्टी निर्देशित और स्टारर 'कांतारा चैप्टर 1' ने रिलीज के पहले दिन से ही देश ही नहीं पूरी दुनिया में धमाल मचाया हुआ है. इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए सिर्फ 9 दिन हुए हैं और इसने अपनी लागत वसूल करने के साथ ही तगड़ा मुनाफा कमा लिया है. सबसे खास बात, ऋषभ शेट्टी की दमदार एक्टिंग है. इन सबसे बीच रिलीज के 9वें दिन 'कांतारा चैप्टर 1' ने दुनियाभर में एक जादुई आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है.'कांतारा चैप्टर 1' की ना केवल कहानी की तारीफ हो रही है बल्कि इसके एक्शन सीक्वेंस और गानों को भी दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है. इसी वजह से 'कांतारा चैप्टर 1' को को देखने के लिए सिनेमाघरों में दर्शकों की खूब भीड़ उमड़ रही है. ऐसे में ये फिल्म बंपर कमाई तो कर ही रही है वहीं ये बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त रिकॉर्ड भी बनाता जा रही है. वहीं इसके 9 दिनों के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इसने कमाल कर दिखाया है.

दे दे प्यार दे 2 के लिए अजय देवगन तैयार मेकर्स ने अनाउंस की रिलीज डेट

बॉलीवुड के सिंघम अजय देवगन अब अपने फैंस के लिए एक बार फिर बड़ा सरप्राइज़ लेकर आ रहे हैं. पिछली बार वह फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नज़र आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई. हालांकि अब अजय ने इस असफलता की भरपाई करने और दर्शकों को एक बार फिर हंसाने-रुलाने की पूरी तैयारी कर ली है. अभिनेता ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' का मोशन पोस्टर रिलीज़ कर दिया है और साथ ही इसकी रिलीज़ डेट की भी घोषणा की है. सोशल मीडिया पर मोशन पोस्टर शेयर करते हुए अजय देवगन ने लिखा, दे दे प्यार दे का सीक्वल मेरे लिए बहुत खास है. क्या आशीष को आखिरकार मिलेगी आयशा के माता-पिता की मंज़ूरी? प्यार बनाम परिवार... ये जंग अब और मज़ेदार होने वाली है. 'दे दे प्यार दे 2' 14 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी. 2019 में आई पहली फिल्म 'दे दे प्यार दे' को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. फिल्म में अजय देवगन के साथ रकुल प्रीत सिंह और तब्बू की केमिस्ट्री ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. वहीं अब इसके सीक्वल में कहानी को और आगे बढ़ाते हुए रोमांस और कॉमेडी का दोगुना डोज़ मिलने वाला है. सूत्रों के मुताबिक, 'दे दे प्यार दे 2' में अजय देवगन के साथ इस बार कई नए चेहरे भी नज़र आएंगे. फिल्म में आर. माधवन और जावेद जाफरी के बेटे मीज़ान जाफरी अहम किरदार निभाने वाले हैं. 'दे दे प्यार दे 2' का निर्देशन एक बार फिर उसी हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज़ में किया जा रहा है, जिसके लिए पहली फिल्म जानी जाती थी.

बॉक्स ऑफिस रिव्यू

ऋषभ शेट्टी ने सिद्धिविनायक मंदिर में माथा टेका

साउथ सिनेमा के मशहूर अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की जबरदस्त सफलता का जश्न मना रहे हैं. यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तूफान बनकर छाई हुई है और रिलीज के सिर्फ एक हफ्ते में ही इसने 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. इस बड़ी उपलब्धि के बाद ऋषभ शेट्टी ने अपनी सफलता का श्रेय भगवान को देते हुए मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में माथा टेका.

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में ऋषभ शेट्टी को सफेद शर्ट और लुंगी में देखा जा सकता है. उन्होंने अपने बाल और दाढ़ी वैसे ही रखी हुई हैं, जैसे उनके किरदार का लुक 'कांतारा चैप्टर 1' में

था. ऋषभ नंगे पैर मंदिर पहुंचे और भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना की. पूजा के बाद उन्होंने हाथ जोड़कर मीडिया और वहां मौजूद प्रशंसकों का अभिवादन किया. 'कांतारा चैप्टर 1' की सफलता को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और शुरुआती दिनों से ही इसने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया. वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' जैसी बड़ी रिलीज से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद, ऋषभ की फिल्म ने दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना ली. फिल्म ने अब तक कुल 334.94 करोड़ की शानदार कमाई कर ली है और लगातार आगे बढ़ रही है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. अपने काम को प्राथमिकता से करें. शुभांक-6-8-9

वृष : आत्मविश्वास बढ़ेगा. कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा. शुभांक-2-5-8

मिथुन : विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा. स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. शुभांक-5-7-8

कर्क : पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. आलस्य का त्याग करें. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग. शुभांक-4-5-7

सिंह : कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. शुभांक-1-3-6

कन्या : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा. शुभांक-2-4-6

तुला : खान-पान में सावधानी रखें. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. व्यापार में प्रगति होगी. अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. शुभांक-5-7-8

वृश्चिक : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. पुरुषार्थ का सहारा लें. कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही. शुभांक-3-5-7

धनु : धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. शुभांक-4-6-8

मकर : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. स्वविवेक से कार्य कर. शुभांक-3-6-9

कुंभ : हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा. यात्रा का योग. जीवन साथी अथवा यार- दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूंजी निवेश सोच-समझकर करें. शुभांक-2-4-6

मीन : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शत्रुहानि की आशंका रहेगी. आय के योग बनेंगे. किसी की सफलता से प्रेरित होंगे. अपना हर काम समय से पूरा करने में ध्यान लगाएं. शुभांक-1-3-5

न्यूज़ अपडेट

पुलिस और उड़न दस्ता की संयुक्त कार्रवाई में 62 लाख नकद बरामद

शिवहर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले शिवहर जिले में पुलिस और उड़न दस्ता (फ्लाइंग स्क्वॉड) की संयुक्त टीम ने शहर के जीरो माइल क्षेत्र से एक चार पहिया वाहन से 62 लाख रुपये की नकदी जब्त की है. शिवहर विधानसभा क्षेत्र में 11 नवम्बर को दूसरे चरण का मतदान होना है. मतदान की तारीख नजदीक आने के साथ ही प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सक्रिय हो गई है. इस नकदी की बरामदगी को चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इस्तेमाल होने वाले अवैध धन से जोड़ा जा रहा है. चुनाव आयोग के सख्त निर्देशों के तहत यह कार्रवाई धन के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. जब्त की गई राशि की सूचना तुरंत आयकर विभाग को दी गई है. स्थानीय पुलिस के अनुसार, आयकर विभाग की टीम जल्द ही मौके पर पहुंचकर इस मामले की गहन जांच शुरू करेगी. यह पता लगाया जाएगा कि यह नकदी कहां से आई और इसका उपयोग कहां किया जाना था.

भागलपुर : मनाई गई लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती

भागलपुर। जिले के सदर अस्पताल परिसर में शनिवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती सादगी और श्रद्धा के साथ मनाई गई. इस अवसर पर अस्पताल परिसर में स्थापित जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर सामाजिक संस्थाओं और समाजसेवियों ने माल्यार्पण किया. कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवी प्रकाश चंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने अपने जीवन में सच्चाई, न्याय और समाज सेवा को सर्वोपरि रखा. उन्होंने कहा कि आज हम सभी ने यह संकल्प लिया है कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आदर्शों और मार्गदर्शन पर चलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे. मौके पर डॉ फारूक अली, कमल जयसवाल सहित विभिन्न सामाजिक संगठननों के सदस्य और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे. सबों ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को समाज में प्रसारित करने का संकल्प लिया.

वैशाली में राजद में टिकट बंटवारे को लेकर भारी असंतोष व गुटबाजी

वैशाली। बिहार विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी वैशाली जिले में राजद के भीतर टिकट बंटवारे को लेकर असंतोष और गुटबाजी सामने आई है. जिले के रादज जिलाध्यक्ष ने प्रदेश इकाई को सख्त संदेश देते हुए स्थानीय और संघर्षशील कार्यकर्ताओं को ही टिकट दिए जाने की मांग उठाई है. वे 'बाहरी उम्मीदवारों' को टिकट दिए जाने के विरोध में हैं, जिन्हें दूसरे जिलों से लाकर वैशाली की 8 विधानसभा सीटों पर मैदान में उतारा जाना प्रस्तावित है. हालांकि, यह भी साफ किया गया है कि उम्मीदवारों का अंतिम फैसला पार्टी और महागठबंधन करेंगे, लेकिन चेतावनी दी गई है कि बाहरी उम्मीदवारों को टिकट देने पर पार्टी में बड़ी बगावत हो सकती है. जिलाध्यक्ष ने स्थानीय कार्यकर्ताओं की लंबे समय से क्षेत्र में संघर्ष को रेखांकित करते हुए प्रदेश नेतृत्व से इसका ध्यान रखने का आग्रह किया है. इसी कड़ी में वैशाली राजद ने हाजीपुर के चौरसिया चौक पर पूर्व एमएलसी सुबोध कुमार राय के आवास पर एक बड़ी बैठक बुलाई, जिसमें जिले के सभी पदाधिकारी और नेता शामिल हुए.

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: एआईएमआईएम लड़ेगी 100 सीटों पर

ओवैसी ने तैयार किया तीसरे मोर्चे का खाका

शुभम संदेश। पटना

बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है. जहां एक ओर भाजपा-नीत एनडीए और कांग्रेस-राजद गठबंधन आमने-सामने हैं, वहीं ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने इस बार बड़े चुनावी मैदान में उतरने का ऐलान किया है. हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम ने घोषणा की है कि पार्टी राज्य की करीब 100 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी. यह संख्या 2020 के पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले पांच गुना अधिक है. एआईएमआईएम ने साफ कर दिया है कि वह बिहार की राजनीति में एक तीसरे मोर्चे के विकल्प को मजबूत करना चाहती है. पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने कहा, "इस बार हमारा लक्ष्य 100 सीटों पर चुनाव लड़ने का है. एनडीए और महागठबंधन दोनों को हमारी राजनीतिक ताकत का एहसास होगा." उन्होंने कहा कि 2020 के चुनाव में उन पर धर्मनिरपेक्ष वोटों के विभाजन का आरोप लगाया गया था, लेकिन अब हालात बदल गए हैं और पार्टी अपने संगठन को नए स्तर पर विस्तार देने के लिए तैयार है. बिहार में मुस्लिम समुदाय की आबादी करीब 17 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन विधानसभा में उनका प्रतिनिधित्व अब तक सीमित रहा है. एआईएमआईएम इस गैप को भरने की कोशिश कर रही है. पार्टी की नजर विशेषकर सीमांचल क्षेत्र की उन सीटों पर है जहां मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं.

अख्तरुल इमान ने खुलासा किया कि उन्होंने आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर गठबंधन की इच्छा जताई थी, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला. उन्होंने कहा, "हमने मिलकर लड़ने की बात की थी, लेकिन जब कोई संवाद नहीं मिला, तो हमने खुद को मजबूत करने का निर्णय लिया है." इमान ने यह भी बताया कि एआईएमआईएम अब समान विचारधारा वाली अन्य पार्टियों से मिलकर तीसरे मोर्चे की संभावनाएं तलाश रही है. 2020 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने बसपा और उपेंद्र कुशवाहा की तत्कालीन रालोसपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और पांच सीटों पर जीत हासिल की थी. खासकर सीमांचल क्षेत्र में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया था. हालांकि, 2022 में पार्टी के चार विधायकों ने आरजेडी का दामन थाम लिया, जिससे एआईएमआईएम की विधानसभा में उपस्थिति घटकर केवल एक विधायक, अख्तरुल इमान, तक सीमित रह गई. हाल ही में असदुद्दीन ओवैसी चार दिवसीय दौरे पर सीमांचल पहुंचे थे, जहां उन्होंने किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जिलों में जनसंपर्क अभियान चलाया. इन जिलों में मुस्लिम आबादी काफी अधिक है. अपने दौरे में ओवैसी ने कांग्रेस, आरजेडी और जेडीयू पर मुस्लिम समुदाय की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि इन दलों ने मुस्लिम समाज को सिर्फ वोट बैंक समझा है, लेकिन उनके सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नजरअंदाज किया है. विपक्षी दल एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी टीम' कहकर आरोप लगाते हैं कि पार्टी धर्मनिरपेक्ष वोटों को बांटकर एनडीए को फायदा पहुंचाती है. हालांकि, एआईएमआईएम इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है और खुद को अल्पसंख्यकों की वास्तविक आवाज बताती है. बिहार विधानसभा की कुल 243 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में – 6 और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी. एआईएमआईएम के बढ़ते कदम यह संकेत दे रहे हैं कि 2025 के चुनाव में मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है, जहां तीसरे मोर्चे की भूमिका अहम हो सकती है.

स्मैक और गांजा की भारी खेप बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार हुए

कटिहार। पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से स्मैक और गांजा की भारी खेप बरामद की है. रौतारा थाना क्षेत्र के टोल प्लाज़ा के पास वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक तस्कर को लगभग डेढ़ किलो स्मैक के साथ गिरफ्तार किया. अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 40 से 50 लाख रुपये बताई जा रही है. पुलिस जांच में पता चला कि यह खेप पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के कालिया चौक से पूर्णिया भेजी जा रही थी. तस्कर इसे चुनावी माहौल में खपाने की तैयारी में थे, लेकिन पुलिस की सतर्कता और खुफिया इनपुट के कारण यह सौदा अधूरा रह गया. इसके अलावा, सेमापुर थाना पुलिस ने भी एक बड़ी सफलता हासिल की है. टीम ने 25 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अब इनके सप्लाई और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की गहन जांच कर रही है. कटिहार पुलिस की इन कड़ी कार्रवाइयों से नशे के तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है. एसपी शिखर चौधरी ने बताया कि ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे ताकि नशे के कारोबार को जड़ से खत्म किया जा सके.

आचार संहिता के बावजूद लगे हैं नेताओं के पोस्टर, प्रशासन बेखबर

भागलपुर। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. इसके बावजूद भागलपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड क्षेत्र में राजनीतिक दलों के पोस्टर और बैनर खुलेआम लगे हुए हैं. बाईपास स्थित सेंट टेरेसा स्कूल के समीप बड़े-बड़े होर्डिंग्स पर विभिन्न दलों की प्रचार सामग्री अब भी देखी जा सकती है. स्थानीय लोगों का कहना है कि आचार संहिता लागू हो जाने के बावजूद राजनीतिक होर्डिंग्स का हटाया न जाना प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है. ग्रामीणों की मांग है कि बिना पक्षपात के सभी प्रचार सामग्री तुरंत हटाई जाए ताकि चुनाव की निष्पक्षता बनी रहे. प्रशासनिक अधिकारियों की मानें तो उन्हें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है. प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अमित कुमार ने बताया कि मामले की सूचना मिली है और वे इसे दिखवा रहे हैं. साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि आचार संहिता से संबंधित कार्रवाई के लिए अंचलाधिकारी (सीओ) जिम्मेदार होते हैं. इस संबंध में जब अंचलाधिकारी सतीश कुमार से बात की गई, तो उन्होंने भी अनभिज्ञता जाहिर की. उन्होंने कहा कि वे मामले की जांच करवाएंगे और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद प्रशासन की सुस्ती क्यों बनी हुई है. जानकारों का मानना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह आचार संहिता के उल्लंघन का गंभीर मामला बन सकता है, जिससे चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल उठ सकते हैं.

एनडीए की ओर से जदयू के उम्मीदवार चेतन आनंद होंगे: आनंद मोहन

पटना। शिवहर लोकसभा सीट को लेकर लंबे समय से चल रही राजनीतिक अटकलों पर विराम लगाते हुए पूर्व सांसद आनंद मोहन ने शनिवार को कार्यकर्ताओं की बैठक में बड़ा ऐलान किया. उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि एनडीए गठबंधन की ओर से जदयू के उम्मीदवार चेतन आनंद होंगे, जो 16 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगे. इस घोषणा के बाद जिले भर के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया. बैठक में आनंद मोहन के समर्थकों की बड़ी संख्या मौजूद रही. पूर्व सांसद आनंद मोहन ने चेतन आनंद को युवाओं का प्रतीक और क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने कहा कि चेतन आनंद शिवहर के स्वाभिमान और सुशासन के प्रतीक हैं और उनके नेतृत्व में क्षेत्र विकास के नए पथ पर आगे बढ़ेगा. आनंद मोहन ने साफ किया कि शिवहर सीट पर कोई संशय नहीं है और एनडीए का समर्थन पूरी तरह से उम्मीदवार चेतन आनंद के साथ है. उन्होंने यह भी कहा कि चेतन आनंद ने सरकार बचाने में अहम भूमिका निभाई है और इसलिए उनकी उम्मीदवारी पर कोई सवाल नहीं उठता.

दरभंगा की अलीनगर सीट से भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव ने दिया इस्तीफा, कहा

पार्टी का शीर्ष नेतृत्व घमंड में डूब चुका है

शुभम संदेश। पटना

दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव ने अचानक पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान कर बड़ा राजनीतिक झटका दिया है. उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अब भाजपा पिछड़ों का सम्मान नहीं करती और पार्टी का शीर्ष नेतृत्व घमंड में डूब चुका है. मिश्रीलाल यादव ने साफ कहा कि जनता इस घमंड को सबक सिखाएगी. मिश्रीलाल यादव ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि अलीनगर विधानसभा सीट पर पिछले 30 वर्षों में एनडीए का कोई विधायक नहीं रहा, लेकिन 2020 में उन्होंने भाजपा का परचम लहराया था. इसके बावजूद पार्टी ने उनका अपमान किया और उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई. उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया, इसलिए अब उनके लिए ऐसी पार्टी में रहना असंभव है. इस्तीफे के साथ उन्होंने यह भी साफ किया कि वे जल्द ही अपने इस्तीफा पत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को सौंपेंगे. मिश्रीलाल यादव ने कहा कि वे अलीनगर से चुनाव जरूर लड़ेंगे, चाहे किसी भी पार्टी से हो. उन्होंने यह भी कहा कि वे एक सेकुलर सोच के व्यक्ति हैं और संभव है कि वे किसी सेकुलर पार्टी से जुड़ें, लेकिन फिलहाल इस बारे में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है. उन्होंने जोर देते हुए कहा, मैं चुनाव लड़ूंगा और जीतूंगा भी.

मिश्रीलाल यादव पर पहले भी विवादित घटनाओं का साया रहा है. दरअसल, उन्हें दरभंगा की एक विशेष न्यायालय ने पुराने मारपीट मामले में दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके चलते 20 जून को उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई थी. हालांकि, हाईकोर्ट ने 18 जुलाई को इस फैसले को निरस्त कर उनकी सदस्यता पुनः बहाल कर दी. इस मामले में मिश्रीलाल को पहले ही जमानत मिल चुकी थी. मिश्रीलाल यादव ने 2020 के विधानसभा चुनाव में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के टिकट पर चुनाव लड़ा था. उस समय वीआईपी एनडीए का हिस्सा थी. बाद में 2022 में पार्टी टूट गई, और वीआईपी के चार में से तीन विधायकों ने भाजपा जॉइन कर लिया, जिनमें मिश्रीलाल यादव भी शामिल थे. हालांकि हाल ही में उन्हें राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं के साथ देखा गया था, लेकिन उन्होंने इन खबरों का खंडन करते हुए कहा था कि वे अभी भी भाजपा में हैं और वहीं रहेंगे. इस घटनाक्रम से बिहार की राजनीतिक हवा में हलचल बढ़ गई है. मिश्रीलाल यादव के भाजपा से इस्तीफे से न केवल दरभंगा की राजनीति प्रभावित होगी, बल्कि आगामी चुनावी रणनीतियों पर भी इसका बड़ा असर पड़ सकता है. अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि मिश्रीलाल यादव किस पार्टी का दामन थामते हैं और अलीनगर विधानसभा सीट का अगला चुनाव किस रूप में सामने आता है.

कारोबार

2034-35 तक जीडीपी के 71% पर सिमटने का अनुमान

नयी दिल्ली। केयरएज रेटिंग्स की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, अगले एक दशक में भारत के सरकारी कर्ज में लगातार गिरावट देखने को मिल सकती है. वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों का कुल कर्ज देश की जीडीपी का लगभग 81% है, जो कि 2030-31 तक 77% और 2034-35 तक घटकर 71% पर आ सकता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते कर्ज के बीच भारत सरकार राजकोषीय समेकन (फिस्कल कंसीलिडेशन) की राह पर आगे बढ़ती रहेगी. केंद्र सरकार के विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन और अनुमानित 6.5% वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर से इस लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी.

टाटा ग्रुप ला सकता है देश का सबसे बड़ा आईपीओ

नयी दिल्ली। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की शेयर बाजार में लिस्टिंग अब संभव होती दिख रही है. टाटा ट्रस्ट्स, जो टाटा संस के सबसे बड़े शेयरधारक हैं, टाटा संस को प्राइवेट बनाए रखने के अपने जुलाई के फैसले पर पुनर्विचार कर रहे हैं. अगर यह बदलाव होता है तो देश का सबसे बड़ा आईपीओ सामने आ सकता है. रिपोर्ट के अनुसार, यह बदलाव ऐसे समय हो रहा है जब टाटा समूह के अधिकारियों ने हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी. सरकार ने ट्रस्टियों को आपसी मतभेदों को खत्म कर स्थिरता बनाए रखने की सलाह दी थी, ताकि यह ग्रुप के संचालन को प्रभावित न करे. गौरतलब है कि आरबीआई ने टाटा संस को 2022 में 'अपर लेयर एनबीएफसी' घोषित किया था, जिसके तहत उसे तीन साल में लिस्ट होना जरूरी था.

ईरानी तेल व्यापार में संलिप्तता के आरोप में अमेरिका का एक्शन

10 कंपनियों और आठ नागरिकों पर लगाए कड़े आर्थिक प्रतिबंध

एजेंसी। नयी दिल्ली

ओएफएसी और अमेरिकी विदेश विभाग की बड़ी कार्रवाई, ईरानी पेट्रोलियम उत्पादों की चीन-पाकिस्तान को आपूर्ति का आरोप अमेरिका ने ईरान के साथ अवैध तेल व्यापार में संलिप्तता के आरोप में भारत की 10 कंपनियों और 8 नागरिकों पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं. यह कदम अमेरिका के विदेश विभाग और ट्रेजरी डिपार्टमेंट के समन्वित वैश्विक प्रयासों का हिस्सा है, जिसके तहत कुल 40 लोगों, कंपनियों और जहाजों पर कार्रवाई की गई है. इसके अतिरिक्त, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) ने 60 कंपनियों को अपनी प्रतिबंध सूची में डाला है. अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इन कंपनियों और व्यक्तियों पर आरोप है कि इन्होंने ईरान से पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पाद खरीदकर उन्हें चीन और पाकिस्तान जैसे देशों को आपूर्ति की. यह अमेरिकी प्रतिबंधों का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसे अमेरिका गंभीरता से ले रहा है. ओएफएसी की प्रतिबंध सूची में शामिल भारतीय नागरिकों में मुंबई के नितिन उन्मेश भट्ट, कमला के कासट, कुणाल कासट और पूनम कासट, तमिलनाडु के अयप्पन राजा, तिरुपति के वरुण पुला, पीयूष मगनलाल जिविया और सोनिया श्रेष्ठ के नाम प्रमुख हैं. इन व्यक्तियों से जुड़ी कंपनियों पर भी गंभीर आरोप लगे हैं. वरुण पुला की कंपनी 'बर्था शिपिंग' पर आरोप है कि उसने कोमोरोस के एक जहाज का इस्तेमाल कर ईरान से लगभग 40 लाख बैरल एलपीजी चीन भेजा. वहीं, अयप्पन राजा की मार्शल आइलैंड्स स्थित 'एवी लाइन्स' ने पनामा के झंडे वाले जहाज से 1 मिलियन बैरल एलपीजी चीन भेजा. सोनिया श्रेष्ठ की भारत में स्थित कंपनी 'वेगा स्टार शिप' पर ईरान से एलपीजी पाकिस्तान भेजने का आरोप है. पेट्रोकेमिकल व्यापार में शामिल कंपनियों की बात करें तो सीजे शाह एंड कंपनी ने जनवरी 2024 से जनवरी 2025 के बीच ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों की 44 मिलियन डॉलर की खरीद की. पीयूष जिविया की कंपनी 'केमोविक' पर 7 मिलियन डॉलर के समान उत्पाद खरीदने का आरोप है. 'बीके सेल्स कॉर्प' ने 235 मिलियन डॉलर और 'मोदी केम' ने 49 मिलियन डॉलर के ईरानी उत्पाद आयात किए.

सितंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 9 फीसदी घटा

नयी दिल्ली। सितंबर 2025 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश में 9% की गिरावट दर्ज की गई. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में कुल 30,422 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो हुआ, जो अगस्त 2025 के 33,430 करोड़ रुपये की तुलना में कम है. हालांकि इक्विटी फंड्स में कुल मिलाकर सकारात्मक इनफ्लो रहा, लेकिन डेट म्यूचुअल फंड्स से भारी निकासी के चलते कुल म्यूचुअल फंड निवेश निगेटिव रहा. इक्विटी कैटेगरी में मिड-कैप फंड सबसे ज्यादा निवेशकों को भाया, जिसमें 5,085 करोड़ रुपये का निवेश आया. इसके बाद स्मॉल-कैप फंड्स में 4,362 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में 1,220 करोड़ रुपये का ही निवेश देखा गया. वहीं, ईएलएसएस और डिविडेंड यील्ड फंड्स से निवेशकों ने पैसे निकाले. ईएलएसएस से 307 करोड़ रुपये और डिविडेंड यील्ड फंड से 167 करोड़ रुपये की निकासी हुई. इस गिरावट के बावजूद मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में निवेशकों की रुचि मजबूत बनी हुई है.

प्राइमरी मार्केट में 2025 में रिकॉर्ड स्तर पर फंड्स का प्रवाह हुआ

नयी दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में इस हफ्ते आए कई आईपीओ ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि निवेशक भारत की आर्थिक विकास यात्रा में गहरा विश्वास रखते हैं. यह उत्साह ऐसे समय में देखने को मिला है जब निफ्टी और सेंसेक्स पिछले 13 महीनों में कोई खास रिटर्न नहीं दे पाए हैं. इसके बावजूद निवेशकों ने प्राइमरी मार्केट की ओर रुख कर बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश की है. बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 में भारत के प्राइमरी मार्केट में रिकॉर्ड स्तर पर फंड्स का प्रवाह हुआ है. यह दर्शाता है कि निवेशक देश की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं को लेकर आश्वस्त हैं. खासकर टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया जैसे बड़े ब्रांडों के आईपीओ को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स से यह स्पष्ट होता है. बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा का कहना है कि यह उछाल घरेलू पूंजी की ताकत को दिखाता है.

जुलाई-सितंबर तिमाही में रियल एस्टेट में निजी इक्विटी निवेश में 15% की गिरावट

नई दिल्ली। भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र को लेकर वैश्विक निवेशकों की सतर्कता जारी है. जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही में भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी (पीई) निवेश 15 प्रतिशत घटकर 81.9 करोड़ डॉलर रह गया है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 96.7 करोड़ डॉलर था. यह जानकारी संपत्ति सलाहकार एनारॉक की शाखा एनारॉक कैपिटल ने दी है. वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान कुल पीई निवेश 2.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के 2.6 अरब डॉलर की तुलना में 15 प्रतिशत कम है. इस दौरान कुल निवेश में विदेशी पूंजी की हिस्सेदारी 73 प्रतिशत रही. एनारॉक कैपिटल के सीईओ शोभित अग्रवाल ने बताया कि वित्त वर्ष की पहली तिमाही में निवेश गतिविधि में थोड़ी तेजी आई थी, लेकिन दूसरी तिमाही में यह फिर से धीमी हो गई.

पेज 1 का शेष...

एसएएफसी की अनुशंसा का अनुपालन...

इसका अर्थ यह है कि अब ग्रामसभा अपने गांव की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाएँ बना सकेगी। किसे सड़क चाहिए, कहां तालाब की मरम्मत करनी है, किस मोहल्ले में स्ट्रीट लाइट लगनी है, इसका फैसला अब गांव खुद करेगा. यह वास्तव में 'जनता के पैसे पर जनता का हक़' सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस कदम है.

अन्य राज्यों के अनुभव: केरल ने 1996 में "पीपुल्स प्लान" अभियान शुरू किया था. इस अभियान के तहत राज्य की योजना निधि का 35 से 40 प्रतिशत हिस्सा स्थानीय निकायों को दे दिया गया. परिणाम चौंकाने वाले थे. पंचायतें और नगर पालिकाएं अपनी स्थानीय प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाएं बनाने लगीं. स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में केरल ने जो उपलब्धियां हासिल कीं, उसकी नींव इसी विकेंद्रीकरण में थी. कर्नाटक ने राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों को लागू करने के साथ-साथ पंचायतों के लिए वित्तीय प्रबंधन और ऑडिट की नई प्रणाली शुरू की. स्थानीय निकायों को अपने स्तर पर कर लगाने, उपयोग शुल्क तय करने और राजस्व संग्रह करने की स्वतंत्रता दी गई. राज्य ने पंचायत अधिकारियों और चुने हुए प्रतिनिधियों के लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए. परिणामस्वरूप पंचायतें न केवल आत्मनिर्भर हुईं बल्कि पारदर्शी भी बनीं. राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में राज्य वित्त आयोग बने, पर उनकी सिफारिशें कई बार धूल खाती रहीं. निधियों का समय पर हस्तांतरण नहीं हुआ. तमिलनाडु ने हालांकि आयोग की सिफारिशों को नीति में बदलने की कोशिश की, और पंचायतों के लिए 'परफॉर्मेंस लिंक्ड' अनुदान प्रणाली विकसित की. इन सभी अनुभवों से यही निष्कर्ष निकलता है कि विकेंद्रीकरण तभी प्रभावी होता है जब धनराशि नियमित, पारदर्शी और जवाबदेह ढंग से स्थानीय निकायों तक पहुंचे.

आगे का रास्ता: यह निर्णय तभी प्रभावी होगा जब राज्य सरकार निम्नलिखित कदम समानांतर रूप से उठाए. राजस्व बंटवारे का स्पष्ट सूत्र गढ़ने की जरूरत है. अभी पंचायतों की आबादी पर 90 फ़ीसदी तथा क्षेत्रफल पर 10 फ़ीसदी राशि के बंटवारे का फार्मूला है. इस प्रचलित फॉर्मूले से अनुसूचित क्षेत्र के ग्राम पंचायतों को सामान्य क्षेत्र की ग्राम पंचायतों की तुलना में कम राशि उपलब्ध होती है. अनुसूचित क्षेत्र में सैकड़ों पंचायत ऐसे हैं जहां आबादी 3000 के आसपास है. जबकि पंचायत का क्षेत्रफल या भौगोलिक फैलाव काफी है. राज्य वित्त आयोग को यह तय करना चाहिए कि यह 4 % हिस्सा किस आधार पर बांटा जाएगा — जनसंख्या, क्षेत्रफल, पिछड़ेपन का सूचकांक, या भौगोलिक स्थिति के अनुसार. सरकारी संस्थाओं में समय पर पैसे का हस्तांतरण हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है. पंचायतों को निधि तिमाही या छमाही आधार पर समय पर मिलनी चाहिए. देरी इस योजना की विश्वसनीयता पर चोट करेगी. स्थानीय निकायों को वित्तीय प्रबंधन, लेखांकन, और योजना-निर्माण पर प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे धन का सही उपयोग कर सकें. ग्रामसभा स्तर पर सामाजिक लेखा परीक्षा और सार्वजनिक बजट बैठकें अनिवार्य हों, ताकि हर नागरिक जान सके कि पंचायत का पैसा कहाँ और कैसे खर्च हुआ. राजस्व के साथ कार्यों और अधिकारों का हस्तांतरण भी ज़रूरी है ताकि पंचायतों के पास केवल "धन" ही नहीं बल्कि "निर्णय लेने की शक्ति" भी हो. **(ये लेखक के अपने विचार हैं.)**

मंथन — अमेरिका की दिग्गज ऑटो कंपनी फोर्ड मोटर की भारत में वापसी की योजना अधर में

चेन्नई प्लांट के भविष्य पर बड़ा फैसला जल्द

एजेंसी। नयी दिल्ली

अमेरिका की दिग्गज ऑटो कंपनी फोर्ड मोटर की भारत में वापसी की योजना फिलहाल अधर में लटकी हुई नजर आ रही है. कंपनी अब अपने चेन्नई स्थित मरैमलई नगर प्लांट को दोबारा शुरू करने की योजना पर नए सिरे से विचार कर रही है. इस प्लांट को लेकर कंपनी के शीर्ष अधिकारी जल्द ही एक महत्वपूर्ण बैठक करने जा रहे हैं. इस बैठक में यह तय किया जाएगा कि इस प्लांट में हुआ निवेश वापस लिया जाए या इसे फिर से चालू किया जाए. इस बदलाव की एक बड़ी वजह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों को माना जा रहा है. इन नीतियों की वजह से अमेरिका को कारें एक्सपोर्ट करना अब महंगा हो गया है. ऐसे में फोर्ड को अपने पुराने प्लान पर फिर से सोचना पड़ रहा है. कंपनी अब प्लांट में प्रोडक्शन शुरू करने के बजाय दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रही है. चेन्नई का यह प्लांट 2022 से बंद पड़ा है. फोर्ड ने भारत में कारों का निर्माण 2021 में बंद कर दिया था. हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि कंपनी यहां इंजन निर्माण के लिए प्लांट को फिर से एक्टिव कर सकती है. लेकिन वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, टैरिफ संबंधी समस्याएं और बदलती राजनीतिक परिस्थितियों ने फोर्ड के इस निर्णय को प्रभावित किया है. एक सूत्र के अनुसार, अब भारत फोर्ड के लिए कोई प्रमुख बाजार नहीं रह गया है. कंपनी की रणनीति अब यूरोप केंद्रित हो गई है, जहां वह इलेक्ट्रिक वाहनों पर बड़ा निवेश कर रही है. जर्मनी में 4.4 अरब रुपये का निवेश, कोलोन में इलेक्ट्रिक व्हीकल प्रोजेक्ट, यूके में कंपोनेंट हब और बैटरी रिसर्च में भारी निवेश इसकी मिसाल हैं. हालांकि, फोर्ड ने यह स्पष्ट किया है कि उनकी स्थिति 2024 के अंत से नहीं बदली है. कंपनी का कहना है कि चेन्नई प्लांट का इस्तेमाल एक्सपोर्ट के लिए मैन्युफैक्चरिंग करने के इरादे से किया जाएगा. हालांकि, किस तरह की मैन्युफैक्चरिंग होगी, यह जानकारी अभी नहीं दी गई है. फिलहाल चेन्नई में फोर्ड बिजनेस सर्विसेज की 12,000 लोगों की टीम सक्रिय है, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, आईटी, फाइनेंस, अकाउंटिंग और एनालिटिक्स जैसी सेवाएं कंपनी के ग्लोबल ऑपरेशंस के लिए देती है. तमिलनाडु सरकार भी चाहती है कि फोर्ड इस प्लांट के भविष्य को लेकर जल्द कोई ठोस फैसला ले. राज्य सरकार तमिलनाडु को ऑटो मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाने की दिशा में काम कर रही है और फोर्ड जैसे बड़े निवेशक की भूमिका इसमें अहम मानी जा रही है. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि फोर्ड इस प्लांट को इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तैयार करती है, तो इसमें 100 से 300 मिलियन डॉलर तक की लागत आ सकती है. इसके लिए वेल्डिंग यूनिट और असेंबली लाइन को नए सिरे से बनाना होगा. फिलहाल फोर्ड की भारत वापसी को लेकर तस्वीर साफ नहीं है, लेकिन कंपनी और सरकार के बीच लगातार बातचीत जारी है.

डबल सेंचुरी लगने से पहले ही पारी का दर्दनाक अंत

शुभमन गिल की छोटी सी गलती यशस्वी जायसवाल को ले डूबी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम का दबदबा बना हुआ है. पहले दिन यशस्वी जायसवाल ने शानदार 173 रन बनाए थे और वे अपने तीसरे दोहरे शतक के करीब थे लेकिन दूसरे ओवर में कप्तान शुभमन गिल के साथ गलतफहमी के कारण वे 175 रन पर रन आउट हो गए. इससे निराश जायसवाल ने अपना माथा भी पीटा.

यह घटना मैच के 92वें ओवर में हुई जब जायसवाल ने मिड-ऑफ की ओर गेंद खेली. गेंद मारने के तुरंत बाद उन्होंने रन लेने के लिए दौड़ लगाई लेकिन नॉन स्ट्राइकिंग एंड पर खड़े गिल ने प्रतिक्रिया नहीं दी. जब तक जायसवाल को एहसास हुआ और वे वापस मुड़े तब तक बहुत देर हो चुकी थी और विकेटकीपर तेविन इमलाच ने गिल्लियां बिखेरकर उन्हें रन आउट कर दिया. जायसवाल के बल्ले से दोहरा शतक निकलने वाला था लेकिन इस तरह आउट होने से वे हताश दिखे. उन्होंने गिल से कहा भी कि यह उनका फैसला था और वे खतरे वाले छोर की ओर दौड़ रहे थे. आउट होने के बाद जायसवाल बेहद निराश नजर और उन्होंने गुस्से में अपना माथा भी पटका. वहीं वे गुस्से में गिल से कुछ बातचीत भी करते हुए नजर आए. जायसवाल ने गिल से कहा कि मेरी कॉल थी. लेकिन इसके बावजूद गिल रन के लिए तैयार नहीं थे.

यशस्वी ने तोड़े कई रिकॉर्ड

इस 175 रनों की पारी के दौरान यशस्वी जायसवाल ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए. 23 साल की उम्र से पहले टेस्ट में 150 से अधिक रन की पांचवीं पारी खेलकर उन्होंने सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा. तेंदुलकर ने अपने करियर में 24 साल के होने से पहले टेस्ट में चार बार 150 से अधिक रन बनाए थे. इस मामले में उनसे आगे सिर्फ डॉन ब्रैडमैन हैं जिनके नाम 8 ऐसी पारियां हैं. इसके अलावा जायसवाल ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में ओपनर के तौर पर सातवां शतक जड़ा है. इस मामले में वे रोहित शर्मा से पीछे हैं. उन्होंने डिमुथ करुणारत्ने और उस्मान ख्वाजा को पीछे छोड़ा जिन्होंने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में ओपनर के तौर पर 6 शतक लगाए हैं

शुभमन गिल ने टेस्ट कप्तानी में बना दिया महा रिकॉर्ड

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल नाबाद 129 रनों की पारी खेली. शुभमन गिल का यह टेस्ट में 9वां शतक था। वहीं इस साल शुभमन गिल के बल्ले से 5वां शतक आया. इस शतकीय पारी के साथ ही शुभमन गिल ने विराट कोहली के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली. दरअसल शुभमन गिल ने विराट कोहली के एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने की बराबर की है. विराट ने लगातार 2 बार टेस्ट में कप्तानी में करते हुए 5 शतक लगाने का कारनामा किया था. विराट ने 2016 और 2017 में ये उपलब्धि हासिल की थी. वहीं अब शुभमन गिल ने इस साल टीम इंडिया के लिए टेस्ट में कप्तानी करते हुए सिर्फ 12 पारियों में 5 टेस्ट ठोक दिया है. ऐसे में शुभमन गिल इस साल अगर एक भी और शतक लगाते हैं तो वह विराट कोहली से आगे निकल जाएंगे.

संन्यास की घोषणा के बाद जोर्डी आल्बा ने कहा

अब पीछे हटना ठीक होगा

एजेंसियां। फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)

स्पेन और बार्सिलोना के दिग्गज डिफेंडर जोर्डी आल्बा ने फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला ले लिया है. इंटर मियामी के लिए खेल रहे आल्बा ने कहा कि उन्होंने दो साल और खेलने का सोचा था, लेकिन अंततः उन्होंने संन्यास लेना ही सही समझा. आल्बा ने स्पेनिश में इंटर मियामी के ट्रेनिंग बेस पर पत्रकारों से कहा, "मुझे लगता है कि यह सबसे सही फैसला है, शारीरिक रूप से मैं अभी भी अच्छा महसूस करता हूं, लेकिन ईमानदारी और निष्पक्षता इसी में है कि अब पीछे हट जाऊं. यह मेरा निजी फैसला है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह सही है."

आल्बा इस सीज़न के अंत तक मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के लिए खेलेंगे और फिर शानदार करियर को अलविदा कह देंगे. वह स्पेन की ओर से तीन फीफा विश्व कप (2014, 2018, 2022) में खेले और बार्सिलोना को छह ला लिगा खिताब, पांच कोपा डेल रे ट्रॉफियां और 2015 में चैंपियंस लीग जिताने में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने कहा, "मेरे लिए अब पीछे हटना ही सही है. मुझे अपने करियर पर गर्व है." इंटर मियामी शनिवार को अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मुकाबले के बाद आल्बा को विशेष विदाई देगा. क्लब में कुछ ही समय पहले सर्जियो बुस्केट्स ने भी सीज़न के अंत में संन्यास लेने की घोषणा की थी.

दूसरा टेस्ट, दूसरा दिनः टीम इंडिया ने कसा शिकंजा, फॉलोऑन का खतरा

वेस्टइंडीज ने 140 रन पर गंवाए 4 विकेट

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेल जा रहे अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवारकेखेलकी समाप्ति हो गई है. दिन का खेल समाप्त होने वेस्टइंडीज ने 140 रनों पर 4 विकेट गंवा दिए. ऐसे में कैरेबियाई टीम पर अब फॉलोऑन का खतरा मंडराने लगा है. इससे पहले टीम इंडिया ने मुकाबले में टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 518 रन बनाकर अपनी पारी को घोषित किया था. ऐसे में खेल के दूसरे दिन की समाप्ति तक टीम इंडिया के पास 378 रनों की लीड बची है. वेस्टइंडीज के लिए खेल के तीसरे दिन शाई होप और टेविन इमलाच पारी को आगे बढ़ाएंगे. होप 31 रन बनाकर खेल रहे हैं, जबकि टेविन इमलाच ने 14 रन बनाए हैं. भारत के खिलाफ 518 रन के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बहुत ही खराब रही है. टीम ने सिर्फ 21 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवा दिया था. हलांकि, पहले विकेट के बाद तेगनारायण चंद्रपॉल और एलिक एथानाजे मिलकर 66 रनों की पार्टनरशिप कर टीम के स्कोर को 100 के करीब पहुंचाया.

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी -5 विकेट पर 518 रन (पारी घोषित)

वेस्टइंडीज पहली पारी

जॉनकैंपबेलकै. सुदर्शनबो. जडेजा	10
तेगनारायणचंद्रपौलकै. राहुलबो. जडेजा	34
एलिकएथांजेकै. जडेजाबो. कुलदीप	41
होपनाटआउट	31
रोस्टनचेजकै. एंडबो. जडेजा	00
टेविननाटआउट	14
अतिरिक्त-	10 रन
कुलयोग – 4 विकेट पर	140 रन

विकेटपतन- 1-21, 2-87, 3-106, 4-107.

गेंदबाजी : जसप्रीतबुमराह 6-3-18-0

मो. सिराज 4-0-9-0

रवींद्रजडेजा 14-3-37-3

कुलदीपयादव 12-3-45-1

वाशिंगटनसुंदर 7-1-23-0

शाई होप ने भी दिखाया दम : वेस्टइंडीज के लिए बल्लेबाजी में शाई होप ने अपना दम दिखाया. अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने स्पिन आक्रमण के खिलाफ कुछ आकर्षक शॉट भी लगाए. वहीं एथानाजे ने वेस्टइंडीज के लिए 84 गेंद में 41 रनों की पारी खेली. इसके अलावा चंद्रपॉल ने 67 गेंद में 34 रनों का योगदान दिया. टीम के कप्तान रोस्टन चेज अपना खाता नहीं खोल पाए. गेंदबाजी की बात करें तो टीम इंडिया के लिए दिन का खेल समाप्त होने तक सबसे ज्यादा विकेट रविंद्र जडेजा के नाम रहा. जडेजा ने 14 ओवर में 37 रन देकर विकेट लिए. इसके अलावा कुलदीप यादव के खाते में भी एक-एक विकेट आया. वहीं तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज खाली हाथ रहे. वाशिंगटन सुंदर भी पारी में विकेट नहीं निकाल पाए हैं.

भारत के लिए शुभमन गिल और यशस्वी का शतक : वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया की बल्लेबाजी शानदार रही. केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल केबीच पहले विकेट के लिए 58 रनों की पार्टनरशिप हुई. केएल राहुल ओपनिंग करते हुए सिर्फ 28 रन ही बना सके. इसके अलावा साई सुदर्शन ने 87 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी ने 43 और ध्रुव जुरेल ने 44 रन बनाए.भारतीय पारी का आकर्षण यशस्वी और शुभमन गिल का शतक रहा. यशस्वी जायसवाल ने 258 गेंद में 22 चौकों की मदद से 175 रनों की पारी खेली. इसके अलावा शुभमन गिल 129 रन बनाकर नाबाद. हालांकि, दुर्भाग्य ये रहा कि यशस्वी अपना दोहरा शतक पूरा नहीं कर पाए.

मोहसिन नकवी का क्रिकेट से वजूद मिट जाएगा

एशिया कप ट्रॉफी चोर पर भारत का हथौड़ा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एशिया कप 2025 का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. भारत द्वारा पाकिस्तान को फाइनल में हराकर ट्रॉफी जीतने के बावजूद एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ट्रॉफी भारत को सौंपने में आनाकानी कर रहे हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय में रखी है लेकिन पीसीबी प्रमुख ने सख्त निर्देश दिए हैं कि उनकी मंजूरी के बिना इसे कहीं ले जाया या सौंपा न जाए.

आईसीसी करेगा नकवी का हिसाब : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही साफ कर दिया है कि वह नकवी के इस रवैये को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सामने उठाएगा. बीसीसीआई की योजना नकवी को फटकार लगवाने और संभवत आईसीसी में उनके निदेशक पद से हटवाने की है. इससे पहले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट किया था कि एशिया कप की ट्रॉफी नकवी की निजी संपत्ति नहीं है और उन्हें इसे जल्द से जल्द भारत वापस भेजना चाहिए. एक सूत्र ने बताया, यह देखना बाकी है कि पीसीबी या नकवी के लिए इसके क्या परिणाम होंगे क्योंकि बीसीसीआई का रुख स्पष्ट है कि नकवी के पास ट्रॉफी खुद भारतीय टीम को सौंपने और इसे बीसीसीआई को न भेजने का कोई अधिकार नहीं था जो इस आयोजन के आधिकारिक मेजबान थे.

पाकिस्तान की हार के बाद मचा बवाल : 8 टीमों के इस टूर्नामेंट का समापन 28 सितंबर को हुआ था. सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी स्वीकार करने से इनकार कर दिया था जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं. मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह लगभग एक घंटे तक टल गया था. यह प्रक्रिया अधूरी रह गई क्योंकि न तो भारत और न ही नकवी अपनी बात से पीछे हटे. एशिया कप में भारत और पाकिस्तान तीन बार आमने-सामने हुए थे. यह पहला मौका था जब दोनों टीमें पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद मैदान में भिड़ीं. पूरे टूर्नामेंट में दोनों टीमों के बीच की दुश्मनी छाई रही. पहली बड़ी घटना 14 सितंबर को हुई जब सूर्यकुमार की टीम ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया. इसके बाद सुपर 4 के मैच के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने राजनीतिक रूप से प्रेरित हाव-भाव दिखाए. हारिस रऊफ का अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के साथ तीखी बहस में शामिल होना भी चर्चा में रहा.

नकवी देता है भारत के खिलाफ बयान : नकवी एसीसी अध्यक्ष के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाने में भी नाकाम रहे. उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लगातार भारत के खिलाफ राजनीतिक बयान दिए. एशिया कप खत्म होने के बाद एसीसी की एक बैठक हुई जिसमें नकवी और बीसीसीआई के प्रतिनिधियों जिनमें राजीव शुक्ला और आशीष शेलार शामिल थे के बीच काफी गरमागरमी हुई.

1948 लंदन ओलंपिक का गोल्ड मेडल भारतीय हॉकी के लिए हमेशा खास रहेगा : हरमनप्रीत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय खेल जगत में हॉकी का स्थान हमेशा ही बेहद खास रहा है. भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को आधुनिक युग के महान खिलाड़ियों में गिना जाता है, और वे प्रेरणा लेते हैं बीते दौर के उन गौरवशाली क्षणों से, जब 1948 लंदन ओलंपिक में भारत ने आज़ादी के एक वर्ष बाद ग्रेट ब्रिटेन को 4-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था. यह वही ऐतिहासिक अवसर था जब ओलंपिक खेलों में पहली बार तिरंगा फहराया गया था. उस स्वर्णिम पल को याद करते हुए हरमनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "1948 लंदन ओलंपिक में जब भारत ने गोल्ड मेडल जीता, तो वह पूरे देश के लिए गर्व और भावनाओं से भरा क्षण था. खासकर इसलिए क्योंकि जीत ग्रेट ब्रिटेन के मैदान पर मिली थी. हमने अपने वरिष्ठों से उस दिन की कहानियाँ सुनी हैं, और मेरे लिए वह क्षण बेहद प्रेरणादायक है."

हरमनप्रीत सिंह, जिन्होंने भारतीय टीम को टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार दो कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई, ने उस युग के महान खिलाड़ी बलबीर सिंह सीनियर से मुलाकात को भी याद किया. उन्होंने कहा, "बलबीर सिंह सीनियर सर से मिलना और उनके मुख से लंदन ओलंपिक की कहानियाँ सुनना मेरे जीवन के सबसे विशेष क्षणों में से एक रहा. उन्होंने बताया कि कैसे उस समय लंदन की भीड़ भारतीय टीम के लिए तालियां बजा रही थी — यह सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं. कल्पना कीजिए, खिलाड़ियों ने उस पल कैसी खुशी महसूस की होगी."

आईटीबीपी के गौरव मौर्या ने जीता स्वर्ण

वाराणसी। जूडो क्लस्टर गेम में वाराणसी के गौरव मौर्या ने शहर का मान बढ़ाया है. जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की ओर से आयोजित 10वीं अखिल भारतीय पुलिस गेम्स में गौरव मौर्या (आईटीबीपी) ने कराटे स्पर्धा के कुमिते 60 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की . गौरव ने क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड पुलिस को 5-7 से, सेमीफाइनल में असम राइफल्स को 6-7 से, और फाइनल में सीआरपीएफ के खिलाड़ी को 6-8 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया. इस प्रतियोगिता की तैयारी के लिए गौरव ने ओडिशा में आयोजित नेशनल कैंप में दिन-रात कठिन अभ्यास किया. गौरव ने शनिवार को 'हिन्दुस्थान समाचार' को बताया कि इस सफलता के पीछे उनके परिवार, कोच और टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान है.

कोच गंभीर को अब तक है मलाल, कभी नहीं भूल सकता, घर पर मिली हार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का कहना है कि पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर मिली टेस्ट सीरीज में हार को वह कभी नहीं भूला सकेंगे. गंभीर के कोच रहते भारत ने इस साल चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है, लेकिन टेस्ट प्रारूप में उनका रिकॉर्ड मिला-जुला रहा है. भारत को 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था. इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी थी जिस कारण वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 चक्र के फाइनल में जगह नहीं बना पाई थी. गंभीर फिलहाल वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए दिल्ली में हैं. उन्होंने इस दौरान सीरीज के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स से बात की और अपने कोचिंग करियर पर राय रखी. इस दौरान उन्होंने बताया कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार को कभी नहीं भूल सकते. बातचीत की शुरुआत आकाश चोपड़ा द्वारा गंभीर से टेस्ट मैचों में घरेलू मैदान पर दबदबे के महत्व के बारे में पूछने से हुई. भारत के मुख्य कोच ने जोर देकर कहा कि अगर कोई टीम सचमुच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेता बनना चाहती है तो उसे न केवल घरेलू मैदान पर, बल्कि बाहर भी दबदबा बनाना होगा.

कोचिंग करियर पर रखी राय

गंभीर ने विदेशी धरती पर दबदबा बनाने पर दिया जोर : गंभीर ने कहा, चाहे आप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना चाहें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता. मुझे नहीं लगता कि सिर्फ घरेलू मैदान पर दबदबा बनाना ही महत्वपूर्ण है. मुझे लगता है कि घर से बाहर दबदबा बनाना भी उतना ही जरूरी है और इस युवा टीम ने यही समझदारी दिखाई है. इंग्लैंड दौरा शायद हमारे लिए सबसे कठिन परीक्षा थी. एक युवा, अनुभवहीन टीम ने इंग्लैंड में जाकर प्रदर्शन किया. नतीजा महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि जिस तरह से उन्होंने हर दिन संघर्ष किया, वह मेरे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण था. इसलिए, मैं इस बात में ज्यादा यकीन नहीं रखता कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में क्वालिफाई करने के लिए हमें घरेलू मैदान पर दबदबा बनाना होगा. क्योंकि अगर आप सिर्फ घरेलू मैदान पर ही दबदबा बना रहे हैं तो आप विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने के हकदार नहीं हैं.

न्यूजीलैंड सीरीज को लेकर क्या बोले कोच

गंभीर से जब न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार के बारे में पूछा गया तो गंभीर ने कहा कि यह उनके कोचिंग करियर का एक ऐसा किस्सा है जिसे वह जीवन भर अपने साथ रखेंगे. गंभीर अपनी टीम को उस हार की याद दिलाने में विश्वास रखते हैं और इस बात पर जोर देते हैं कि किसी भी प्रतिद्वंद्वी को, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों, कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए. गंभीर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अपने कोचिंग करियर में इसे (न्यूजीलैंड के खिलाफ हार) कभी भूल पाऊंगा. मुझे इसे भूलना भी नहीं चाहिए। और मैंने यह बात लड़कों को भी बताई है. गंभीर ने कहा, आगे देखना जरूरी है. लेकिन कभी-कभी अतीत को याद रखना भी जरूरी होता है, क्योंकि अगर आप अतीत को भूल जाते हैं तो आप चीजों को हल्के में लेने लगते हैं. आपको कभी भी किसी चीज को हल्के में नहीं लेना चाहिए. न्यूजीलैंड के खिलाफ मुझे लगा कि सभी को लग रहा था कि हम उन्हें हरा देंगे. लेकिन यही हकीकत है और यही खेल है.

क्रिकेट हार्दिक पंड्या के 5 अद्भुत रिकॉर्ड, जो उन्हें बेस्ट ऑलराउंडर बनाते हैं

पाक के खिलाफ मंत्र फूंकने वाला मैच तो याद ही होगा!

एजेंसियां। नयी दिल्ली

कपिल देव के संन्यास के बाद से भारत को एक ऐसे ऑलराउंडर की तलाश थी जो बैटिंग के साथ पेस बॉलिंग में प्रभावशाली हो. इस ऑलराउंडर आए लेकिन कोई लंबे समय तक नहीं टिक पाया. फिर 2016 में हार्दिक पंड्या का डेब्यू हुआ. इंजरी की वजह से हार्दिक टेस्ट नहीं खेल पाते लेकिन वनडे और टी20 इंटरनेशनल में उनका कोई जवाब नहीं है. हार्दिक शनिवार को अपना 32वां जन्मदिन मना रहे हैं. इस मौके पर हम आपको हार्दिक पंड्या के 5 बड़े रिकॉर्ड्स बताते हैं.

5 बार छक्के से मैच फिनिश : हार्दिक पंड्या ने टी20 इंटरनेशनल में 5 बार छक्के से मैच फिनिश किया है. इस मामले में वह भारतीय खिलाड़ियों में टॉप पर हैं. हार्दिक किसी भी परिस्थिति में छक्के मार सकते हैं और यही उन्हें खतरनाक बल्लेबाज बनाता है.

कीपर कैच से 20 विकेट : हार्दिक पंड्या ने टी20 इंटरनेशनल में कीपर कैच से 20 विकेट लिए हैं. यह भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है. हार्दिक इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं.

वनडे में 110.89 का स्ट्राइक रेट : भारत के लिए 1000 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज में हार्दिक पंड्या का स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा है. 68 पारियों में उनके नाम 1904 रन हैं. ऑलराउंडर की यह खासियत होती है कि वह गेंद और बल्ले दोनों से मैच पलट सकता है.

एक ही वनडे में फिफ्टी और 4 विकेट हार्दिक पंड्या एक ही मैच में फिफ्टी लगाने का साथ 7 विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं. उन्होंने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ 51 रन बनाने के बाद 33 रन देकर 4 विकेट लिए थे. इस फॉर्मेट में वह ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय हैं.

पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट : हार्दिक पंड्या टी20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं. उन्होंने 8 पारियों में पाकिस्तान के खिलाफ 27.3 ओवर की गेंदबाजी की है. इसमें उन्होंने 15 विकेट चटकाए हैं. पाकिस्तान के खिलाफ 2023 विश्व कप के दौरान उन्होंने गेंद पर फूंक मारी थी और विकेट मिल गया था. वह मोमेंट काफी वायरल हुआ था.

नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप: हिमांशु जाखड़ ने नीरज चोपड़ा का मीट रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसियां। भुवनेश्वर

एशियाई अंडर-18 चैंपियन हिमांशु जाखड़ ने शुक्रवार को कलिंगा स्टेडियम में चल रही नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का 11 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया. इस शानदार प्रदर्शन के साथ हिमांशु ने 2026 वर्ल्ड अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया.

सऊदी अरब में अप्रैल में हुई एशियाई चैंपियनशिप में 67.57 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीतने वाले हिमांशु ने इस बार जबरदस्त सुधार दिखाते हुए पुरुष अंडर-18 क्वालिफिकेशन राउंड में 79.96 मीटर का थ्रो दर्ज किया. यह न केवल वर्ल्ड अंडर-20 क्वालिफिकेशन मार्क (68.50 मीटर) से कहीं बेहतर था, बल्कि नीरज चोपड़ा के 2014 में विजयवाड़ा में बनाए गए 76.50 मीटर के रिकॉर्ड से भी तीन मीटर अधिक रहा. इसी प्रतियोगिता में मोहित चौधरी ने अंडर-20 पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14:09.71 सेकंड का समय लेकर नया मीट रिकॉर्ड बनाया. वहीं ऐलिस विकल ने अंडर-16 लड़कियों की शॉट पुट क्वालिफिकेशन में 13.26 मीटर का थ्रो कर अलका सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड (13.10 मीटर) को पीछे छोड़ दिया. यह प्रदर्शन देश के जूनियर एथलीटों के शानदार उभार का संकेत है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए नई उम्मीदें जगा रहे हैं.

ब्रीफ न्यूज

अबुआ स्वास्थ्य मेला का आयोजन 13 से 18 तक

मरकच्चो (कोडरमा)। उपायुक्त के निदेशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरकच्चो में अबुआ स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाएगा. मेले से स्वास्थ्य सुविधा का लाभ ग्राम स्तर तक पहुंचाया जाना है. मेले का आयोजन 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक किया जाएगा. जिसमे सामान्य रोग,रक्तचाप, मधुमेह, महिला रोग,आंख, दांत, हड्डी, नस आदि बीमारियों का इलाज किया जाएगा.इस संबंध में सभी जनप्रतिनिधियों, पंचायत सचिव को अपने-अपने क्षेत्र में प्रचार प्रसार करते हुए ज्यादा से मरीजों को मेला में भेजने का आग्रह करने को कहा गया.

ट्रांसजेंडर समूह के लोगों को मिला पहचान पत्र

रामगढ़। उपायुक्त फैज एक अहमद मुमताज के निर्देश पर रामगढ़ जिला अंतर्गत ट्रांसजेंडर समूह के लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने के तहत विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं. इसी क्रम में शनिवार को टाउन हॉल रामगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त के द्वारा ट्रांसजेंडर समूह के लोगों को पहचान पत्र एवं पेंशन योजना से संबंधित पत्र प्रदान किया गया.

संदिग्ध हालात में 16 वर्षीय नाबालिग की मौत

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत कटिया गांव में शनिवार को एक 16 वर्षीय नाबालिग युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई. मृतक की पहचान देवघर जिले के रहने वाले धीरज के रूप में हुई है, जो अपनी बहन के घर कटिया आया हुआ था. परिजनों के अनुसार, धीरज चापाकल से पानी पीने गया था, जहां अचानक गिर पड़ा. आनन-फानन में उसे निजी क्लीनिक ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उमानाथ सिंह, पिकेट प्रभारी संजय सिंह एवं एसआई प्रतीत टोपनो मौके पर पहुंचे और परिजनों से पूछताछ की.

तिलैया डैम कोचिंग सेंटर में जांच की गई

चंदवारा (कोडरमा)। डीएसई अजय कुमार व चंदवारा सीओ अशोक कुमार भारती ने तिलैया डैम में संचालित सात आवासीय कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण शनिवार को किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोचिंग में रहने वाले बच्चों के आवासीय कक्ष, भोजन की गुणवत्ता, क्लास रूम आदि की जांच की. साथ हीं बच्चों से भी पूछताछ की. इस दौरान उन्होंने कोचिंग संचालकों को क्षमता से अधिक बच्चे नहीं रखने आदि कई निर्देश दिया. पूछताछ के दौरान डीएसई ने बताया कि तीन सदस्यीय जांच कमेटी के द्वारा जांच रिपोर्ट डीसी को सौंपा जायेगा.

नशीला पदार्थ बिक्री के मामले में दो गिरफ्तार

हजारीबाग। अवैध नशीला पदार्थ खरीद बिक्री मामले में लोहसिंघना थाना पुलिस को सूचना मिली है जिसमें दो अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. इस बाबत हजारीबाग पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि गुप्त सुचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति जेल रोड़ बाल सम्प्रेक्षण गृह पानी टंकी के पास अवैध नशीला पदार्थ का खरीद-बिक्री कर रहे हैं. एसपी अंजनी अंजन के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर हजारीबाग के नेतृत्व में एक छापामरी टीम का गठन किया गया. गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नियाजुद्दीन व मो० मुस्ताक को अवैध नशीला कफ सिरप एवं इंजेक्शन के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया.

उपायुक्त ऋतुराज ने डोमचांच नगर पंचायत और चंदवारा प्रखंड का किया निरीक्षण

अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

शुभम संदेश। कोडरमा

उपायुक्त ऋतुराज ने डोमचांच नगर पंचायत एवं चंदवारा प्रखंड का दौरा कर विभिन्न विकासात्मक योजनाओं और जनसुविधा से जुड़ी परियोजनाओं का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा. निरीक्षण की शुरुआत डोमचांच नगर पंचायत क्षेत्र से हुई, जहां उन्होंने सबसे पहले बस स्टैंड के लिए चिन्हित स्थल का जायजा लिया. उपायुक्त ने स्थल के समुचित विकास और बेहतर यातायात सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. इसके बाद उन्होंने रेफरल अस्पताल डोमचांच का निरीक्षण किया और अस्पताल को हैंडओवर करने से पूर्व सभी कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश कार्यपालक अभियंता एवं संवेदक को दिया. उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उसका समय पर सत्यापन कराने की भी बात कही.

नगर पंचायत अंतर्गत नव निर्मित एवं अर्द्धनिर्मित भवनों का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही. उन्होंने सब्जी मंडी के लिए प्रस्तावित वेंडिंग जोन का निरीक्षण किया और पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए. आगामी छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने शिवसागर तालाब का भी निरीक्षण किया और वहां की सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्य में तेजी लाने को कहा. इसके अलावा उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र में निर्माणाधीन अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट का निरीक्षण कर कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का आदेश दिया. चंदवारा प्रखंड अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने वहां प्रस्तावित ट्रामा सेंटर हेतु स्थल का भी जायजा लिया और समुचित योजना बनाकर कार्य शुरू करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया. इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, नगर प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा, कार्यपालक अभियंता समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि विकास योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कर क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएं.

जीटी रोड पर सैकड़ों की संख्या में होटल अपराध के अड्डे बन चुके हैं

चौपारण से लेकर चोरदाहा तक फैला है नशे का अवैध कारोबार

मुकेश सिंह। चौपारण

हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड स्थित जीटी रोड पर अवैध गतिविधियों का जाल तेजी से फैलता जा रहा है. चौपारण टोल टैक्स से लेकर चोरदाहा बॉर्डर तक सैकड़ों की संख्या में फैले होटल अब नशे और अपराध के अड्डे बन चुके हैं. स्थानीय सूत्रों और नागरिकों की मानें तो इन होटलों में रात होते ही अवैध कारोबार सक्रिय हो जाता है, जिसमें अफीम, गांजा, शराब और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी धड़ल्ले से की जा रही है. इन अवैध गतिविधियों का नेटवर्क केवल झारखंड तक सीमित नहीं है, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और जयपुर जैसे राज्यों तक फैला हुआ है. होटल के कमरों से मादक पदार्थों की खेप ट्रकों और निजी वाहनों के जरिए बाहर भेजी जाती है. भारी वाहनों की आवाजाही और जीटी रोड की व्यस्तता का लाभ उठाकर यह काला कारोबार लगातार फल-फूल रहा है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले यह क्षेत्र यात्रियों के ठहरने और खानपान के लिए जाना जाता था, लेकिन अब अधिकांश होटल आपराधिक गतिविधियों का केंद्र बन चुके हैं. इस वजह से न केवल क्षेत्र की छवि खराब हो रही है, बल्कि युवाओं पर भी इसका गहरा असर पड़ रहा है. कई युवक नशे की गिरफ्त में आकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं, जिससे सामाजिक और पारिवारिक तनाव भी बढ़ता जा रहा है. लोगों का आरोप है कि यह पूरा धंधा पुलिस और प्रशासन की नाक के नीचे लंबे समय से चल रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है. छिटपुट जांच और औपचारिक छापेमारी के अलावा कुछ नहीं किया गया, जिससे इन अपराधियों के हौसले बुलंद हैं. क्षेत्र की जनता अब प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग कर रही है. जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रशासन को एक विशेष अभियान चलाकर इस पूरे क्षेत्र में सघन छापेमारी करनी चाहिए.

अवैध रूप से चल रहे होटलों की गहन जांच कर उनके लाइसेंस की वैधता की पुष्टि की जाए. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अधिकतर होटल बिना लाइसेंस के ही संचालित हो रहे हैं. दोषियों को चिन्हित कर उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि आने वाले समय में यह क्षेत्र अपराध और नशे के जाल से मुक्त हो सके. यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो चौपारण-बरही-चोरदाहा मार्ग पर अवैध कारोबार की यह समस्या और भी गंभीर रूप धारण कर सकती है. प्रशासन, पुलिस और समाज के संयुक्त प्रयास से ही इस इलाके को फिर से सुरक्षित, स्वच्छ और शांतिपूर्ण बनाया जा सकता है.

प्रतापपुर पुलिस का छापा, राशन दुकान से अवैध शराब जब्त

प्रतापपुर/चतरा। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसते हुए प्रतापपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. बुधवार रात लगभग 10:00 बजे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिद्दा गांव में नवीन यादव की राशन दुकान पर छापा मारकर अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की. पुलिस ने मौके से अवैध रूप से शराब बेचते हुए दुकानदार नवीन यादव (पिता पांडा यादव) को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने मौके से तीन कार्टून गॉडफादर बीयर (कुल 36 पीस) और रॉयल स्टेज व्हिस्की की 7 बोतलें (180 मिली) बरामद की हैं.गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ प्रतापपुर थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है. पुलिस अवैध शराब कारोबार के अन्य लिंक्स की तलाश कर रही है.

कोडरमा में टीबी स्क्रीनिंग कैंप आयोजित

कोडरमा। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शनिवार को आयुष्मान आरोग्य मंदीर, पथलडीहा में टीबी के असुरक्षित समूहों में टीबी स्क्रीनिंग कैम्प आयोजित किया गया. कैम्प का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा टीबी बिमारी की खोज, पहचान एवं उपचार करना है. जिसमें हेण्डहेल्ड एक्स-रे मशीन द्वारा कुल 63 मरीजों का एक्स-रे किया गया, जिसमें कुल 03 मरीजों में टीबी का लक्षण पाया गया.

पुलिस को मिली बड़ी सफलता

चंदवारा क्षेत्र में अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद,एक गिरफ्तार

शुभम संदेश। चंदवारा (कोडरमा)

चंदवारा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. ज्ञात हो कि चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम थाम से अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद हुई है. गुप्त सूचना के आधार पर चंदवारा थाना क्षेत्र के थाम में अवैध अंग्रेजी शराब के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया गया. छापेमारी के दौरान थाम निवासी अमित कुमार एवं महेश रजक के घर से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई. इस बाबत बताया गया कि इनलोगो द्वारा अपने अपने घरों में काफी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब का भंडारण कर परिवहन एवं बिक्री हेतु रखा गया था. सूचना के आधार पर चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया. उक्त टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त लोगो के घरों पर बारी बारी से छापपामारी की गयी, छापेमारी के क्रम में अमित कुमार के घर से विभिन्न ब्रांड व विभिन्न मात्रा के कुल 104 बोतल अंग्रेजी शराब/बीयर बरामद किया गया, जिस संदर्भ में अमित कुमार द्वारा कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया, तत्पश्चात अमित कुमार को गिरफ्तार किया गया. तत्पश्चात महेश रजक के पर छापामारी की गयी, जहां पुलिस को देखकर महेश रजक भागने में सफल हो गया. महेश रजक के घर से विभिन्न ब्रांड व विभिन्न मात्रा के कुल 129 बोतल अंग्रेजी शराब/बीयर बरामद किया गया. छापेमारी में कुल 233 बोतल अंग्रेजी शराब/बीयर बरामद किया गया. इस संबंध में चंदवारा थाना कांड सं० 80/25 धारा 274/ 275/3(5) बी०एन०एस० एवं 47 (a) उत्पाद अधिनियम दर्ज करते हुए अभियुक्त अमित कुमार, उम्र 25 वर्ष, पिता त्रिलोकी धोबी, साकिन थाम, थाना चंदवारा को जेल भेज दिया गया.

विकास तभी सार्थक होगा जब उसमें न्याय और संवेदनशीलता दोनों शामिल हों: मुन्ना सिंह

शुभम संदेश। हजारीबाग

नगर निगम द्वारा पिछले कई दिनों से चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान फुटपाथ दुकानदारों को हो रही परेशानियों को लेकर पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने शनिवार को नगर आयुक्त से मुलाकात किया. इस दौरान मुन्ना सिंह ने नगर आयुक्त को विस्तारपूर्वक जानकारी दी कि कैसे अभियान के दौरान छोटे और गरीब दुकानदारों की रोज़ी-रोटी प्रभावित हो रही है. उन्होंने जोर देकर कहा कि शहर की सफाई और सुव्यवस्था ज़रूरी है, लेकिन इसके साथ-साथ उन लोगों की आजीविका, सम्मान और मानवता का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए.नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई माननीय हाईकोर्ट के आदेश के तहत की जा रही है और नगर निगम की निर्धारित सीमा रेखा से बाहर दुकानों की अनुमति नहीं दी जा सकती.

उन्होंने यह भी बताया कि फुटपाथ दुकानदार संघ को तीन दिन का समय दिया गया है, ताकि सभी दुकानदार चिन्हित स्थानों पर ही अपनी दुकानें लगा सकें. साथ ही, सोमवार को फुटपाथ संघ के साथ बैठक कर एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया है. मुन्ना सिंह जी ने मुलाकात के दौरान कहा कि विकास तभी सार्थक होगा जब उसमें न्याय और संवेदनशीलता दोनों शामिल हों. उन्होंने शहर की सफाई, कचरा प्रबंधन और बाजार क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था पर भी नगर आयुक्त के साथ विस्तार से चर्चा किया. पूर्व प्रत्याशी ने जनता की आवाज़ को सर्वोपरि रखते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा लोगों के संघर्ष और हित के साथ खड़ी रही है. उन्होंने हजारीबाग को स्वच्छ, सुंदर और संवेदनशील बनाने का साझा संकल्प दोहराया, ताकि विकास और इंसानियत दोनों साथ-साथ कायम रह सकें. गरीब फुटपाथ दुकानदार संघ अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता संतोष कुमार गुप्ता मोहम्मद सलीम मोहम्मद इम्तियाज शहादत अंसारी जय मंगल पांडे रविंद्र महतो विजय गुप्ता कुंती देवी गीता देवी शांति देवी और भी कई दुकानदार मौजूद थे.

टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में छात्र परिषद का चुनाव संपन्न

रामगढ़। चितरपुर प्रखण्ड के सुकरीगढ़ा लारी स्थित डॉ एस राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सभागार में शनिवार को बीएड प्रशिक्षुओं के बीच छात्र परिषद 2025-26 के चुनाव संपन्न हुए. इस चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए करण कुमार, उपाध्यक्ष अनिल कुमार, सचिव प्रिया सिंह, उप-सचिव संगीता कुमारी, कोषाध्यक्ष संजय कुमार तथा उपकोषाध्यक्ष यशोदा कुमारी चुने गए. छात्र सम्मान समारोह में कक्षा में श्रेष्ठ उपस्थिति के लिए 99 प्रतिशत उपस्थिति के साथ मंजुला पटेल, सतेन्द्र कुमार, नेन्सी कुमारी, पल्लवी शर्मा, करिश्मा कुमारी एवं करण कुमार का सम्मान महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव संजय कुमार प्रभाकर, प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार उपाध्याय एवं शिक्षकों द्वारा किया गया. संजय कुमार प्रभाकर ने घोषणा की कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग द्वारा आयोजित परीक्षा में विश्वविद्यालय सर्वोच्च श्रेणी से उत्तीर्ण होने वाले बीएड प्रशिक्षुओं को लैपटॉप पुरस्कार स्वरूप दिया जाएगा.

एक नजर

झरिया में 13 अक्टूबर को धन्यवाद करो अपने माता-पिता का कार्यक्रम

- भाविन जे. शाह करेंगे युवाओं को मोटिवेट

शुभम संदेश। झरिया

मारवाड़ी सम्मेलन झरिया द्वारा आगामी 13 अक्टूबर (सोमवार) को धन्यवाद करो अपने माता-पिता का शीर्षक से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इसकी जानकारी बालिका विद्या मंदिर परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी गई. सम्मेलन अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज में पारिवारिक मूल्यों, सेवा, संस्कार और कर्तव्यबोध को मजबूत करने के उद्देश्य से रखा गया है. उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी तेजी से माता-पिता और पारिवारिक जड़ों से दूर हो रही है, जिससे रिश्तों में खटास, अकेलापन और अवसाद जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं. कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर भाविन जे. शाह (सूरत) मुख्य वक्ता होंगे, जो नई पीढ़ी को माता-पिता के बलिदान को समझने, उनके प्रति आभार प्रकट करने और कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करेंगे. यह आयोजन न सिर्फ धन्यवाद कहने का बल्कि अपने व्यवहार में अनुशासन, समर्पण और संस्कृति को अपनाने का संदेश देगा. कार्यक्रम शाम 4 बजे से शुरू होगा और यह श्री अग्रसेन महाराज जी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है. मौके पर हरीश राठी, सीए दीपक अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, सत्यनारायण भोजगाड़िया, मोहित अग्रवाल, महेश जलूका, अमित अग्रवाल समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे.

हर घर स्वदेशी–घर घर स्वदेशी सम्मेलन की तैयारी में भाजपाई

शुभम संदेश। गोमो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प को सशक्त करने के उद्देश्य को लेकर शनिवार को गोमो साउथ कॉलोनी दुर्गा मंडप में हर घर स्वदेशी – घर घर स्वदेशी विषय पर एक प्रेरणादायक तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन किया गया. अध्यक्षता गोमो मंडल महामंत्री सत्यनारायण बरनवाल, संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील मंडल व धन्यवाद ज्ञापन किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री एवं सहसंयोजक हीरामन नायक ने किया. बैठक कार्यक्रम में विधानसभा सम्मेलन के संयोजक एवं नि-वर्तमान जिला अध्यक्ष ज्ञान रंजन सिन्हा ने बताया कि घटी हुई जी एसटी दरें (0% से 18%) स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने और स्थानीय व्यापार को सशक्त करने में सहायक सिद्ध हो रही हैं. उन्होंने कहा कि यह अभियान आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है. आगामी विधानसभा सम्मेलन 16 अक्टूबर को आयोजित किया गया है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह और मुख्य वक्ता के रूप में बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो होंगे. कार्यक्रम को जिला संयोजक एवं जिला महामंत्री मनोज मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी नीलकंठ रवानी, मनोज कुमार रजक, राम प्रवेश प्रसाद, लतिका देवी, शक्ति पद मिश्रा सहित भाजपा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर कार्यक्रम आयोजित, छात्राओं ने निकाली प्रभात फेरी

शुभम संदेश। बोकारो

प्रखंड अंतर्गत सियारी पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय डुमरी में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख प्रमिला चौड़े, बीडीओ महादेव कुमार महतो और मुखिया रामबृक्ष मुर्मू सहित कई पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे. इस अवसर पर प्रमुख प्रमिला चौड़े ने कहा कि बेटी को शिक्षित करने से पूरा घर शिक्षित होता है और वे आज देशहित में कई क्षेत्रों में कार्य कर रही है. बीडीओ महादेव कुमार महतो ने कहा कि बालिका को शिक्षित करने के लिए सरकार की ओर से कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और उन्हें प्रोत्साहित भी किया जा रहा है. इसके लिए उन्हें जागरूक करने की आवश्यकता है. आज देश के हर क्षेत्र में बालिकाएं आगे बढ़कर कार्य कर रही हैं. इसी क्रम में नेहरू उच्च विद्यालय स्वांग की छात्राओं द्वारा भी प्रभात फेरी निकाली गई. यह फेरी विद्यालय से शुरू होकर कोठीटांड़, केन्दुआ कोचा, स्वांग वनबी मार्केट से होकर स्वांग दक्षिणी पंचायत सचिवालय में समाप्त हुई. प्रभात फेरी के दौरान छात्रों ने बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ, जिस घर में होता है बेटी का सम्मान, वह घर होता है स्वर्ग के समान सहित कई उद्घोषों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया. प्रधानाध्यापिका तारामणि कश्यप ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस यह संदेश देता है कि लड़कियां केवल भविष्य की आशा नहीं, बल्कि आज बदलाव लाने की असली शक्ति हैं. मौके पर पूर्व मुखिया धनंजय सिंह, शिक्षिका रश्मि जैन, शोभा साहनी, श्वेता कुमारी, बबीता कुमारी सहित कई शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थीं.

पूर्वी टुंडी में वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान

टुंडी। पूर्वी टुंडी प्रखंड अध्यक्ष योगेश कुमार रजक के नेतृत्व में चुरुड़िया पंचायत के पदनीटांड गांव में शनिवार को वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. कार्यक्रम में धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि यह अभियान जनता के अधिकारों की रक्षा करने और जनादेश की लूट के खिलाफ कांग्रेस की आवाज है. उन्होंने कहा लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा और जनता की आवाज दबाने वाली ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि जनता का वोट जनता का हक है, इसे कोई छीन नहीं सकता. यह हस्ताक्षर अभियान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संकल्प को ज़मीनी स्तर पर मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. कार्यक्रम में पंचायत अध्यक्ष चांद मुर्मू, मंडल अध्यक्ष प्रदीप मुर्मू, रूपचांद हेंब्रम, मुरली रामदा, प्रमेश्वर हांसदा, योगेश्वर बासकी, मोहन दास, निरुमल रक्षित, शंभू दास, बीलास दास, किशन दास, देवरंजन दास सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया. सभी ने जिलाध्यक्ष संतोष सिंह का जोरदार स्वागत किया.

पेज तीन का शेष

मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ....

हालांकि, इस मामले पर पुलिस या मेडिकल कॉलेज प्रशासन के अधिकारियों ने कोई टिप्पणी नहीं की है. पुलिस ने केवल यह बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है और जाँच शुरू कर दी गई है. जिस सहपाठी छात्र के साथ छात्रा अस्पताल के बाहर गई थी, उससे पुलिस पूछताछ कर रही है.

पीड़िता के पिता ने बताया कि बेटी को डॉक्टरी पढ़ने के लिए दुर्गापुर भेजा था. उसके साथ इस तरह का जघन्य कृत्य होगा, यह मैंने कभी नहीं सोचा था. वर्तमान हालात को देखते हुए मैं अपनी बेटी को अब यहाँ आगे नहीं पढ़ाऊँगा. खबर पाकर राष्ट्रीय महिला आयोग इस घटना का संज्ञान लेते हुए दुर्गापुर आ रहा है. आयोग की टीम पीड़िता से मुलाकात कर पूरे मामले पर बातचीत करेगी.यह उल्लेखनीय है कि अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी मौत की घटना ने पूरे राज्य में तूफान खड़ा कर दिया था. दुर्गापुर की यह नई घटना एक बार फिर से उस दर्दनाक प्रकरण की यादें ताजा कर रही है. नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राज्य महासचिव सरदार दलजीत सिंह ने प्रशासन से तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है.

झारखंड हाईकोर्ट के इस फैसले ने साफ....

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आलम ने उनके पिता पर आलम के नाम पर संपत्ति दर्ज करने का दबाव डाला और जब अनुरोध ठुकरा दिया गया, तो उन्होंने घरेलू हिंसा का सहारा लिया.

पारिवारिक न्यायालय के निष्कर्ष : सुनवाई के दौरान, डॉ. आलम ने यह भी स्वीकार किया कि उनकी दूसरी शादी के दौरान उनकी पहली पत्नी जीवित थीं. न्यायालय ने यह भी पाया कि उन्होंने विवाह पंजीकरण के समय यह तथ्य छिपाया था. सबसे पहले, आलम ने स्वयं कहा कि उनकी दूसरी शादी वैध नहीं थी ताकि उन्हें भरण-पोषण भत्ता न देना पड़े. फिर, वह अपनी बात से पलट गया और अपनी दूसरी पत्नी को वापस लाने के लिए शादी को वैध करार दिया. पारिवारिक न्यायालय ने आलम की याचिका खारिज कर दी और उसकी दूसरी शादी को विशेष विवाह अधिनियम की धारा 4(ए) के तहत अवैध घोषित कर दिया.

रामगढ़ उप विकास आयुक्त ने मायल और बोरोबिंग पंचायत का किया निरीक्षण

विकास कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाएगा

शुभम संदेश। रामगढ़

रामगढ़ जिले के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) आशीष अग्रवाल ने चितरपुर प्रखंड का दौरा कर मायल और बोरोबिंग पंचायतों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया. इस दौरान उन्होंने मनरेगा, अबुआ आवास योजना तथा दीदी बाड़ी योजना के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए. डीडीसी आशीष अग्रवाल ने कहा कि विकास योजनाओं का मुख्य उद्देश्य जनकल्याण है, इसलिए कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभुकों तक बिना किसी बाधा के समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें. मनरेगा योजना के तहत रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक लोगों को काम उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने की बात भी डीडीसी ने कही. डीडीसी ने आवास योजना के अंतर्गत निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय सीमा में पूरा होने पर भी विशेष जोर दिया. उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना को निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है ताकि आम जनता को बेहतर जीवन स्तर मिल सके. इसके साथ ही उन्होंने कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के लिए इंटरक्रॉपिंग पद्धति अपनाने की सलाह दी, जिससे किसानों की आमदनी में सुधार हो सके.

मायल और बोरोबिंग पंचायतों के लाभुकों से संवाद करते हुए डीडीसी ने सरकारी योजनाओं के लाभों के बारे में जानकारी ली और उन्हें इन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्होंने कहा कि सरकार की ये योजनाएं जनसामान्य के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं, इसलिए लाभुकों को पूरी जागरूकता के साथ इनका उपयोग करना चाहिए. इसके अलावा, डीडीसी ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय चितरपुर का भी निरीक्षण किया और वहां आम लोगों को मिलने वाली विभिन्न सरकारी सेवाओं की समीक्षा की. उन्होंने कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को भी बेहतर सेवा प्रदान करने और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए. इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपक मिंज, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी (मनरेगा) विजय कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद थे. उन्होंने डीडीसी के निर्देशों का पूर्ण पालन करने और योजनाओं को सफलता पूर्वक पूरा करने का संकल्प लिया. डीडीसी आशीष अग्रवाल ने सभी अधिकारियों और कर्मियों से कहा कि वे अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदारी और जिम्मेदारी का परिचय दें और हर योजना में गुणवत्ता तथा पारदर्शिता को प्राथमिकता दें, ताकि विकास कार्यों का वास्तविक लाभ आम जनता तक पहुंच सके.

न्यूज अपडेट

वेनेजुएला-अमेरिका विवाद पर यूएनएससी में आपात बैठक

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को वेनेजुएला के अनुरोध पर आपात बैठक आयोजित की गई, जिसमें अमेरिका और वेनेजुएला के बीच जमकर बहस हुई. वेनेजुएला की मादुरो सरकार ने आरोप लगाया कि अमेरिका उसके खिलाफ सशस्त्र हमला करने की साजिश रच रहा है. इसके जवाब में अमेरिका ने स्पष्ट किया कि उसका अभियान ड्रग कार्टेल के खिलाफ है और उसका उद्देश्य वेनेजुएला की संप्रभुता का हनन नहीं है. वेनेजुएला ने दावा किया है कि हाल ही में अमेरिकी हमलों में उसकी चार नौकाओं को निशाना बनाया गया, जिनमें 21 लोगों की मौत हो गई. वेनेजुएला ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन और संप्रभुता पर हमला बताया.

उत्तर कोरिया ने मनाई सत्तारूढ़ पार्टी की 80वीं वर्षगांठ

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के नेतृत्व में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की 80वीं वर्षगांठ पर भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया गया. शुक्रवार रात बारिश के बीच शुरू हुई इस परेड में किम जोंग-उन और विदेशी नेताओं की मौजूदगी में देश की सैन्य ताकत का जोरदार प्रदर्शन किया गया. सबसे बड़ा आकर्षण एक नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल ह्वासोंग-20 रही, जिसे उत्तर कोरिया की ₹सबसे शक्तिशाली परमाणु रणनीतिक हथियार प्रणाली₹ बताया गया है. यह मिसाइल अब तक परीक्षण नहीं की गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार आने वाले हफ्तों में इसका परीक्षण किया जा सकता है. इसके अलावा परेड में कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें, क्रूज मिसाइलें और सुपरसोनिक हथियार भी शामिल रहे, जिन्हें दक्षिण कोरिया पर परमाणु हमला करने में सक्षम बताया गया है.

जापान को मिलने जा रही पहली महिला प्रधानमंत्री, साने ताकाइची

टोक्यो। मार्गरेट थैचर से प्रेरित होकर देश सेवा का सपना देखने वाली साने ताकाइची अब जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने की ओर अग्रसर हैं. 18 साल की उम्र में थैचर के नेतृत्व से प्रभावित होकर ताकाइची ने देश की राजनीति में कदम रखने का निर्णय लिया था. आज, 46 साल बाद, वह सपना साकार होने जा रहा है. हाल ही में ताकाइची को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) का नेता चुना गया है और 15 अक्तूबर को उनके प्रधानमंत्री बनने की पूरी संभावना है. साने ताकाइची का जन्म 7 मार्च 1961 को नारा राज्य में हुआ था. उनके पिता टोयोटा कंपनी में कार्यरत थे, जबकि मां पुलिस विभाग में थीं. ताकाइची ने कोबे विश्वविद्यालय से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की और बाद में अमेरिकी कांग्रेस में फेलोशिप के दौरान अनुभव अर्जित किया. तीन दशकों से अधिक के राजनीतिक करियर में उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाईं.

सेबेस्टियन लेकोर्नू को एक बार फिर प्रधानमंत्री नियुक्त

फ्रांस । जारी राजनीतिक संकट के बीच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सेबेस्टियन लेकोर्नू को एक बार फिर प्रधानमंत्री नियुक्त किया है. हाल ही में लेकोर्नू ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया था, जिसके बाद देश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी. इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति मैक्रों पर इस्तीफा देने और संसद भंग करने का दबाव बढ़ने लगा, लेकिन उन्होंने पद छोड़ने से इनकार करते हुए लेकोर्नू को दोबारा सरकार बनाने का जिम्मा सौंपा. लेकॉर्नू की पुनः नियुक्ति कई दौर की गहन बातचीत के बाद हुई. उन्होंने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि उन्होंने यह जिम्मेदारी कर्तव्य की भावना से स्वीकार की है. उनका लक्ष्य वर्ष के अंत तक देश को बजट देना और आम लोगों की समस्याओं का समाधान करना है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी नई कैबिनेट में शामिल किसी भी सदस्य को 2027 में राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी नहीं करनी होगी. उन्होंने वादा किया कि नई सरकार नवीनीकरण, कुशलता और विविधता को प्राथमिकता देगी.

खारतूम । अल-फाशर में तीन दिनों में 53 नागरिकों की मौत

खारतूम। सूडान के पश्चिमी हिस्से में स्थित अल-फाशर शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों में हुए भीषण संघर्ष में तीन दिनों के भीतर कम से कम 53 नागरिकों की जान चली गई, जबकि 60 से अधिक घायल हुए हैं. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने यह जानकारी देते हुए चेतावनी दी है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है. संघर्ष में पैरामिलिट्री समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स द्वारा अबु शौक और दाराजा औला इलाकों में किए गए ड्रोन और तोपखाने के हमलों में 46 नागरिक मारे गए. इनमें से कई लोग उस समय मारे गए जब अल-फाशर के एकमात्र कामकाजी अस्पताल पर गोले दागे गए. इस हमले में पास की मस्जिद को भी निशाना बनाया गया, जहां लोग शरण ले रहे थे. इसके अलावा, आरएसएफ की जमीनी कार्रवाई के दौरान कम से कम सात लोगों की जातिगत हत्या की गई. यूएन प्रमुख टर्क ने कहा कि यह युद्ध कानूनों का गंभीर उल्लंघन है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है.

राष्ट्रपति मुर्मु ने किए भगवान द्वारकाधीश के दर्शन

एजेंसी। गांधीनगर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुजरात के द्वारका पहुंची. उन्होंने द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के चरणों में शीश झुकाकर दर्शन किए. राष्ट्रपति ने भगवान द्वारकाधीश से भारत के नागरिकों के सुख, शांति और समृद्धि के लिए हृदयपूर्वक प्रार्थना की. उन्होंने भक्तिभाव से शास्त्रोक्त विधि अनुसार पादुका पूजन कर धन्यता का अनुभव किया. इस अवसर पर द्वारकाधीश मंदिर में पर्यटन मंत्री मूलुभाई बेर, जिला कलेक्टर राजेश तन्ना, रेंज आईजी अशोककुमार यादव, पुलिस अधीक्षक जयराजसिंह वाला, प्रांत अधिकारी अमोल आवटे, प्रशासक तथा नायब कलेक्टर हिमांशु चौहान ने राष्ट्रपति का ऊपरणा, द्वारका मंदिर की प्रतिकृति, फूल और तुलसी से निर्मित "अनुग्रहम" अगरबत्ती, गोल्ड प्लेटेड द्वारकाधीश का स्वरूप तथा प्रसाद भेंट कर स्वागत किया. राष्ट्रपति के साथ उनकी पुत्री इतिश्री मुर्मु और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे.

17 साल बाद लौटेंगे तारिक रहमान, बांग्लादेश में चुनाव लड़ने की घोषणा

ग्रेनेड हमला मामले में हुए बरी

एजेंसियां । ढाका

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने 17 साल के लंबे स्व-निर्वासन के बाद देश लौटने के संकेत दिए हैं. उन्होंने कहा है कि वह आगामी आम चुनावों में हिस्सा लेंगे और जनता को तय करने देंगे कि उन्हें प्रधानमंत्री बनाया जाए या नहीं. तारिक रहमान ने लंदन से बीबीसी बांग्ला को दिए गए इंटरव्यू में कहा, "कुछ वाजिब कारणों से मेरी वापसी नहीं हो पाई, लेकिन अब समय आ गया है और इंशाअल्लाह मैं जल्द ही लौटूंगा." उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह फरवरी 2026 में प्रस्तावित आम चुनाव लड़ेंगे. गौरतलब है कि तारिक रहमान 2008 से लंदन में स्व-निर्वासन में रह रहे हैं. वह बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और देश के पूर्व राष्ट्रपति जनरल जिया उर रहमान के बेटे हैं. 2001 से 2006 तक जब उनकी मां प्रधानमंत्री थीं, तारिक को पार्टी और सरकार दोनों का 'पावर सेंटर' माना जाता था. उन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध रखने, भारत विरोधी आतंकवादी संगठनों को समर्थन देने, विपक्ष को निशाना बनाने की साजिश रचने और बांग्लादेश की धरती पर विद्रोही गतिविधियों को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं. विशेष रूप से, 21 अगस्त 2004 को अवामी लीग की नेता शेख हसीना पर हुए ग्रेनेड हमले की साजिश में भी उनका नाम सामने आया था.

इसी हमले और 2004 के चटगांव हथियार तस्करी मामले में रहमान के खिलाफ मुकदमे दर्ज हुए थे. इसके अलावा, 2007 में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला भी

दर्ज हुआ था, जिसमें 2023 में एक अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए 9 साल की सजा सुनाई थी. हालांकि, शेख हसीना के इस्तीफे के बाद परिस्थितियों ने नाटकीय मोड़ लिया. शेख हसीना ने अगस्त 2024 में देशव्यापी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़ दिया. इसके बाद, दिसंबर 2024 में बांग्लादेश हाई कोर्ट ने 2004 के ग्रेनेड हमला मामले में तारिक रहमान सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया. इस फैसले को सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा, जिससे रहमान के देश लौटने का रास्ता साफ हो गया. तारिक रहमान की मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया इस समय अस्वस्थ हैं, ऐसे में बीएनपी की पूरी कमान तारिक के हाथ में है. रहमान ने 2024 में छात्र आंदोलनों के दौरान शेख हसीना सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर तीखे बयान दिए थे और सरकार पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए थे. अब जब उनके खिलाफ प्रमुख आपराधिक आरोप हट चुके हैं, रहमान की देश वापसी और चुनावी राजनीति में सक्रिय भागीदारी बांग्लादेश की राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकती है. यदि बीएनपी को जनता का समर्थन मिलता है, तो तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनने का सपना भी साकार हो सकता है.

चेन्नई एयरपोर्ट पर टला हादसा इंडिगो की विंडशील्ड में आई दरार

चेन्नई। तमिलनाडु में शुक्रवार देर रात उस वक्त एक बड़ा हवाई हादसा टल गया, जब मदुरई से चेन्नई आ रहे एक प्राइवेट एयरलाइन के विमान की विंडशील्ड उड़ान के दौरान ही चिटक गई. पायलट की सतर्कता और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की तत्परता से विमान को सुरक्षित लैंड करा लिया गया. विमान में कुल 79 यात्री सवार थे. इंडिगो एयरलाइंस का एक छोटा एटीआर यात्री विमान मदुरई एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी. लैंडिंग से कुछ देर पहले पायलट की नजर कॉकपिट के शीशे पर गई, जिसमें दरार दिखाई दी. स्थिति को गंभीर समझते हुए पायलट ने तुरंत इसकी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को दी. सूचना मिलते ही एटीसी की टीम तुरंत सक्रिय हो गई और विमान को सुरक्षित लैंड कराने के लिए सभी आवश्यक निर्देश दिए. थोड़ी देर बाद विमान को चेन्नई एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया. हादसे के समय विमान में मौजूद सभी 79 यात्री सुरक्षित हैं. विमान शुक्रवार रात 10.07 बजे मदुरै से चेन्नई के लिए रवाना हुआ, जिसमें 74 यात्री और पांच चालक दल के सदस्य सवार थे. जब विमान चेन्नई की ओर उड़ान भर रहा था, तब विंडशील्ड पर हल्की खरोंचें देखी गईं. पायलट यह देखकर चौंक गया और उसने तुरंत चेन्नई हवाई अड्डे के नियंत्रण कक्ष के अधिकारियों से संपर्क किया और उन्हें सूचित किया. इसके बाद चेन्नई हवाई अड्डे के नियंत्रण कक्ष के अधिकारियों ने विमान को चेन्नई में सुरक्षित रूप से उतरने का आदेश दिया. दिल्ली स्थित नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं.

बंगाल में बाढ़ और भूस्खलन से मौतों का आंकड़ा 40 तक पहुंचा

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के उत्तरी जिलों में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है. पिछले 24 घंटों में एक और शव बरामद होने के बाद यह आंकड़ा बढ़ा है. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और दार्जिलिंग व जलपाईगुड़ी जिला प्रशासन के ताजा आंकड़ों के अनुसार गुरुवार सुबह तक मौतों की संख्या 39 थी. जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि जलपाईगुड़ी जिले के नागरा काटा क्षेत्र के बामुंडांगा स्थित तुडू चाय बागान के पास एक महिला का शव नदी में मिला. मृतका की अब तक पहचान नहीं हो सकी है. इधर, पहाड़ी और तराई-डुआर्स क्षेत्रों में लोगों ने शिकायत की है कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण उनके कई जरूरी पहचान पत्र और महत्वपूर्ण दस्तावेज बह गए या नष्ट हो गए हैं.

इस समस्या को देखते हुए राज्य सरकार ने विशेष शिविर लगाने का निर्णय लिया है, ताकि प्रभावित लोगों को नए दस्तावेज प्राप्त करने में सहायता मिल सके. जलपाईगुड़ी से सटे अलीपुरद्वार जिले में जिला पुलिस प्रशासन ने पहले ही कुछ मोबाइल शिविर शुरू कर दिए हैं. अलीपुरद्वार के पुलिस अधीक्षक वाई. रघुवंशी ने शनिवार को बताया, वर्तमान स्थिति में लोगों के लिए थाने तक पहुंचना कठिन है. इसलिए हमने मोबाइल शिविर शुरू किए हैं, जहां लोग अपने दस्तावेजों के नुकसान की शिकायत

दर्ज करा सकते हैं. ये शिविर तब तक जारी रहेंगे जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते. इस बीच, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों के जंगलों से सटे इलाकों में एक और खतरा मंडरा रहा है. बाढ़ के बाद जंगलों में भोजन की कमी के कारण जंगली जानवर अब रिहायशी इलाकों की ओर आ सकते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका बढ़ गई है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 13 अक्टूबर को एक बार फिर उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी. इस बार उनका दौरा केवल पहाड़ी इलाकों तक सीमित रहेगा. इससे पहले इस सप्ताह उन्होंने उत्तर बंगाल के मैदानी इलाकों का निरीक्षण किया था.

नक्सलियों की आईईडी विस्फोट से कोबरा बटालियन का एक जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में ताडापल्ला इलाके में नक्सलियों के लगाए गए आईईडी विस्फोट में शनिवार को कोबरा बटालियन 206 की टीम नंबर 11 के हेड कांस्टेबल (जीडी) दीपक दूले घायल हो गए. तैनात अन्य जवानों ने तुरंत प्राथमिक उपचार के बाद घायल जवान दीपक को बीजापुर अस्पताल भेज दिया है, उसका उपचार जारी है. बीजापुर एसपी ने घटना की पुष्टि की है. कोबरा बटालियन 206 की टीम के जवान सुबह के समय ताडापल्ला के पास नए स्थापित एफओबी (फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस) कैंप के निकट एरिया डोमिनेशन और डेप्थ प्रोटेक्शन ड्यूटी पर तैनात थे. इसी दौरान सुबह लगभग 8 बजे नक्सलियों के पहले से लगाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से जवान दीपक दूले घायल हो गए. घटना के तुरंत बाद आसपास तैनात सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभालते हुए इलाके को घेर लिया और घायल जवान को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए रवाना किया. फिलहाल घायल जवान की हालत सुरक्षित बताई जा रही है और पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है. बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि विस्तृत जानकारी अभी प्रतीक्षित है, क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है.

युद्धविराम के बाद सैनिकों के पीछे हटते ही हजारों फिलिस्तीनी घर लौटे

एजेंसियां । गाजा पट्टी

गाजा पट्टी में शुक्रवार को युद्धविराम के प्रभावी होते ही इजराइल की सेना ने पीछे हटना शुरू कर दिया. इस दौरान हजारों फिलिस्तीनी अपने घर लौट आए. अपने शहरों में हुए विनाश को देखकर वह निराश महसूस कर रहे हैं. युद्धविराम लागू होते ही बिना एक पल गंवाए हजारों फिलिस्तीनियों ने गाजा के दक्षिण से गाजा शहर की ओर लंबी और धूल भरी पैदल यात्रा शुरू की. रास्ते में खंडहरों में तब्दील शहर देखकर लोगों की आंखें फटी की फटी रह गईं. सीएनएन न्यूज चैनल के प्रसारण में घरवापसी पर व्यापक चर्चा की गई है. सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद से इस पट्टी में युद्ध छिड़ गया था. इससे उत्तरी गाजा की लगभग पूरी आबादी विस्थापित हो गई थी. पिछले दो वर्षों में यह इलाका मलबे में तब्दील हो चुका है. रिपोर्ट के अनुसार, हवाई फुटेज में सिर्फ खंडहर नजर आ रहे हैं. वहां न तो कोई बुनियादी ढांचा है, न बिजली और न ही पानी की कोई व्यवस्था. अहमद अबू वत्फा ने कहा, ₹मैं दुआ करता हूं कि अल्लाह हमारे दुख और तकलीफ दूर करे और लोग अपने घरों को लौट जाएं. अगर घर तबाह भी हो जाएं, तो भी अल्लाह की मर्जी से हम लौटेंगे.₹ अबू लौटे तो हैं पर उन्होंने शेख रादवान के यहां पनाह ली है. उन्होंने कहा कि बेहद खुशी हो रही है, हालांकि उन्हें पता है कि शायद अब उनके लिए घर जैसा कुछ भी नहीं है. इस बीच इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के एक प्रवक्ता ने कहा कि लोगों को तटीय अल-रशीद स्ट्रीट और गाजा पट्टी के केंद्र में सलाह अल-दीन रोड के जरिए दक्षिण से उत्तर की ओर जाने की अनुमति दी गई है.

श्रीलंका से 47 मछुआरों की रिहाई और पांच मशीनीकृत नौकाओं की वापसी की मांग पर अड़ा

रामेश्वरम के मछुआरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

एजेंसियां । रामनाथपुरम

श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 47 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने और पांच मशीनीकृत नौकाओं को ज़ब्त किए जाने के बाद रामेश्वरम के मछुआरे शनिवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं. मछुआरा संघों ने केंद्र एवं तमिलनाडु सरकार से गिरफ्तार मछुआरों की रिहाई और श्रीलंका से नौकाओं को वापस लाने में हस्तक्षेप करने की की मांग कर रहे हैं. मछुआरा संघों ने केंद्र सरकार से इस संबंध में द्वीपीय राष्ट्र के साथ राजनयिक वार्ता शुरू करने और सीमा पार मछली पकड़ने के बार-बार होने वाले विवादों का स्थायी समाधान निकालने का आग्रह भी किया है. दरअसल, आठ अक्टूबर

को मछुआरे रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम के मछली पकड़ने वाले बंदरगाह से 300 से ज़्यादा नावों में सवार होकर समुद्र में गए थे. जब वे थलाईमन्नार और धनुषकोडी के बीच मछली पकड़ रहे थे, तभी श्रीलंकाई नौसेना वहां पहुंची और रामेश्वरम से 4 नावों और उनमें से 30 मछुआरों को यह दावा करते हुए गिरफ्तार कर लिया कि वे सीमा पार से मछली पकड़ रहे थे. गिरफ्तार किए गए मछुआरों को श्रीलंका की मन्नार अदालत में पेश किया गया.

मछुआरों की सुनवाई करने वाली अदालत ने 30 मछुआरों को 23 तारीख अक्टूबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया. इस आदेश के बाद रामेश्वरम के सभी 30 मछुआरों को श्रीलंका में कैद कर लिया गया. इसी तरह, श्रीलंकाई नौसेना ने श्रीलंका के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र नेदुनथीवु में मछली पकड़ रहे तमिलनाडु के 17 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें कांकेसंथुराई नौसैनिक शिविर ले गई. उनकी एक नाव भी ज़ब्त कर ली गई. एक ही रात में 5 मछली पकड़ने वाली नावों और 47 मछुआरों की गिरफ़्तारी की घटना से रामेश्वरम के मछुआरों में भारी आक्रोश फैल गया. और फिर वे केंद्र और राज्य सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग को लेकर अनिश्चिकालीन हड़ताल पर चले गए. मछुआरों हड़ताल पर चले जाने की वजह से 700 से ज़्यादा मछली पकड़ने वाली नावें रामेश्वरम बंदरगाह पर लंगर डालकर खड़ी हैं. 5 हज़ार से ज़्यादा मछुआरे और 10 हज़ार से ज़्यादा मछली पकड़ने के उद्योग से जुड़े लोग (मज़दूर) फिलहाल बेरोजगार हो चुके हैं. इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने भी श्रीलंकाई नौसेना की कार्रवाई की निंदा की है.

अमेरिका के टेनेसी सैन्य संयंत्र में हुआ विस्फोट, 19 लोग लापता

एजेंसियां । वाशिंगटन

अमेरिका के टेनेसी राज्य के ग्रामीण क्षेत्र की एक पहाड़ी पर स्थित टेनेसी सैन्य गोला-बारूद संयंत्र में हुए विस्फोट के दौरान 19 लोग लापता हो गए. अधिकारियों ने सभी की मौत हो जाने की आशंका जताई है. ता हो गए और उनके मारे जाने की आशंका है. हम्फ्रीज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस के अनुसार, सेना को गोला-बारूद की आपूर्ति करने वाली कंपनी एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स के परिसर में हुए विस्फोट की आवाज से इलाका दहल गया. एबीसी न्यूज चैनल और ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कारपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, कोई भी अधिकारी यह बताने को तैयार नहीं है कि इस त्रासदी में कितने लोग मारे गए हैं. सभी का यही कहना है कि 19 लोग लापता हैं. इनके जीवित होने की गुंजाइश रत्ती भर नहीं है. शेरिफ ने कहा कि संयंत्र जलकर राख हो चुका है. यह विस्फोट 10 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 7:45 बजे हुआ. लोगों ने बताया कि उन्होंने मीलों दूर से विस्फोट की आवाज सुनी. एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, वह नैशविले से लगभग 97 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में बक्सनॉर्ट क्षेत्र की पहाड़ियों पर फैले आठ इमारतों वाले प्रतिष्ठान में विस्फोटक बनाती और उनका परीक्षण करती है. संयुक्त राज्य अमेरिका सेना संघ के अनुसार, इस कंपनी के ग्राहकों में रक्षा विभाग और होमलैंड सुरक्षा विभाग शामिल हैं.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.